सच, सिर्फ सच **

वॉयस ऑफ लखनऊ

शुक्रवार, 18 सितम्बर , 2026 लखनऊ, महानगर, वर्ष 22, अंक 70, पेज 12, 3.50 रुपये

www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

तीसरी बार टाटा के चेयरमैन बने चंद्रशेखरन

टाटा संस के निदेशक मंडल ने एन चंद्रशेखरन को कार्यकारी चेयरमैन के रूप में पांच साल के एक और कार्यकाल के लिए पुनर्नियुक्त करने को मंजूरी दी। } 10

सत्ता का दरवाजा नहीं दिखने से विपक्षी नेता बेचैन : नवीन

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने विपक्षी नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता हासिल करने का कोई भी दरवाजा दिखाई नहीं देने से उन्हें बेचैनी हो रही है। } 12

पीएम मोदी के जन्मदिन पर देशभर में दीपोत्सव

देश-विदेश के वरिष्ठ नेताओं ने दी बधाई

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर बृहस्पतिवार को राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों और अन्य नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। गुजरात के वडनगर में 17 सितंबर, 1950 को जन्मे मोदी बृहस्पतिवार को अपना 76वां जन्मदिन मना रहे हैं।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने दृढ़ संकल्प के साथ देश को आगे बढ़ाया है। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सेवा, सुशासन और राष्ट्रनिर्माण का संकल्प लेकर भारत को नयी ऊंचाइयों पर ले जा रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। उन्होंने कहा पहले गुजरात में सरकार और बाद में भारत के प्रमुख के तौर पर पिछले 25 वर्षों से उन्होंने दृढ़ संकल्प के साथ देश को आगे बढ़ाया है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके जन्मदिन पर बधाई दी। उन्होंने विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर राज्यवासियों को भी शुभकामनाएं दीं। चौधरी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, आज का दिन विशेष है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिवस है। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र और देशसेवा के लिए समर्पित किया है। उनके दीर्घ राष्ट्रसेवा के सफर को नमन करते हुए उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना करता हूं। उन्होंने कहा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक पूरे बिहार में सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा। सेवा सेतु अभियान के तहत सभी प्रखंडों एवं विधानसभा क्षेत्रों में सरकार आपके द्वार समाधान शिविर आयोजित करके नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

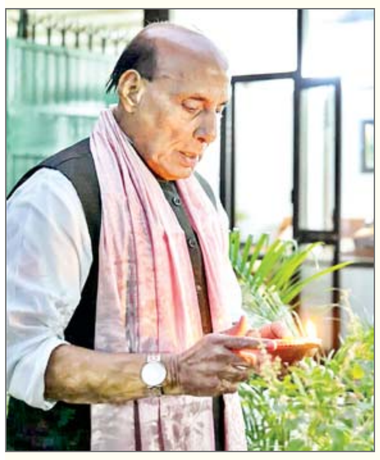

वहीं मार्च 2027 तक कायाकल्प अभियान के माध्यम से विकास कार्यों में तेजी, स्वच्छता तथा सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता एवं पहुंच को और प्रभावी बनाया जाएगा। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर ने प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक्स पर ए क पोस्ट में कहा, प्रदेश की जनता और अपनी ओर से मैं आपको जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। आपके परिवर्तनकारी शासन और ऐतिहासिक आर्थिक सुधारों के तहत भारत अब सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित है। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नेतृत्व करने से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र का मार्गदर्शन करने तक आपकी यात्रा ने भारत की विकास गाथा को नई गति दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का सेवा, संकल्प और सुशासन का दृष्टिकोण देशभर के लोगों को प्रेरित करता रहता है। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के प्रमुख वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने भी प्रधानमंत्री ...शेष पृष्ठ 10 पर

सीएम योगी ने जलाया आशीर्वाद का दिया

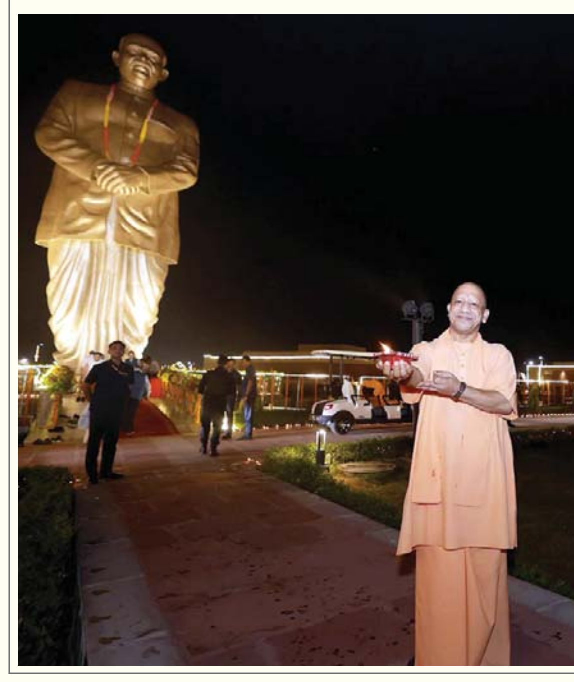

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित प्रेरणा स्थल पर आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाओं पर दीप जलाकर अभियान की शुरूआत की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रेरणा स्थल पर मौजूद छात्रों से संवाद किया। उन्होंने मोबाइल से वीडियो बनाया और वहां मौजूद छात्रों को चॉकलेट भी दी। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना की और विश्वकर्मा पूजन की भी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं ...शेष पृष्ठ 10 पर

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश ने बनायी नयी पहचान : राजनाथ

❍ नये भारत के शिल्पी हैं प्रधानमंत्री मोदी : योगी ❍ यूपी की 25 करोड़ जनता उनके साथ

विशेष सवांददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र को उनके जन्म स्थान से जोड़ने वाली एक मोटरसाइकिल यात्रा की शुरुआत के अवसर पर बृहस्पतिवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वाराणसी और वडनगर के बीच लगभग 2,000 वर्ष पुराने संबंध का उल्लेख किया। वाराणसी में सेवा संकल्प अभियान के शुरुआत पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि लगभग 2,000 वर्ष पहले बौद्ध भिक्षु ज्ञान और आध्यात्मिकता को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के लिए सारनाथ से वडनगर गए थे।

वाराणसी से वडनगर तक की सेवा संकल्प मोटरसाइकिल यात्रा की शुरुआत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और केंद्रीय मंत्री व भाजपा के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की मौजूदगी में की गई। भाजपा का व्यापक सेवा संकल्प अभियान मोदी के 76वें जन्मदिन और उनके समर्पित जनसेवा के 25 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने पहले गुजरात के मुख्यमंत्री और फिर भारत के प्रधानमंत्री के तौर पर यह सेवा की है। उन्होंने कहा आज हम उसी प्राचीन परंपरा को एक नए रूप में आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। सिंह ने वर्तमान यात्रा को आस्था, जल और सेवा के माध्यम से दोनों स्थानों को जोड़ने का प्रयास बताया। सिंह ने कहा कि यह यात्रा केवल एक भौगोलिक स्थान से दूसरे भौगोलिक स्थान तक की यात्रा नहीं है, बल्कि यह मोदी की जन्मभूमि (वडनगर) व कर्मभूमि (वाराणसी) के बीच एक संबंध का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने कहा कि काशी से ...शेष पृष्ठ 10 पर

यमुना तट पर 2100 दीप हुए रोशन

सीएम धामी ने की मां यमुना की आरती, हरिघाट का किया लोकार्पण

प्रमुख संवाददाता

हरिपुर कालसी (उत्तराखंड)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर ऐतिहासिक हरिपुर कालसी में यमुना तट आस्था और आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर नजर आया। आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम के तहत यमुना तट पर 2100 दीप प्रज्वलित किए गए। दीपों की रोशनी से सजे घाट पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मां यमुना की आरती कर प्रदेश की सुख-शांति, समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीघार्यु और स्वस्थ जीवन की भी कामना की गई।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने मां यमुना की प्रतिमा का अनावरण करने के साथ हरिघाट का लोकार्पण किया और मां यमुना-कृष्ण मंदिर की आधारशिला रखी। वैदिक मंत्रोच्चार, यमुना मैया के जयघोष और दीपों की श्रृंखला के बीच हुए आयोजन ने हरिपुर कालसी की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को भव्य स्वरूप प्रदान किया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि कालसी ...शेष पृष्ठ 10 पर

विशेष खबर विराज सागर दास ने परिवर्तन चौक पर बांटी झालमुड़ी और चाय, रक्तदान शिविर का किया शुभारंभ, निराश्रित बच्चों के लिए हेल्थ कैंप, करियर काउंसलिंग और पेंसिल बॉक्स व फल का किया वितरण

पीएम मोदी से प्रेरणा लेकर देश की प्रगति के लिए कार्य करें : विराज सागर दास

विशेष संवाददाता

लखनऊ। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को हजरतगंज स्थित परिवर्तन चौक पर झालमुड़ी और चाय वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ युवा भाजपा नेता, बीबीडी ग्रुप के प्रेसिडेंट एवं डॉ. अखिलेश दास गुप्ता फाउंडेशन के प्रेसिडेंट, बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट, उ.प्र. बैडमिंटन एसोसिएशन अध्यक्ष व यूपी ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष विराज सागर दास ने किया। इसके अलावा उन्होंने मोती नगर स्थित श्रीमद् दयानंद बाल सदन में निराश्रित, अनाथ एवं निर्धन बच्चों के लिए हेल्थ कैंप, करियर काउंसलिंग और पेंसिल बॉक्स का वितरण किया। वहीं, जियामऊ स्थित सामुदायिक केंद्र में रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया।

फोटो : समीर भटनागर

इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में विराज सागर दास ने कहा कि आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर उन्होंने विविध प्रकार के सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया है। श्रीमद् दयानंद बाल सदन में हेल्थ कैम्प, करियर काउंसिल और पेंसिल बाक्स और फल का वितरण किया गया तो दूसरी तरफ जियामऊ स्थित सामुदायिक केन्द्र में रक्तदान शिविर लगा। उन्होंने कहा कि आज के दिन हम सभी को विशेष रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरणा लेकर देश की प्रगति में कार्य करने की जरूरत है। इस सेवा संकल्प अभियान के तहत पूरे माह विविध प्रकार के सामाजिक कार्य किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ फिर से भाजपा सरकार बनेगी। इससे पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत विराज सागर दास ने जियामऊ स्थित सामुदायिक केंद्र में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारम्भ किया। इस दौरान उन्होंने रक्तदान के लिए आगे आये युवाओं और ...शेष पृष्ठ 10 पर

मालिनी अवस्थी के गीत व भजनों पर झूमे श्रद्धालु

बीबीडी ग्रुप की चेयरपर्सन श्रीमती अलका दास गुप्ता और प्रेसिडेंट विराज सागर दास ने पद्मश्री मालिनी अवस्थी को किया सम्मानित

फोटो : अमित वर्मा

अनिल कुमार सिंह

लखनऊ। बीबीडी शैक्षणिक परिसर में हो रहे चार दिवसीय श्री गणेश महोत्सव 2026 के चौथे दिन प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गायिका एवं पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने लोक संगीत व भजन की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर बीबीडी ग्रुप की चेयरपर्सन श्रीमती अलका दास गुप्ता और प्रेसिडेंट विराज सागर दास ने पद्मश्री मालिनी अवस्थी को पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने कार्यक्रम की शुरुआत वक्रतुंड महाकाय सूर्य कोटि समप्रभः ,ॐ गं गणपतये नमो नमः, मेरे घर में पधारो गजानन जी, मेरे घर में पधारो, गणपति बप्पा मोरिया, जय गणेश जय गणेश देवा, माता जाकी पार्वती पिता महादेवा, अच्युतम केशवं कृष्ण दामोदरम, रामनारायणम जानकी वल्लभम, गणपति को लग जहिये नजरिया..., जय गणेश देवा जय गणेश देवा..., डम डम डमरू बजावे से किया जिसे सुनकर पंडाल में उपस्थित दर्शक झूम उठे। होली ...शेष पृष्ठ 10 पर

कारीगरी और हस्तशिल्प से तीन करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार : मुख्यमंत्री

पारंपरिक कारीगरों के हुनर को आधुनिक तकनीक और नये बाजार से जोड़ने का काम किया

विशेष संवाददाता (vol)

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अलग-अलग कारीगरी और हस्तशिल्प से तीन करोड़ से अधिक लोग रोजगार प्राप्त कर रहे हैं और स्वावलंबन का जीवन जी रहे हैं। वर्ष 2017 में सरकार बनने के बाद प्रदेश सरकार ने परंपरागत कारीगरों और हस्तशिल्पियों को आगे बढ़ाने के लिए काम शुरू किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पारंपरिक कारीगरी को आधुनिक तकनीक और नए बाजार से जोड़ने के साथ उत्पादों की पैकेजिंग और डिजाइनिंग पर भी ध्यान दिया। इससे कारीगरों और हस्तशिल्पियों के लिए आगे बढ़ने का रास्ता खुला है।

मुख्यमंत्री योगी बुधवार को भगवान विश्वकर्मा की जयंती पर गोरखपुर के श्री विश्वकर्मा पंचायत मंदिर में आयोजित विश्वकर्मा पूजनोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज का दिन अत्यंत पवित्र है। एक ओर सृष्टि के शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयंती है तो दूसरी ओर नए भारत के शिल्पी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है। मुख्यमंत्री योगी ने बाबा गोरखनाथ की धरती से प्रधानमंत्री मोदी को उत्तर प्रदेशवासियों की ओर से जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की नए भारत और विकसित भारत की संकल्पना को उनके नेतृत्व में 140 करोड़ भारतवासी साकार होते हुए देखेंगे। उन्होंने बाबा गोरखनाथ और भगवान विश्वकर्मा से प्रधानमंत्री मोदी के स्वस्थ और दीर्घ जीवन की कामना की।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भारत की परंपरा में भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि के शिल्पी के देवता के रूप में पूजा जाता है। विशिष्ट कला, कारीगरी और हस्तशिल्प से जुड़े लोग विश्वकर्मा जयंती पर सृष्टि के शिल्पी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि जो देश अपना हस्तशिल्पियों और कारीगरों का सम्मान करता है, वह आगे बढ़ता है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने नए भारत में कारीगरों और हस्तशिल्पियों को पीएम विश्वकर्मा के रूप में एक मंच उपलब्ध कराया है। राजमिस्त्री, बढ़ई, हलवाई, सुनार सहित विभिन्न परंपरागत व्यवसायों से जुड़े कारीगर समाज के स्वावलंबन का आधार रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आजादी के बाद परंपरागत कारीगरों और हस्तशिल्पियों की निरंतर उपेक्षा हुई। पहली बार सरकार ने उनकी बात सुनी, उनकी जरूरतों को समझा और उनकी चिंता की। उन्हें टूलकिट उपलब्ध कराने के साथ प्रशिक्षण और बैंक से सस्ता ऋण दिलाने की व्यवस्था की गई। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार ने कारीगरों को आगे बढ़ाने का काम किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2017 में सरकार बनने के बाद इस दिशा में काम शुरू किया गया। आज प्रदेश में तीन करोड़ से अधिक लोग अलग-अलग कारीगरी और हस्तशिल्प के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर रहे हैं और स्वावलंबन का जीवन व्यतीत कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि परंपरागत कारीगरी को समय के अनुरूप आगे बढ़ाने के लिए उसे आधुनिक तकनीक से जोड़ना जरूरी था। प्रधानमंत्री मोदी ने कारीगरों के हुनर को आधुनिक तकनीक और नए बाजार से जोड़ने के साथ उत्पादों की पैकेजिंग और डिजाइनिंग पर भी ध्यान दिया। इससे पारंपरिक कारीगरी को बदलते समय के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर मिला।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत की परिकल्पना कारीगरों, हस्तशिल्पियों, युवा शक्ति और आधी आबादी नारी शक्ति के माध्यम से साकार होगी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के स्वस्थ और यशस्वी दीर्घ जीवन की कामना करते हुए कहा कि देश को लंबे समय तक उनका मार्गदर्शन प्राप्त हो। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उन्हें प्रतिवर्ष श्री विश्वकर्मा पंचायत मंदिर आने का अवसर मिलता है और यह उनका सौभाग्य है। उन्होंने कहा कि दशकों पहले जिस भावना के साथ मंदिर की व्यवस्था को आगे बढ़ाने का काम शुरू हुआ था, उसे आज भी लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है।

हर जरूरतमंद का आयुष्मान कार्ड बनाया जाये : सीएम

विशेष संवाददाता (vol)

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों से उन्होंने कहा कि सरकार इलाज में पूरी मदद करेगी। इसके लिए जरूरतमंद लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाएगा और इसके बाद भी जरूरत पड़ी तो विवेकाधीन कोष से सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर जरूरतमंद, पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए ताकि उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े।

महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 150 लोगों से मिले। उनके पास जाकर उनकी समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्रों का अवलोकन कर समस्या, शिकायत का संज्ञान लिया।

मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि वे परेशान न हों, सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। उन्होंने अलग-अलग मामलों के निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित और हस्तगत किए।

साथ ही निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में देवरिया जनपद से आए एक दिव्यांग ने इलाज के लिए सहायता देने का निवेदन किया।

मुख्यमंत्री ने मौके पर ही अधिकारियों को समुचित व्यवस्था करने के लिए निर्देशित किया। दिव्यांग से बातचीत में जैसे ही सीएम को उसका आयुष्मान कार्ड न होने की जानकारी हुई तो उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जल्द से जल्द आयुष्मान कार्ड बनवा दिया जाए। सीएम ने उससे दिव्यांग पेंशन के बारे में भी पूछा तो पता चला कि पेंशन मिलती थी, लेकिन किंचित कारणों से अभी बंद है। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को उक्त दिव्यांग की पेंशन बहाल कराने के लिए निर्देशित किया। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही।

पूर्व मंत्री राम आसरे भाजपा छोड़कर फिर सपा में शामिल

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के समक्ष भाजपा, राष्ट्रीय लोक दल, भाजपा, बसपा, एमआईआईएम, निषाद पार्टी समेत कई अन्य दलों के दर्जनों वरिष्ठ नेताओं ने आज अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में भाजपा छोड़कर पूर्व मंत्री राम आसरे कुशवाहा ने घर वापसी की। बरौली अलीगढ़ से विजय कुमार सिंह, कन्नौज के अंशु दुबे तिर्वा, अनूप कश्यप प्रधान निषाद पार्टी जिलाध्यक्ष कन्नौज, गोरखपुर से मनोज कुमार निषाद, अविनाश निषाद, शिव प्रसाद निषाद, आसिक अली और पूर्व मंडल अध्यक्ष आशीष पाल भी भाजपा छोड़कर सपा में शामिल हुए।

मथुरा से राष्ट्रीय लोक दल के नेता पूर्व प्रत्याशी रहे अशोक कुमार अग्रवाल, फतेहपुर बसपा के नेता कौशल किशोर पटेल, उदय शंकर पटेल, यूपी लेखपाल संघ के अध्यक्ष राजकुमार सागर सहित बसपा उपाध्यक्ष रहे आरिफ खां, हारून खां मंडल अध्यक्ष बसपा, सबी अली खान पूर्व जिलाध्यक्ष एआईएमआईएम, रईस अधिवक्ता पूर्व जिला महासचिव एआईएमआईएम, रवि पटेल जिलाध्यक्ष अपना दल कानपुर देहात, अपनी-अपनी पार्टियों को छोड़कर सपा में शामिल हुए। सभी ने 2027 के विधानसभा चुनाव में सपा की सरकार बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अखिलेश यादव ने सभी नेताओं का आभार प्रकट करते हुए स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इन सभी नेताओं के आने से पार्टी और पीडीए की ताकत मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि सभी लोग अपने-अपने कस्बे, नगर, बूथों पर और आसपास के क्षेत्रों में समाजवादी पार्टी को मजबूत करेंगे। प्रदेश में सपा की सरकार बनेगी और सामाजिक न्याय के राज की स्थापना होगी।

सपा यूपीआई से पैसा वसूलने की योजना के खिलाफ : अखिलेश

अखिलेश यादव ने गुरूवार को पार्टी प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा है कि भाजपा सरकार यूपीआई पेमेंट पर टैक्स लगाकर चुंगी वसूलना चाहती है। यूपीआई पेमेंट पर टैक्स भाजपा सरकार की रुपये ऐंठने की योजना है। सपा यूपीआई से पैसा वसूलने की योजना के खिलाफ है। भाजपा के लोग चुंगीजीवी हैं। उन्होंने कहा कि अर्थ व्यवस्था को ट्रिलियन डालर बनाने के लिए चुंगीजीवियों के पास अब यही बचा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार लूट, बेईमानी के सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। राजधानी लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में हत्याएं हो रही है। प्रदेश हत्याओं से भरा पड़ा है। लखनऊ में थाने के सामने हत्या हो गयी और पुलिस ने इनाम भी ले लिया। गोरखपुर में तो इतनी हत्याएं हो रही है, इसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। भाजपा सरकार में महिलाएं-बेटियां सुरक्षित नहीं है। महिलाओं-बेटियों पर हो रहे अपराध और साइबर क्राइम के मामले उत्तर प्रदेष में देश में सबसे ज्यादा हो रहे है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश को बर्बाद कर दिया है।

सैफई के महोत्सव और बर्मिंघम की बग्घी में उलझी पिछली सरकारें : योगी

- मुख्यमंत्री बोले- कारीगरों की चिंता की फुर्सत नहीं थी, अब हुनर को बाजार, तकनीक और पूंजी से जोड़ रही सरकार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को पिछली सरकारों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जब सरकारों को सैफई में महोत्सव आयोजित कराने, मुंबई से डांस कराने और बर्मिंघम की बग्गी लाकर जन्मदिन मनाने से फुर्सत न हो तो कारीगरों के बारे में सोचने का समय कहां से आता। उन्होंने कहा कि ऐसी सरकारों को स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के बारे में सोचने की भी फुर्सत नहीं थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने पारंपरिक कारीगरों के हुनर को सम्मान देने के साथ उन्हें बाजार, बैंकिंग व्यवस्था और आधुनिक तकनीक से जोड़ने का काम किया है। मुख्यमंत्री इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित विश्वकर्मा स्वरोजगार एवं स्वदेशी मेला-2026 के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने प्रदर्शनी और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना-2.0 के मार्जिन मनी ऋण पोर्टल का शुभारंभ किया। योगी ने कहा कि वर्ष 2018 में उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर ओडीओपी और वर्ष 2019 में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना शुरू की गई। पिछले सात-आठ वर्षों में छह लाख से अधिक हस्तशिल्पियों और कारीगरों को प्रशिक्षण के साथ टूलकिट उपलब्ध कराई गई है।

हुनर था, लेकिन बाजार और बैंक से दूर कर दिए गए : मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की आर्थिक ताकत उस दौर में बनी थी, जब यहां का कारीगर उद्यमी और हस्तशिल्पी आत्मनिर्भर था। उनके मुताबिक समय के साथ कारीगर बाजार, बैंकिंग व्यवस्था और बदलती तकनीक से दूर होते गए। इससे वह कारीगर, जो कभी अपना काम और कारोबार करता था, श्रमिक बनने को मजबूर हुआ। योगी ने कहा कि वर्ष 2017 में सत्ता संभालने के बाद सरकार ने पारंपरिक कारीगरों की स्थिति को बदलने पर काम शुरू किया। पारंपरिक काम करने वालों को प्रशिक्षण, टूलकिट और वित्तीय सहायता से जोड़ने की व्यवस्था की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने केवल प्रशिक्षण देने के बजाय प्रशिक्षण अवधि में कारीगर के परिवार की जरूरतों को भी ध्यान में रखा है। योजना के तहत 10 दिन का निशुल्क प्रशिक्षण, पांच हजार रुपये मानदेय और प्रशिक्षण के बाद 15 हजार रुपये तक की टूलकिट उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि योजना का दायरा बढ़ाकर अब 25 ट्रेड किया गया है। इसमें मूर्तिकार, दूधिया, माली, भड़भूजा और मछुआरा जैसे नए ट्रेड शामिल किए गए हैं। मोबाइल रिपेयर, ऑटोमोबाइल रिपेयर, कंप्यूटर रिपेयर, प्लंबिंग, सोलर इंस्टॉलेशन, डिजिटल फोटोग्राफी और ब्यूटी पार्लर जैसे आधुनिक कार्यों को भी इसमें जोड़ा गया है। योगी ने कहा कि कारीगर को उद्यमी बनाने के लिए पूंजी की जरूरत भी होती है।

सीएम युवा उद्यमी योजना के तहत युवाओं को पांच लाख रुपये तक और कारीगरों को 10 लाख रुपये तक ब्याजमुक्त एवं गारंटीमुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। इसमें 10 से 15 फीसदी तक मार्जिन मनी की व्यवस्था है। 25 से 29 सितंबर तक सभी जिलों में टूलकिट वितरण कार्यक्रमों के साथ कारीगरों को बैंक ऋण से जोड़ने की व्यवस्था भी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य कहा जाता था, जबकि प्रदेश के पास विशाल आबादी, उपजाऊ भूमि, पर्याप्त जल संसाधन और युवा शक्ति थी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश बीमारू नहीं था, बल्कि इसे संचालित करने वाले राजनेताओं की मानसिकता बीमारू थी। उनके मुताबिक अब प्रदेश में 96 लाख एमएसएमई इकाइयां हैं, जिनसे करीब 3.25 करोड़ लोगों को रोजगार मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश ट्रेड शो आयोजित होगा। इसमें 2500 से अधिक एग्जिबिटर और 650 से ज्यादा विदेशी खरीदार शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि ट्रेड शो में 12 से 15 हजार करोड़ रुपये तक के कारोबार की संभावना है। इससे प्रदेश के कारीगरों, हस्तशिल्पियों और उद्यमियों को बड़े बाजार से जोड़ने में मदद मिलेगी।

नागरिक सुरक्षा विभाग के 191 पदों पर जल्द होगी भर्ती

विशेष संवाददाता (vol)

- सबसे अधिक सहायक उप नियंत्रक के 104 पदों पर होगी भर्ती

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश के युवाओं को नौकरी के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दो दिन पहले ही एक कार्यक्रम में 19 सितंबर से एक लाख नई नौकरी देने का ऐलान किया था। इसी क्रम में नागरिक सुरक्षा विभाग में छह अलग-अलग पदों पर कुल 191 रिक्तियों पर भर्ती की शुरू कर दी गयी है। इसमें सबसे अधिक सहायक उप नियंत्रक (सा.वे.) के 104 पद शामिल हैं। इसके अलावा भंडार अधीक्षक-द्वितीय, स्टोरमैन, आशुलिपिक, कनिष्ठ सहायक और डिस्पैच राइडर के पद भी शामिल हैं।

योगी सरकार ने पिछले साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश के युवाओं को साढ़े नौ लाख से अधिक सरकारी नौकरी के अवसर उपलब्ध कराए हैं। वहीं प्रदेश के युवाओं को अगले छह माह में एक लाख नई नौकरी उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न विभागों को निर्देश दिये हैं। इसमें सबसे अधिक 77 हजार भर्तियां अकेले यूपी पुलिस और होमगार्ड विभाग में की जाएंगी। ऐसे में सीएम योगी के निर्देश पर नागरिक सुरक्षा विभाग में 191 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विभाग में अलग-अलग जिम्मेदारियों वाले पदों पर नियुक्तियां होने से विभागीय कामकाज को भी मानव संसाधन का सहयोग मिलेगा। विभाग में सहायक उप नियंत्रक के 104, भंडार अधीक्षक-द्वितीय के 6, स्टोरमैन के 33, आशुलिपिक के 9, कनिष्ठ सहायक के 25 और डिस्पैच राइडर के 14 खाली पदों पर भर्ती की जाएगी। नागरिक सुरक्षा विभाग की 191 रिक्तियों में अकेले 104 पद सहायक उप नियंत्रक के हैं।

विभाग की ओर से जल्द ही इन पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया जाएगा। नागरिक सुरक्षा विभाग आपात परिस्थितियों में नागरिकों की सुरक्षा और सहायता से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य करता है। ऐसे में विभाग में रिक्त पदों को भरने से उसके प्रशासनिक और मैदानी कार्यों के संचालन में अतिरिक्त मानव संसाधन उपलब्ध होगा। सहायक उप नियंत्रक के पद विभागीय स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों से जुड़े हैं।

पूर्व कुलपति माहरुख मिर्जा की बर्खास्तगी रद्द करने के आदेश पर हाई कोर्ट ने लगायी रोक

विधि संवाददाता

- दो जजों की पीठ ने एकल पीठ के फैसले पर लगायी है अंतरिम रोक

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने गुरुवार को ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के पूर्व कुलपति प्रो. माहरुख मिर्जा की बर्खास्तगी रद्द करने वाले एकल पीठ के आदेश पर रोक लगा दी। एकल पीठ ने पांच अगस्त 2026 को मिर्जा की बर्खास्तगी को निरस्त कर दिया था।

न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजिव शुक्ल की पीठ ने विश्वविद्यालय की ओर से दाखिल विशेष अपील पर यह आदेश पारित किया। विशेष अपील में एकल पीठ के न्यायमूर्ति राजीव सिंह के पांच अगस्त के फैसले को चुनौती दी गई थी। पीठ ने कहा कि एकल पीठ ने मिर्जा के खिलाफ लगाए गए आरोपों के गुण-दोष पर निष्कर्ष दर्ज किए, जबकि विभागीय कार्रवाई के मामले में न्यायिक समीक्षा की सीमाओं को ध्यान में रखा जाना आवश्यक था। पीठ ने प्रथमदृष्टया तीन आरोपों - एनओसी में कथित जालसाजी, कथित अवैध नियुक्तियां और बायोमीट्रिक उपस्थिति दर्ज न करने- से संबंधित निष्कर्षों को संदिग्ध माना है। दो जजों की पीठ ने कहा कि आरोपों की प्रकृति को देखते हुए और प्रथमदृष्टया तीन आरोपों से संबंधित निष्कर्ष संदिग्ध पाए जाने के कारण हम इस निष्कर्ष पर हैं कि एकल पीठ के विवादित फैसले पर रोक लगाया जाना उचित है। मामले को दो माह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया गया है। विश्वविद्यालय की ओर से पेष वरिष्ठ अधिवक्ता एलपी मिश्रा ने दलील दी कि एकल पीठ का फैसला टिकाऊ नहीं है। उन्होंने कहा कि विवाद मिर्जा के कुलपति कार्यकाल के दौरान कथित रूप से की गई 13 नियुक्तियों से भी जुड़ा था। इनमें से सात नियुक्तियों को विश्वविद्यालय की कार्य परिषद अथवा कुलाधिपति द्वारा बाद में मान्यता दे दी गई थी, जबकि शेष छह कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी गई थीं। इन कर्मचारियों की ओर से दाखिल याचिकाएं हाईकोर्ट में लंबित हैं। कहा कि एकल पीठ ने बिना सारे तथ्यों पर गौर किये ही पूर्व कुलपति माहिरुख मिर्जा की बर्खास्तगी रद्द कर दी थी जो कि सरासर गलत आदेश है। सुनवायी के दौरान दो जजों की पीठ ने पाया कि नियुक्तियों से संबंधित यह महत्वपूर्ण पहलू एकल पीठ के समक्ष पर्याप्त रूप से विचार में नहीं आया। कोर्ट ने यह भी नोट किया कि छह बर्खास्त कर्मचारियों की याचिकाएं पहले मिर्जा की याचिका के साथ संबद्ध थीं, लेकिन बाद में उन्हें अलग कर दिया गया और इसके बाद केवल मिर्जा की याचिका पर फैसला हुआ। उल्लेखनीय है कि पांच अगस्त को एकल पीठ ने मिर्जा की बर्खास्तगी और उससे संबंधित विभागीय कार्यवाही को निरस्त कर दिया था। अदालत ने कथित फर्जी एनओसी से संबंधित आरोप के समर्थन में ठोस साक्ष्य नहीं पाए थे। साथ ही, बायोमीट्रिक उपस्थिति दर्ज नहीं होने मात्र से 75 दिन अनुपस्थित रहने का आरोप सिद्ध नहीं माना था।

आईएएस अभिषेक प्रकाश को हाईकोर्ट ने दी बड़ी राहत

विधि संवाददाता

- कोर्ट ने बिना शपथपत्र प्रकाश के खिलाफ की गई शिकायत पर कार्रवाई को गलत ठहराया, विजिलेंस जांच की रद

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने गुरुवार को आईएएस अधिकारी एवं तत्कालीन औद्योगिक विकास विभाग के सचिव तथा इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक प्रकाश को बड़ी राहत देते हुए योगी सरकार द्वारा उन के खिलाफ शुरू की गई विजिलेंस जांच को निरस्त कर दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव सिंह ने अभिषेक प्रकाश की याचिका मंजूर करते हुए पारित किया है।

कोर्ट ने अभिषेक प्रकाश के खिलाफ सरकार द्वारा 20 मार्च 2025 और 28 मार्च 2025 को जारी आदेशों के साथ ओपन विजिलेंस इंक्वायरी की पूरी कार्यवाही रद कर दी है। मामला एक कंपनी के अधिकारी की ओर से 20 मार्च 2025 को की गई शिकायत से जुड़ा था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि इन्वेस्ट यूपी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने उसे निकांत जैन का मोबाइल नंबर देकर उनसे संपर्क करने को कहा था और कथित तौर पर प्रोजेक्ट को एम्पावर्ड कमेटी और कैबिनेट से मंजूरी दिलाने की बात कही गई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, निकांत जैन ने प्रोजेक्ट की पांच प्रतिशत राशि की माँग की थी। इसी शिकायत के आधार पर निकांत जैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई, जबकि दूसरी ओर अभिषेक प्रकाश के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी गई और उसी दिन विजिलेंस जांच के लिए भी पत्र भेज दिया गया।

हाईकोर्ट ने खास तौर पर इस बात को नोट किया कि शिकायत के समर्थन में कोई शपथपत्र नहीं दिया गया था। मामले में महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब कंपनी के अधिकारी बिस्वजीत दत्ता ने निकांत जैन से जुड़े मामले में हाईकोर्ट के समक्ष दाखिल अपने काउंटर एफिडेविट में कहा कि 20 मार्च 2025 की शिकायत उलझन और गलतफहमी के कारण की गई थी। उन्होंने बताया कि उस समय उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि जमीन की उपलब्धता तथा अन्य संबंधित मामलों में यीडा और यू पी सी एल की रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा था। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने निकांत जैन को कोई धनराशि नहीं दी थी। कंपनी ने तीन दिसंबर 2024 को इन्वेस्ट यूपी में सोलर सेल और सोलर मॉड्यूल निर्माण इकाई स्थापित करने के लिए आवेदन किया था। इस प्रस्ताव पर 24 फरवरी, 12 मार्च और 25 मार्च 2025 को मूल्यांकन समिति की बैठकें हुईं। 12 मार्च की बैठक में जमीन और बिजली सब्सिडी से संबंधित सूचनाएं उपलब्ध नहीं होने के कारण प्रस्ताव पर आगे विचार के लिए जानकारी मांगी गई। बाद में 25 मार्च की बैठक में कंपनी के प्रस्ताव को हाई लेवल एम्पावर्ड कमेटी के समक्ष रखने की सिफारिश कर दी गई। अभिषेक प्रकाश की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव मेहरोत्रा ने दलील देकर कहा था कि कंपनी का प्रोजेक्ट लगातार मूल्यांकन समिति के विचाराधीन था और 25 मार्च 2025 की बैठक में उसे हाई लेवल एम्पावर्ड कमेटी के समक्ष रखने की सिफारिश भी कर दी गई थी। तर्क दिया था कि शिकायतकर्ता ने स्वयं बाद में हाईकोर्ट में हलफनामा देकर स्वीकार किया कि शिकायत गलतफहमी के कारण की गई थी। उन्होंने तर्क दिया कि बिना शपथपत्र की शिकायत पर विजिलेंस जांच शुरू करना और स्टेट विजिलेंस कमेटी की स्वीकृति नहीं लेना सरकारी आदेशों के विपरीत था।

वहीं राज्य सरकार की ओर से मुख्य स्थायी अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार सिंह स्थाई अधिवक्ता अनिरुद्ध सिंह के साथ पेश हुए। अनिरुद्ध ने याचिका का विरोध किया और कहा कि आरोपों की गंभीरता को देखते हुए प्रशासनिक विभाग ने विजिलेंस जांच का निर्णय लिया था। उन्होंने दलील दी कि कंपनी के अधिकारी की शिकायत को फर्जी नहीं माना जा सकता और संबंधित सरकारी आदेशों के तहत विजिलेंस जांच की प्रक्रिया अपनाई जा सकती है।

प्रल्हाद जोशी ने प्राथमिक शिक्षक संबंधी शिक्षा में ब्रिज कोर्स का किया शुभारंभ

पाठ्यक्रम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सेवारत प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों को व्यापक प्रशिक्षण करेगा प्रदान

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्राथमिक शिक्षक संबंधी शिक्षा (पीटीई) में छह माह के प्रमाण-पत्र (ब्रिज) पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया। यह पाठ्यक्रम ऐसे सेवारत प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के लिए तैयार किया गया है, जिनके पास बीएड की डिग्री है। यह पाठ्यक्रम ऐसे शिक्षकों के लिए प्राथमिक स्तर पर शिक्षण के लिए आवश्यक प्रमाणन प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। यह विशेष व्यावसायिक विकास कार्यक्रम शिक्षकों को व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जिससे वे प्राथमिक स्तर (कक्षा प्रथम से पांचवीं) के विद्यार्थियों को प्रभावी ढंग से शिक्षित करने के लिए आवश्यक कौशल और दक्षताएं विकसित कर सकेंगे।

यह ब्रिज पाठ्यक्रम राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) के माध्यम से संचालित किया जाएगा। इसके अंतर्गत शिक्षकों को बाल-केंद्रित, समावेशी तथा बाल विकास के अनुरुप शिक्षण पद्धतियों से परिचित कराया जाएगा। इससे शिक्षा के आधारभूत और प्राथमिक चरणों में शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी।

यह पाठ्यक्रम राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के निर्धारित ढांचे के अनुरूप तैयार किया किया गया है। इसके माध्यम से प्राथमिक स्तर पर शिक्षण-पद्धति संबंधी दक्षताओं को मजबूत किया जाएगा। इसमें अकादमिक अध्ययन के साथ-साथ कम से कम 10 दिनों की ऑनलाइन संपर्क कक्षाएं और कम से कम 20 दिनों का विद्यालय-आधारित अनुभव शामिल होगा।

यह ब्रिज पाठ्यक्रम शिक्षकों को छोटे बच्चों की विविध अधिगम आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाएगा। इसमें छह सैद्धांतिक पाठ्यक्रम और विद्यालय-आधारित प्रायोगिक कार्य शामिल हैं। यह कार्यक्रम शैक्षिक सिद्धांत को कक्षा में उसके व्यवहारिक प्रयोग से जोड़ने के लिए एक सुदृढ़ ढांचा प्रदान करता है। ब्रिज पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्राथमिक शिक्षकों को ऐसे कौशल, दृष्टिकोण और आत्म चिंतन की क्षमताओं से सशक्त बनाना है, जो प्राथमिक कक्षाओं में सभी बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आजीवन अधिगम सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं। यह शिक्षण को एक गतिशील, संदर्भ-संवेदी और जिज्ञासा-आधारित पेशे के रूप में देखने के विजन को बढ़ावा देता है।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 8 अप्रैल 2024 को सिविल अपील संख्या 5068/2023 (देवेश शर्मा बनाम भारत संघ एवं अन्य) में अपने फैसले के माध्यम से एनसीटीई को उन प्राथमिक शिक्षकों के लिए एक ब्रिज पाठ्यक्रम तैयार करने का अधिकार दिया था, जिनके पास डीईएलईएड की योग्यता नहीं थी। तदनुसार, यह ब्रिज पाठ्यक्रम सेवारत प्राथमिक विद्यालय के उन शिक्षकों के लिए तैयार किया गया था, जिनकी नियुक्ति 28 जून 2018 से 11 अगस्त 2023 के बीच प्राथमिक स्तर (कक्षा प्रथम से पांचवीं) पर अध्यापन के लिए बीएड डिग्री के साथ की गई थी। यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से उन शिक्षकों के लिए है, जिनकी नियुक्तियां एनसीटीई की राजपत्र अधिसूचना एफ. संख्या एनसीटीई-आरईजी 012/2018, 28 जून 2018 के तहत संरक्षित हैं।

इस कार्यक्रम में सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों घटक शामिल हैं, जिनका उद्देश्य आधारभूत अधिगम के सिद्धांतों पर ध्यान केंद्रित करना है। शिक्षण का माध्यम हिंदी और अंग्रेजी भाषाएं होंगी। हालांकि, शिक्षकों को आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध 22 अनुसूचित भाषाओं में से किसी भी भाषा में सार्वजनिक परीक्षा (सिद्धांत) देने की अनुमति होगी। यह पाठ्यक्रम मुक्त एवं दुरस्थ अधिगम (ओडीएल) पद्धति के माध्यम से संचालित किया जाएगा। पाठ्यक्रम में संपर्क कार्यक्रम, विद्यालय-आधारित प्रायोगिक कार्य-जिसमें अभ्यास शिक्षण, आत्म-चिंतन संबंधी जर्नल और पोर्टफोलियो शामिल हैं- वीडियो ट्यूटोरियल, ई-लर्निंग सामग्री और डिजिटल प्लेटफॉर्म शामिल होंगे। यह व्यवस्था सुनिश्चित करेगी कि सेवारत शिक्षक अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु में सक्रिय रूप से भाग ले सकें।

इस पाठ्यक्रम में प्रवेश एनआईओएस के आधिकारिक ब्रिज पाठ्यक्रम पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन होगा। पात्र शिक्षक पंजीकरण कर सकेंगे, आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर सकेंगे तथा निर्धारित डैशबोर्ड के माध्यम से अपने प्रवेश की स्थिति देख सकेंगे। पाठ्यक्रम की समस्त अध्ययन सामग्री, जिसमें स्व-अधिगम सामग्री भी शामिल है, डिजिटल प्रारूप में उपलब्ध कराई जाएगी। शिक्षक अपने अधिगम अनुभव को बेहतर बनाने के लिए ऑडियो/वीडियो, इंटरैक्टिव सामग्री सहित पूरक संसाधनों तक भी ऑनलाइन पहुंच प्राप्त कर सकेंगे।

उपमुख्यमंत्री समेत भाजपा पदाधिकारियों ने दीप किया प्रज्ज्वलित

पीएम मोदी के जन्मदिवस पर प्रदेश सरकार और संगठन ने साथ मनाया सेवा संकल्प अभियान

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। भाजपा द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर गुरुवार से प्रदेशभर में शुरू किए गए सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत भाजपा प्रदेश मुख्यालय, लखनऊ में आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीघार्यु की कामना की।

इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में दीप जलाकर प्रधानमंत्री के प्रति अपनी शुभकामनाएं और सम्मान व्यक्त किया। महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आकर्षक रंगोली बनाकर कार्यक्रम को विशेष स्वरूप प्रदान किया। प्रदेशभर में प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर विभिन्न सेवा गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन राष्ट्रसेवा, गरीब कल्याण और जनहित के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक जीवन में रहते हुए देश की राजनीति और देश के विकास को नई गति देने का कार्य किया है। उनके जन्मदिवस पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा दीप जलाना केवल जन्मदिन का उत्सव नहीं, बल्कि उनके सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के लिए समर्पण के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है।

श्री मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री के जीवन का मूल मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास है। उनके नेतृत्व में देश ने गरीब, किसान, युवा, महिला और वंचित वर्गों के कल्याण के लिए अनेक योजनाओं को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाया है। प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित सेवा संकल्प अभियान भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए सेवा और जनसमर्पण को और मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने कार्यकताओं का आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को सेवा, सहयोग और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के संकल्प के रूप में मनाएं। उन्होंने प्रधानमंत्री के स्वस्थ, दीर्घ एवं यशस्वी जीवन की कामना की।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिवस देशभर में सेवा के संकल्प के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने सार्वजनिक जीवन में निरंतर देश और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन लाने का प्रयास किया है। उनके नेतृत्व में जनकल्याण को शासन की प्राथमिकताओं के केंद्र में रखा गया है।

श्री पाठक ने कहा कि आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम प्रधानमंत्री के प्रति करोड़ों देशवासियों और भाजपा कार्यकर्ताओं की आत्मीय भावनाओं का प्रतीक है। दीपक का प्रकाश सेवा, सकारात्मकता और राष्ट्रनिर्माण के संकल्प का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को समाज के बीच जाकर सेवा कार्यों के माध्यम से मना रहे हैं। उन्होंने प्रदेश के कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सेवा संकल्प अभियान के प्रत्येक कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें और जनसेवा को अपनी कार्यशैली का स्थायी हिस्सा बनाएं। उन्होंने प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीघार्यु की कामना की।

प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि भाजपा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि सेवा और संगठन के संकल्प को दोहराने का दिन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने सार्वजनिक जीवन में राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतर जनसेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रारंभ हुआ सेवा संकल्प अभियान इसी सेवा भावना को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में जलाया गया। प्रत्येक दीप प्रधानमंत्री जी के स्वस्थ और दीर्घ जीवन की मंगलकामना के साथ सेवा, समर्पण और राष्ट्रनिर्माण के संकल्प का प्रतीक है।

कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष बृज बहादुर, प्रदेश महामंत्री संजय राय, प्रदेश मंत्री बसंत त्यागी, अनिल यादव, अंकुर शर्मा, राहुल वाल्मीकि, मुख्यालय प्रभारी गोविंद नारायण शुक्ला, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष सरोज कुशवाहा, कार्यालय मंत्री भारत दीक्षित, सह कार्यालय मंत्री लक्ष्मण चौधरी, अतुल अवस्थी सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं निरंतर राष्ट्रसेवा करने के लिए मंगलकामना की। पूरे प्रदेश में भी सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विभिन्न सेवा एवं जनसरोकार से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

दीपों से जगमगाया लखनऊ, हुआ भव्य दीप प्रज्वलन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर भाजपा लखनऊ महानगर द्वारा गुरुवार को सेवा एवं समर्पण की भावना के साथ महानगर के सभी बूथों और निर्धारित स्थलों पर भव्य दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित किए गए। जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में लाखों दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री के दीघार्यु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की गई। सेंट्रल पार्क, समर विहार में भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन कार्यक्रम हुआ। फूलवाली पार्क, राजाजीपुरम वार्ड में विधान परिषद सदस्य रामचंद्र प्रधान तथा जस्टिस ऋतुराज अवस्थी के आवास के समीप निर्धारित स्थल पर सांसद संजय सेठ की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित किए गए। कुड़ियाघाट में विधायक डॉ. नीरज बोरा, लक्ष्मण मेला मैदान स्थित छठ घाट पर विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा की मौजूदगी में दीप प्रज्वलन हुआ। शिवाजी पार्क, इंदिरानगर में विधायक ओपी श्रीवास्तव तथा राधा निकुंज पार्क, खारिका द्वितीय वार्ड में विधायक राजेश्वर सिंह की मौजूदगी में दीप प्रज्वलित किए गए। इस दौरान कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। दीपों की रोशनी से विभिन्न आयोजन स्थल जगमगा उठे और वातावरण उत्सवमय हो गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को सेवा, समर्पण और जनसेवा के संकल्प के रूप में मनाया।

विश्वकर्मा जयंती व पीएम मोदी के जन्मदिवस पर भाजपा ने की पूजा-अर्चना, बांटा गुलगुला

लखनऊ में निर्माण, सृजन, शिल्प एवं तकनीकी कौशल के देवता भगवान विश्वकर्मा जी की पावन जयंती और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा, उत्तर प्रदेश द्वारा विशेष पूजा-अर्चना एवं गुलगुला वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गुरुवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय गेट नंबर-2 के पास, लखनऊ में आयोजित किया गया। इस विशेष आयोजन का मुख्य उद्देश्य भगवान विश्वकर्मा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को सेवा, समर्पण, सद्भाव एवं जनसहभागिता की भावना के साथ मनाना रहा। कार्यक्रम के माध्यम से श्रम, कौशल, सृजन एवं सेवा के संदेश के साथ प्रधानमंत्री के स्वस्थ, सुखी एवं दीघार्यु जीवन की मंगलकामना की गई तथा देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और प्रगति के लिए प्रार्थना की गई। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन राष्ट्रसेवा, परिश्रम, समर्पण और जनकल्याण की भावना से प्रेरित रहा है। उनके नेतृत्व में देश में गरीब कल्याण, सामाजिक सशक्तिकरण, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता, डिजिटल कनेक्टिविटी एवं आत्मनिर्भरता जैसे विषयों को प्राथमिकता दी गई है। गुलगुला वितरण कार्यक्रम के माध्यम से सेवा, सदभाव और आपसी भाईचारे का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ, सुखी एवं दीघार्यु जीवन की मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा के आदर्श हमे परिश्रम कौशल, सुजनशीलता और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देते हैं। समारोह के दौरान भगवान विश्वकर्मा की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की गई और इसके बाद प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में जन-जन के बीच गुलगुला प्रसाद का वितरण किया गया। इस गुलगुला वितरण कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक सहभागिता, सेवा, सद्भाव और आपसी भाईचारे का संदेश प्रसारित करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल, प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह, कार्यालय मंत्री भारत दीक्षित, सह मंत्री चौधरी लक्ष्मण व अतुल अवस्थी, राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रियंका मौर्य, पूर्व उपाध्यक्ष संतोष सिंह, राकेश चौरसिया, प्रदेश मंत्री ज्योति सोनी, मीडिया/सोशल मीडिया प्रमुख प्रवीण कुशवाहा, कार्यालय प्रभारी विजय गुप्ता, अनिल वर्मा, फरीद अंसारी, जिलाध्यक्ष गणेश वर्मा एवं 100 से अधिक कार्यकर्ताओं ने अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

सेवा और समर्पण के साथ भाजपा महानगर ने अस्पतालों में बांटे फल रक्तदानियों का किया सम्मान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर विभिन्न स्थानों पर आयोजित हुए सेवा कार्य

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर गुरुवार को भाजपा लखनऊ महानगर की ओर से सेवा और समर्पण की भावना के साथ शहर के विभिन्न अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों में फल वितरण और रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। पार्टी पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने अस्पतालों में पहुंचकर मरीजों और तीमारदारों का हाल जाना और उन्हें फल वितरित किए। वहीं रक्तदान शिविरों में रक्तदान करने वालों को सम्मानित कर इस मानवीय कार्य के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी चिकित्सालय में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक एवं भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने मरीजों का हाल जाना और फल वितरित किए। इसके बाद रक्तदान शिविर में पहुंचकर रक्तदानियों को सम्मानित किया। लखनऊ विश्वविद्यालय के पुराने परिसर स्थित आरोग्य भवन में आयोजित रक्तदान शिविर में मंत्री भूपेन्द्र चौधरी, विधायक डॉ. नीरज बोरा, नटवर गोयल और उपाध्यक्ष सौरभ वाल्मीकि ने सहभागिता कर रक्तदान जैसे पुनीत एवं मानवीय कार्य को प्रोत्साहित किया। रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय में भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रेशु भाटिया एवं अंजनी श्रीवास्तव ने मरीजों को फल बांटे। टीबी चिकित्सालय/संयुक्त चिकित्सालय, ठाकुरगंज में उत्तर विधानसभा विधायक डॉ. नीरज बोरा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष अर्पणा यादव ने मरीजों से मुलाकात कर फल वितरित किए। वहीं, लोकबंधु राज नारायण संयुक्त चिकित्सालय, कानपुर रोड में विधायक राजेश्वर सिंह एवं मंत्री राजेश चौधरी ने मरीजों और तीमारदारों को फल बांटे। बलरामपुर चिकित्सालय में महामंत्री टिंकू सोनकर एवं अर्चना साहू ने मरीजों को फल वितरित किए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सी-ब्लॉक इंदिरा नगर एवं भाऊराव देवरस सिविल अस्पताल, महानगर में पूर्व विधायक ओपी श्रीवास्तव ने भर्ती मरीजों के बीच फल वितरित किए और उनके शीघ्र स्वस्थ होने एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। अभियान में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने भी बढ़-चढ़कर सहभागिता की।

एकेटीयू में जलाया गया दीया

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में गुरुवार से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ हुआ। अभियान के पहले दिन गुरुवार को सेवा दिवस के रूप में मनाते हुए आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम के तहत दीप प्रज्वलन किया गया। कुलपति प्रोफेसर जेपी पांडे के निर्देशन में टी प्रचलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर कुलसचिव रीना सिंह, वित्त अधिकारी केशव सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर दीपक नगरिया सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। जबकि दीप प्रज्वलन बीटेक, एमबीए एवं बीफार्मा के छात्रों ने किया।

श्री हरभजराम कृपा देवी ट्रस्ट अस्पताल में लगा रक्तदान एवं नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

श्री हरभज राम कृपा देवी ट्रस्ट अस्पताल में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर एवं निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ। इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। अस्पताल के सचिव अमित गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री जन सेवा को ही सर्वोपरि मानते हैं। इसके अंतर्गत सेवा पखवाड़ा का आयोजन देशभर में हो रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए उनके जन्म दिवस को सेवा कार्यों के साथ मनाने का हमने संकल्प लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मारवाड़ी युवा मंच एवं डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल का योगदान रहा। अस्पताल के चेयरमैन पूर्व विधायक विद्यासागर गुप्ता ने प्रधानमंत्री मोदी की फोटो पर तिलक लगाकर उन्हें जन्म दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी एक जननायक है। कार्यक्रम में अस्पताल के वाइस चेयरमैन रमेश अग्रवाल, ट्रस्टी सुशील अग्रवाल, सिद्धार्थ गुप्ता, अरुण गुप्ता एवं मारवाड़ी युवा मंच लखनऊ शाखा के अध्यक्ष शिशिर अग्रवाल एवं सचिव डॉ. सुयश अग्रवाल भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 30 लोगों ने रक्तदान किया।

एकेटीयू में टीबी मरीजों में बांटी गयी पोषण की पोटली

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में गुरूवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्म दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत क्षय रोगियों में पोषण की पोटली का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय ने मरीजों को पोषण की पोटली बांटा। इसके अलावा अन्य अधिकारियों ने भी पोटली का वितरण किया। मरीजों को पौष्टिक आहार का किट दवाएं उपलब्ध करायी गई। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय ने सभी मरीजों का उत्साह बढ़ाया। कहा कि विश्वविद्यालय हर संभव मदद एवं सहयोग करेगा। इस मौके पर प्रतिकुलपति प्रो. राजीव कुमार, वित्त अधिकारी केशव सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी सिंह, उप परीक्षा नियंत्रक नेहा श्रीवास्तव, सहा. कुलसचिव सहा. कुलसचिव रंजीत सिंह सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

बिजली ब्रेकडाउन से गर्मी में बिलबिलाये उपभोक्ता, कई दुकानो में सामान खराब

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। निगोहां विद्युत सबस्टेशन की बदहाल व्यवस्था ने एक बार फिर उपभोक्ताओं को परेशान कर दिया गुरुवार को सबस्टेशन की दोनों हाईटेंशन लाइनें ब्रेकडाउन होने से करीब 15 हजार उपभोक्ताओं को घंटो तक बिजली संकट झेलना पड़ा डबल सोर्स की व्यवस्था भी काम नहीं आई और पूरा क्षेत्र बिजली के लिए तरसता रहा बिजली गुल होने से घरों में इनवर्टर जवाब दे गए भीषण गर्मी में बच्चे और बुजुर्ग बेहाल रहे वहीं पेयजल संकट के साथ व्यापारियों को भी नुकसान उठाना पड़ा विश्वकर्मा पूजा के दिन वेल्डिंग आटा चक्की मोबाइल रिपेयरिंग समेत कई काम पूरी तरह ठप रहे। उपभोक्ताओं का आरोप है कि विद्युत विभाग की लापरवाही के चलते निगोहां सबस्टेशन की आपूर्ति व्यवस्था लगातार बिगड़ रही कुछ समय पहले निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए डबल सोर्स से जोड़ी गई हाईटेंशन लाइनें भी आए दिन फाल्ट का शिकार हो जाती इसके बावजूद विभाग समस्या का स्थायी समाधान नहीं कर पा रहा।

शिकायतों के बाद भी नहीं सुधरी व्यवस्था

उपभोक्ताओं ने बताया कि बिजली बाधित होने पर 1912 पर शिकायत दर्ज कराने के बाद केवल लाइन फॉल्ट का संदेश मिलता लेकिन घंटों तक आपूर्ति बहाल नहीं हो पाती लोगों का कहना कि बार-बार होने वाले फाल्ट से साफ है कि लाइन और सिस्टम की नियमित जांच में लापरवाही बरती जा रही।

आंधी में पेड़ गिरने से ठप हुई दूसरी लाइन

अवर अभियंता निगोहां आशीष कुमार ने बताया कि निगोहां सबस्टेशन की 33 केवी लाइन डबल सोर्स से संचालित बछरावां से आने वाली लाइन के केबिल बॉक्स में खराबी आने के बाद समेसी से आने वाली दूसरी लाइन से आपूर्ति चालू की गई थी गुरुवार दोपहर आंधी और बारिश के कारण समेसी वाली 33 केवी लाइन पर कई जगह पेड़ गिरने से आपूर्ति बाधित हो गई उन्होंने बताया कि दोनों लाइनों पर मरम्मत कार्य चल रहा है और जल्द आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी। उपभोक्ताओं की मांग है कि विभाग केवल अस्थायी मरम्मत के बजाय हाईटेंशन लाइनों की स्थायी जांच और सुधार कराए ताकि बार-बार होने वाले बिजली संकट से निजात मिल सके।

टीबी मुक्त भारत के सपने को करेंगे साकार : ब्रजेश पाठक

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत केजीएमयू में हुआ कार्यक्रम

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिवस के अवसर पर प्रदेशभर में संचालित सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू), लखनऊ में 500 टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित की गयी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि टीबी के उपचार के साथ मरीजों के पोषण और स्वास्थ्य की देखभाल भी सरकार की प्राथमिकता है। हम सब टीबी को मिलकर हराएंगे।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की सेवा में लगातार 25 वर्षों से अनवरत कार्य कर रहे हैं। उनके सेवा ही संकल्प के भाव को आत्मसात करते हुए प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि टीबी के खिलाफ देश और दुनिया में लगातार प्रयास हो रहे हैं और भारत ने टीबी उन्मूलन का संकल्प लिया है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि टीबी से बचाव और उपचार में स्वच्छता की महत्वपूर्ण भूमिका है। मरीजों और उनके परिवारों को अपने घर एवं आसपास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि टीबी उन्मूलन केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। एकजुट प्रयासों से ही भारत और उत्तर प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में मरीजों को बेहतर एवं आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। टीबी मरीजों के उपचार के साथ उन्हें पर्याप्त पोषण उपलब्ध कराने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है, ताकि वे जल्द स्वस्थ होकर सामान्य जीवन जी सकें। कार्यक्रम में टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित करते हुए उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गयी।

इस अवसर पर केजीएमयू की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद, प्रति कुलपति प्रो. अंजू अग्रवाल, कुलसचिव अर्चना गहरवार, डीन पैरामेडिकल प्रो. केके सिंह, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. रश्मि कुशवाहा, विभागाध्यक्ष, रेस्पिरेटरी मेडिसिन एवं उपाध्यक्ष, नेशनल टीबी टास्क फोर्स प्रो. सूर्यकांत उपस्थित रहे।

कुंवर सिंह निषाद बने यूपी कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन

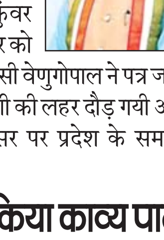

लखनऊ। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने आगामी 2027 विधानसभा के चुनाव को देखते हुए यूपी कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन के रूप में पार्टी के वरिष्ठ नेता कुंवर सिंह निषाद को नियुक्त किया है। इस सम्बन्ध में गुरुवार को पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की ओर से सचिव एवं सांसद केसी वेणुगोपाल ने पत्र जारी कर दिया है। इसकी जानकारी होते ही संगठन में खुशी की लहर दौड़ गयी और बधाई देने वालों का तांता लग गया। इस अवसर पर प्रदेश के समस्त पदाधिकारियों ने बधाई और शुभकामनायें दी।

साहित्यिक कार्निवल में बच्चों ने किया काव्य पाठ

लखनऊ। मॉडर्न स्कूल में साहित्यिक कार्निवल के अंतर्गत हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में दिव्या सिंह, प्रतिक्षा सिंह, रिया दीक्षित, राशि ठाकुर, सौम्या रस्तोगी एवं सौरभी वर्मा ने निर्णायक की भूमिका निभायी। निर्णायकों ने बच्चों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या मीना केन, प्रधानाध्यापिका मनीषा राठौर, प्रवेश समन्वयक राशि अरोड़ा एवं कक्षा स्तर समन्वयक मीनू मिश्रा के मार्गदर्शन में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इंटर्न डॉक्टरों का आंदोलन उग्र

लखनऊ। गोमतीनगर स्थित राजकीय नेशनल होम्योपैथिक कॉलेज में स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर चल रहा इंटर्न डॉक्टरों का आंदोलन गुरुवार को उग्र हो गया। इंटर्न डॉक्टरों ने कॉलेज का मुख्य गेट बंद कर दिया। जोरदार प्रदर्शन किया। हालात यह रहे कि इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे मरीजों को भी अंदर जाने से रोक दिया गया। इससे दूर-दराज से आए सैकड़ों मरीजों को बिना इलाज लौटना पड़ा। इंटर्न डॉक्टरों ने कॉलेज के मुख्य प्रवेश द्वार पर कब्जा कर शासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने अधिकारियों के रवैये को गैरजिम्मेदाराना बताते हुए स्टाइपेंड तत्काल बढ़ाने की मांग की।

महत्वपूर्ण नंबर
वूमेन पावर लाइन 1090
पुलिस 100
2629999
पुलिस स्टेशन गंज 2622556

फायर स्टेशन
हजरतगंज- कंट्रोल रूम
9454418642
गोमती नगर-9454418657

एम्बुलेंस
मेडिकल सेवा- 102, 108

महिला की गला रेतकर हत्या, नहर किनारे मिला शव

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। काकोरी थाना क्षेत्र में गुरुवार को महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गयी। उसका शव गोहरामऊ गांव के बाहर नहर पटरी के किनारे मिला, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड ने मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए।

पुलिस के मुताबिक, मृतका की पहचान गोहरामऊ निवासी प्रेमा देवी (30) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार प्रेमा देवी की पहली शादी सेमरामऊ निवासी राजू यादव से हुई थी। पति से अनबन के बाद वह अलग रह रही थी। करीब सात माह पहले उसने गोहरामऊ निवासी प्रदीप यादव के साथ कोर्ट मैरिज की थी और उसके साथ रह रही थी।

प्रदीप यादव के अनुसार, बुधवार रात प्रेमा देवी ने उसके साथ खाना खाया और इसके बाद दोनों सो गए। इसी दौरान प्रेमा के मोबाइल पर उसके बेटे रितेश का फोन आया। फोन आने के बाद प्रेमा बिना बताए घर से चली गई। इसके बाद सुबह उसका शव नहर किनारे पड़ा होने की जानकारी मिली। प्रदीप ने आरोप लगाया है कि प्रेमा देवी की हत्या उसके बेटे रितेश और पहले पति राजू ने धारदार हथियार से गला काटकर की है। हालांकि पुलिस ने अभी इन आरोपों की पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। सूचना मिलते ही एडीसीपी धनंजय कुशवाहा, एसीपी शकील अहमद, काकोरी इंस्पेक्टर सतीश चंद्र राठौर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए, जबकि डॉग स्क्वॉड की मदद से भी जांच की गई। आसपास के लोगों से पुछताछ की जा रही है वही इस संबंध में काकोरी थाना प्रभारी सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तीन दिन से लापता बुजुर्ग का सड़क किनारे मिला शव

लखनऊ। तीन दिन से लापता 60 वर्षीय बुजुर्ग का शव गुरुवार सुबह बैदा नगर के पास नबीपनाह रोड किनारे मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। खेतों की ओर जा रहे ग्रामीणों ने सड़क किनारे शव पड़ा देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक की पहचान माल थाना क्षेत्र के भभूती खेड़ा निवासी रामलाल के रूप में की। पुलिस के मुताबिक, रामलाल 15 सितंबर की सुबह करीब 10:30 बजे मनभौना गांव स्थित सरकारी राशन की दुकान पर राशन लेने गए थे। इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटे। परिजनों ने आसपास के इलाकों में काफी तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चला।

मृतक के बेटे अशर्फी लाल ने बताया कि उनके पिता की मानसिक स्थिति करीब दो वर्षों से ठीक नहीं थी। वह अक्सर घर से निकल जाते थे और दो-तीन दिन बाद वापस लौट आते थे। ग्रामीणों के अनुसार, रामलाल पिछले तीन दिनों से बैदा नगर के आसपास टहलते हुए दिखाई दे रहे थे। शव मिलने की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। इसके बाद पुलिस ने पंचनामा भरकर शव परिजनों को सौंप दिया। रामलाल के परिवार में पत्नी और चार बेटे अशर्फी, गुड्डू, बराती और नौमी लाल हैं। मलिहाबाद के अतिरिक्त इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि बुजुर्ग के शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं मिले हैं। परिजनों की ओर से भी किसी प्रकार का आरोप नहीं लगाया गया है।

संदिग्ध हालात में विवाहिता की मौत

लखनऊ। निगोहां क्षेत्र में नवविवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसका शव फंदे से लटका मिला है। चार महीने पहले उसकी शादी हुई थी। बुधवार को दामाद ने उसकी आत्महत्या की सूचना ससुरालीजनों को दी। इसके बाद परिजन लखनऊ पहुंचे तो उसका शव बेड पर पड़ा मिला। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। रायबरेली करौंदी निवासी विमल कुमार कोरी ने अपनी बेटी संध्या (18) की शादी 4 मई को निगोहां रत्नापुर निवासी अर्जुन से की थी। विमल कुमार का कहना है शादी के बाद से ही सास राजेश कुमारी, दामाद अर्जुन व परिवार के सदस्य दहेज को लेकर उसके साथ मारपीट करते थे। आरोप है कि ससुराल वालों ने दहेज में बाइक मांगी थी जो न दे पाने के कारण उसको प्रताड़ित करते थे, जबकि उनकी मांग को कुछ दिन में पूरा करने की मोहलत मांगी थी। बुधवार करीब 1:30 बजे दामाद अर्जुन ने पत्नी कमला देवी को फोन कर बताया बेटी ने फांसी लगा ली है। इसकी सूचना पर जब लखनऊ पहुंचे तो संध्या बेड पर पड़ी मिली और एक छोटा सा दुपट्टे के टुकड़ा छत पर बंधा हुआ था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पिता विमल कुमार ने ससुराल वालों पर हत्या की आशंका जताई है। पिता ने सास, ससुर, पति व देवर के खिलाफ निगोहां थाने में तहरीर दी है। वहीं मामले में थाना प्रभारी निगोहां का कहना है कि पीड़ित पक्ष से तहरीर मिली हुई है। आरोपी युवक को हिरासत में लेकर जांच कीजा रही है।

विवेक तिवारी हत्याकांड में कांस्टेबल प्रशांत दोषी

विधि संवाददाता (vol)

लखनऊ। बहुचर्चित एप्पल कंपनी के एरिया मैनेजर विवेक तिवारी हत्याकांड में सत्र अदालत ने गुरुवार को बड़ा फैसला सुनाते हुए आरोपी कांस्टेबल प्रशांत चौधरी को गैर इरादतन हत्या का दोषी करार दिया। वहीं घटना के समय उसके साथ मौजूद कांस्टेबल संदीप कुमार को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। सत्र न्यायाधीश मलखान सिंह ने दोषी प्रशांत को सजा के प्रश्न पर सुनवाई के लिए 21 सितंबर को जेल से तलब करने का आदेश दिया है। अदालत ने मुकदमे के दौरान पेश साक्ष्यों के आधार पर माना कि प्रशांत चौधरी का विवेक तिवारी की हत्या करने का पूर्व से कोई उद्देश्य साबित नहीं हुआ। घटना अचानक उत्पन्न परिस्थितियों में हुई। इसलिए उसे हत्या के अपराध का दोषी नहीं माना जा सकता। वहीं संदीप कुमार के विरुद्ध पत्रावली पर पर्याप्त साक्ष्य नहीं पाए जाने पर उसे दोषमुक्त कर दिया गया। अभियोजन के अनुसार 29 सितंबर 2018 की रात करीब 1:40 बजे विवेक तिवारी अपनी सहकर्मी सना खान के साथ कार से घर लौट रहे थे। गोमतीनगर विस्तार में सरयू अपार्टमेंट के पास दोनों पुलिसकर्मियों ने उनकी कार को रोकने का प्रयास किया। आरोप था कि कांस्टेबल प्रशांत चौधरी ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से विवेक तिवारी पर गोली चला दी। वहीं संदीप कुमार ने सना खान को डंडे से मारा और कार के बोनट पर भी डंडे बरसाए। गोली लगने के बाद विवेक तिवारी को राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद सना खान ने सुबह करीब पांच बजे गोमतीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। शाम करीब सात बजे विवेक की पत्नी कल्पना तिवारी ने भी दोनों पुलिसकर्मियों को नामजद करते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कल्पना तिवारी की ओर से अधिवक्ता प्रांशु अग्रवाल ने बताया कि पुलिस ने 19 दिसंबर 2018 को प्रशांत चौधरी के विरुद्ध हत्या की धारा 302 तथा संदीप कुमार के विरुद्ध धारा 323 में आरोपपत्र दाखिल किया था। 24 दिसंबर 2018 को तत्कालीन मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने संज्ञान लेकर मामला सत्र अदालत को सुपुर्द किया। इसके बाद 22 मार्च 2019 को तत्कालीन अपर जिला जज संजय शंकर पांडे ने दोनों के विरुद्ध आरोप तय किए थे।

20 लीटर कच्ची शराब, 250 किलोग्राम लहन बरामद

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत राजधानी में अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री व परिवहन की रोकथाम के लिए आबकारी विभाग ने बुधवार शाम कई टीमें गठित कर प्रवर्तन कार्य करते हुए दबिश की कार्यवाही की। यह कार्रवाई अपर मुख्य सचिव आबकारी उत्तर प्रदेश शासन, आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश, पुलिस कमिश्नर लखनऊ तरुण गाबा व जिलाधिकारी लखनऊ विशाख.जी के आदेश पर संयुक्त आबकारी आयुक्त लखनऊ जोन सुभाष चंद्र सोनकर, उप आबकारी आयुक्त लखनऊ प्रभार प्रदीप दुबे के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी लखनऊ करुणेन्द्र सिंह सचान के पर्यवेक्षण में की गयी।

कार्यवाही के तहत आबकारी निरीक्षक सेक्टर-03 रेखा श्रीवास्तव ने गाजीपुर व इंदिरानगर थाना क्षेत्र में टीम के साथ देशी शराब की दुकान मोहम्मदीपुर रसूलपुर, देशी शराब दुकान अमराई गांव, कंपोजिट शॉप अमराई गांव व कोइली का पुरवा का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दुकान पर उपस्थित विक्रेता को दुकान निर्धारित समय से संचालित करने, सीसीटीवी का संचालन पूरे सप्ताह 24 घंटे करने, दुकान पर अधिक से अधिक ब्रांड्स की उपलब्धता सुनिश्चित करने व पीओएस मशीन से शत प्रतिशत बिक्री करने के लिए कड़ाई से निर्देशित किया। दुकान के सामने या आसपास अवैध रूप से मदिरापान ना कराने के लिए कड़ाई से निर्देशित किया गया। उधर, आबकारी निरीक्षक सेक्टर-12 संजय पाण्डेय ने थाना कृष्णानगर व आशियाना क्षेत्र में देशी शराब दुकान बंगला बाजार, देशी शराब दुकान उसरी, कंपोजिट शॉप बंगला बाजार 'अ', कंपोजिट शॉप बंगला बाजार 'ब' मॉडल शॉप आशियाना का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दुकान पर उपस्थित विक्रेता को दुकान निर्धारित समय से संचालित करने, सीसीटीवी का संचालन पूरे सप्ताह 24 घंटे करने, दुकान पर अधिक से अधिक ब्रांड्स की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं पीओएस मशीन से शत प्रतिशत बिक्री करने के लिए कड़ाई से निर्देशित किया।

दुकान के सामने या आस पास अवैध रूप से मदिरापान ना कराने के लिए कड़ाई से निर्देशित किया। इसी तरह आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-तीन रामश्याम त्रिपाठी ने थाना मोहनलालगंज, नगराम, निगोहां व पीजीआई क्षेत्रों में स्टाफ के साथ मोहनलालगंज अंतर्गत ग्राम इंद्रजीत खेड़ा में संदिग्ध घरों, बगीचों, तालाबों के किनारे संदिग्ध स्थानों पर दबिश और छापेमारी की। दबिश के दौरान मौके से लगभग 20 लीटर अवैध कच्ची शराब और 250 किलोग्राम लहन बरामद हुआ। लहन को मौके पर नष्ट करते हुए आबकारी अधिनियम की धाराओं में 01 अभियोग पंजीकृत किया। आबकारी टीम में प्रधान आबकारी सिपाही प्रदुमन श्रीवास्तव, अजीत पाल सिंह व आबकारी सिपाही दीपिका, सुजीत कुमार मौजूद रहे।

पति के कर्ज की वसूली के लिए विधवा की एफडी नहीं तोड़ सकता एसबीआई

हाईकोर्ट ने बैंक को विधवा का 19.90 लाख रुपए लौटाने और एक लाख मुआवजा देने का दिया आदेश

विधि संवाददाता (vol)

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा मृतक पति के व्यक्तिगत ऋण की वसूली के लिए उसकी विधवा के फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) से 19.90 लाख रुपये काट लेने की कार्रवाई को गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने बैंक को पूरी रकम एफडी की लागू ब्याज दर के साथ चार सप्ताह में वापस करने और महिला को एक लाख रुपये का दंडात्मक मुआवजा देने का भी आदेश दिया है। कोर्ट ने बैंक की कार्रवाई को बैंकिंग प्रक्रिया का घृणित उल्लंघन करार दिया।

न्यायमूर्ति शेखर बी सराफ और न्यायमूर्ति अबदेश कुमार चौधरी की पीठ ने यह आदेश नेहा मिश्रा की याचिका स्वीकार करते हुए दिया। उनके पति लखनऊ के रिंग रोड स्थित मेडिसिन अस्पताल में सहायक प्रोफेसर थे। उन्होंने नवंबर 2020 में एसबीआई से 15 लाख रुपये का व्यक्तिगत ऋण लिया था। कोर्ट ने पाया कि नेहा मिश्रा न तो ऋण की सह-उधारकर्ता थीं और न ही गारंटर, जमानतदार, क्षतिपूर्तिकर्ता या नामिनी। ऋण लेनदेन में उनका बैंक के साथ कोई संविदात्मक संबंध भी नहीं था। कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि ऋण बीमा पॉलिसी से कवर था, जिसके लिए मृतक ने कथित तौर पर 8,803 रुपये प्रीमियम का भुगतान किया था। दरअसल पति की मई 2021 में कोविड से मृत्यु के बाद एसबीआई ने सितंबर 2025 में नेहा मिश्रा को कानूनी नोटिस भेजकर 13.87 लाख रुपये के बकाया ऋण का भुगतान करने को कहा। इसके बाद बैंक ने उनका वेतन खाता भी रोक दिया। आरबीआई लोकपाल के हस्तक्षेप के बाद ही खाते पर लगी रोक हटाई गई। मामले में दोनों पक्षों के बीच बातचीत चल ही रही थी कि एसबीआई ने महिला की एफडी भुना ली और उसमें से 19.90 लाख रुपये ऋण की वसूली के नाम पर डेबिट कर लिए। कोर्ट ने पाया कि महिला ने 2025 में एसबीआई की आशियाना शाखा में एफडी खोली थी। इसे उस जानकीपुरम शाखा में स्थानांतरित किया गया, जहां उसके पति ने ऋण लिया था। इसके बाद एफडी की रकम डेबिट कर ली गई और खाता फिर आशियाना शाखा में स्थानांतरित कर दिया गया। पीठ ने इस पूरी प्रक्रिया को गुपचुप तरीके से की गई बताते हुए कहा कि एसबीआई यह बताने में विफल रहा कि किस कानूनी प्रावधान के तहत वह पति के कर्ज की वसूली के लिए उसकी पत्नी के खाते से सीधे रकम काट सकता है। कोर्ट ने कहा कि बैंक अपने ग्राहकों के धन के संरक्षक होते हैं और उसे ट्रस्ट के रूप में रखते हैं। यदि एसबीआई कानूनन मृतक के कर्ज की वसूली उसकी पत्नी से कानूनी उत्तराधिकारी के रूप में करने का हकदार था, तब भी इसके लिए विधि सम्मत प्रक्रिया अपनानी जरूरी थी। पीठ ने स्पष्ट किया कि ऐसी वसूली मनमाने, स्वेच्छाचारी और अनियमित तरीके से नहीं की जा सकती। कोर्ट ने एसबीआई को निर्देश दिया कि एफडी से डेबिट की गई पूरी 19.90 लाख रुपये की रकम लागू एफडी ब्याज दर के साथ चार सप्ताह के भीतर वापस करे। साथ ही, महिला को एक लाख रुपये का मुआवजा भी इसी अवधि में अदा करने का आदेश दिया।

नाबालिग किशोरी संदिग्ध परिस्थिति में लापता, रिपोर्ट दर्ज

लखनऊ। पारा थाना क्षेत्र के विक्रम नगर से 17 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार विक्रम नगर निवासी उमेश कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी बेटी 16 सितंबर की सुबह करीब 4:35 बजे घर से अचानक कहीं चली गई। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने आसपास के इलाकों के साथ रिश्तेदारों के यहां भी उसकी तलाश की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। इसके बाद पीड़ित ने पारा थाने पर लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है वही इस संबंध मे थाना पारा प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर किशोरी की सकुशल बरामदगी के लिए संभावित स्थानों पर तलाश की जा रही है।

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 46/47/ECTC(L)/2026-27

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु पृथक निविदा दो भागों (पार्ट-1 टेक्निकल बिड एवं पार्ट-11 फाइनेंशियल) में आमंत्रित की जाती है। **46 कार्य का नाम :-** 132/33 के.वी. उपकेन्द्र गौरीगंज अमेठी पर क्षमतावृद्धि (2x63 MVA से 3x63 MVA) के कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत:-** रू. 39.96 लाख **कार्यावधि:-** 02 माह **47 कार्य का नाम:-** 220 / 33 के.वी. उपकेन्द्र सतरिख रोड लखनऊ पर 33 के.वी. STP भरवारा पोषक 'बे' के जानपदीय निर्माण कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत:-** रू. 9.24 लाख **कार्यावधि:-** 01 माह उक्त निविदा की Technical Bid एवं अन्य शर्तें तथा मात्रा बीजक इत्यादि का विस्तृत विवरण www.upptcl.org पर देखा जा सकता है एवं http://etender.up.nic.in साइट पर देखा एवं प्राप्त किया जा सकता है। निविदा दिनांक 29.09.2026 को दोपहर 14:00 बजे तक साइट पर डाला/अपलोड किया जा सकता है तथा दिनांक 30.09.2026 को 15:00 बजे सार्वजनिक रूप से निविदायें खोली जायेगी। **अधीक्षण अभियन्ता विद्युत जानपद पारेषण मण्डल, उ.प्र. एस.एल.डी.सी. परिसर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ।**

''राष्ट्र हित में बिजली बचाए''

(पत्रांक 2772 / दि. 15.09.2026)

न्यायालय से लगायी एफआईआर दर्ज कर जांच की मांग

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में युवक की संदिग्ध मौत के मामले में मृतक के भाई ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर हत्या, लूटपाट और साक्ष्य छिपाने के आरोपों की जांचकर एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। पीड़ित शिवम चौधरी ने न्यायालय को बताया कि उसका भाई 5 जुलाई 2026 की रात अहिमामऊ स्थित एक ढाबे के पास अपने साथियों के साथ मौजूद था। आरोप है कि वहां 6-7 लोगों ने वाहन हटाने को लेकर विवाद किया और मारपीट की। हमलावरों पर मोबाइल फोन, नकदी, एटीएम कार्ड और अन्य दस्तावेज छीनने का भी आरोप लगाया गया है।

रंगदारी की मांग व रंजिश को लेकर फायरिंग युवक घायल, साथी ने भागकर बचायी जान

लखनऊ। बीबीडी क्षेत्र में बुधवार देरशाम ताबड़तोड़ फायरिंग हुई, जिसमें युवक नितिन यादव को गोली लगी और वह घायल हो गया, जबकि साथी मौके से भाग निकला। पीड़ित के अनुसार आधा दर्जन से अधिक बदमाश पहले से घात लगाए बैठे थे। गोली मारने के बाद भागते समय उनमें से एक बदमाश ने कहा कि ऋषभ राय से उलझने का मतलब समझ लो। मामला रंगदारी का बताया जा रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल नितिन यादव को अस्पताल भेजा और उसकी तहरीर पर रंगदारी, जानलेवा हमले और साजीश की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार तिवारीगंज में बुधवार देर रात पार्श्वनाथ सिटी के पास ताबड़तोड़ करीब 6 राउंड गोलियां चलने के दौरान नितिन यादव नाम का युवक बीच-बचाव करने पहुंच था, जिसमें उसके हाथ में गोली लगी। बदमाशों ने जिसे टारगेट किया था, वह युवक शिववचन बच गया, लेकिन वारदात के बाद बदमाश ने किसी को फोन पर बताया कि ऋषभ भैया गोली मार दी है। काम हो गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल नितिन यादव की तहरीर पर रंगदारी, जानलेवा हमले और साजिश की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। जिस युवक को टारगेट किया गया, उसने बताया है कि ऋषभ राय कई मुकदमों में वांछित है। इससे पहले भी उसके गैंग ने गोली चलाई थी। पार्श्वनाथ सिटी निवासी सुधांशु तिवारी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 17 सितंबर की रात करीब 1:30 बजे कुछ अज्ञात हथियारबंद लोग उनके फ्लैट के आसपास रेकी कर रहे थे। इस दौरान मेरे और दोस्त शिव वचन के बारे में पूछताछ कर रहे थे। संदिग्ध गतिविधि की सूचना सुधांशु ने पास में खड़ी डायल-112 को दी। जब पुलिस टीम पूछताछ के लिए सोसाइटी के अंदर गई, तभी सुधांशु अपने साथियों के साथ सीएमएस स्कूल की तरफ आए। इसी दौरान लखनऊ मार्बल्स के पास पहले से घात लगाकर बैठे बदमाशों ने उन्हें देखते ही जान से मारने की नीयत से ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गोलीबारी के दौरान नितिन यादव के हाथ में गोली लगी। सुधांशु ने कहा कि इस दौरान हम लोग किसी तरह भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। भागते वक्त बदमाशों ने पीछा किया और चिल्लाकर कहा कि ऋषभ राय भाई से उलझने का मतलब समझ लो।

एयरपोर्ट पर महिला यात्री के बैग से दो जिंदा कारतूस बरामद

लखनऊ। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर बुधवार शाम बैगेज स्क्रीनिंग के दौरान इंडिगो की फ्लाइट से चंडीगढ़ जा रही एक महिला यात्री के बैग से प्रतिबंधित बोर के दो जिंदा कारतूस बरामद होने से हड़कंप मच गया। हालांकि बाद में सुरक्षा कर्मियों ने यात्री को पकड़कर कारतूसों के साथ सरोजनीनगर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कारतूस जब्त करते हुए महिला से पूछताछ शुरू कर दी है। लखनऊ एयरपोर्ट पर तैनात जूनियर ऑफिसर सौरभ कुमार साहनी के मुताबिक 16 सितंबर को वह सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक की शिफ्ट में लेवल-2 पर ड्यूटी कर रहे थे। तभी शाम करीब छह बजे बैगेज स्क्रीनिंग के दौरान लखनऊ से रात 8 बजे चंडीगढ़ जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट (6ई 6552) के यात्रियों के सामान की चेकिंग के दौरान चेक-इन किए गए एक बैग में प्रतिबंधित वस्तु दिखाई दी। इसके बाद बैग को भौतिक जांच के लिए लेवल-4 पर भेजा गया। जहाँ जूनियर ऑफिसर दिव्यांशी गुप्ता ने बैग की जांच की तो उसमें दो जिंदा कारतूस मिले। इनमें एक 9 एमएम 2एल 68केएफ और दूसरा डब्ल्यूआरए सीओ 401 7.6 लिखा हुआ था। साथ ही बैग में कुछ इस्तेमाल किए हुए कपड़े भी मिले। तब संबंधित यात्री से पूछताछ की गई। जहाँ पूछताछ में महिला यात्री ने अपना नाम पंजाब प्रांत के फाजिल्का निवासी लछमीर कौर बताते हुए लखनऊ से चंडीगढ़ जाने और सीट संख्या 18एफ का बोर्डिंग पास दिखाया। जब उससे कारतूसों के संबंध में पूछताछ की गई तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सकी। इसके बाद उसे हिरासत में लेकर सरोजनीनगर पुलिस के हवाले कर दिया गया। फिलहाल पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

महिला आरक्षी ने ससुराल पक्ष पर लगाये गंभीर आरोप

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी थाने में तैनात महिला आरक्षी ने अपने पति समेत ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत की है।

पीड़िता अन्नू सिंह पुत्री उपेन्द्र विक्रम सिंह मूल निवासी ग्राम बड़सरी, थाना खेजुरी, जिला बलिया की हैं। जो वर्तमान में सुशांत गोल्फ सिटी थाने में आरक्षी के पद पर तैनात हैं। उसकी शादी 6 मार्च 2024 को ग्राम रतनपुर पलिया, थाना रानीपुर, जनपद मऊ निवासी सुमंत सिंह पुत्र रणजीत सिंह के साथ हुई थी। सुमंत भारतीय सेना में जीडी कांस्टेबल के पद पर कार्यरत है। अन्नू का आरोप है कि शादी में उनके पिता ने 40 लाख रुपये खर्च कर नकद, सोना व अन्य सामान दिया था, इसके बावजूद शादी के कुछ दिन बाद से ही पति, सास मंजू देवी और देवर यशवंत दहेज में बुलेट बाइक न मिलने को लेकर ताना मारने और प्रताड़ित करने लगे। आरोप है कि पति शराब के नशे में गाली-गलौज और मारपीट करता था।

सूचना

मेरे जन्म प्रमाण पत्र में मेरी माता का नाम सहर बानो (SEHER BANO) दर्ज है जबकि मेरी माता के आधार कार्ड और पासपोर्ट पर उनका नाम शहर बानो (SHAHAR BANO) अंकित है। दोनों ही नाम मेरी माता के हैं। वह दोनों नामों से जानी व पहचानी जाती हैं। **सना बानो पत्नी सिददीकी इबादुल हक नि.- रूम नं.-4, फर्स्ट फ्लोर, कपूर मेंशन, मोरलैण्ड रोड, अगरीपाड़ा, मुम्बई सेंट्रल, महाराष्ट्र-400011**

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मोहम्मद जुनेद उम्र 50 वर्ष पुत्र स्व. मो. कलीम निवासी 3/1/50 मो. नियावां थाना कैण्ट तहसील सदर शहर व जिला अयोध्या, सशपथ पूर्वक बयान करता हूं कि मेरा पुत्र अल्तमश जुनेद आयु लगभग 23 वर्ष जो बालिग है जो मेरे कहने सुनने में नहीं है। मेरे पुत्र का साथ गलत लोगों से है उसके द्वारा किये गये किसी प्रकार के कृत्य से मेरा-मेरी पत्नी व पुत्रियों से कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। मैं अपने पुत्र अल्तमश जुनेद को आज की तिथि से अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदेखल कर रहा हूं। मोहम्मद जुनेद पुत्र स्व. मो. कलीम निवासी-3/1/50 नियावां थाना कैण्ट तहसील सदर जिला-अयोध्या

25 नवंबर से शुरू होगा हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव

लखनऊ। हस्तशिल्प, कुटीर एवं लघु उद्योग से जुड़े कारीगरों, शिल्पकारों एवं छोटे उद्यमियों को प्रोत्साहित करने तथा भारतीय पारंपरिक कला एवं स्वदेशी उत्पादों को व्यापक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से विगत पांच वर्षों से आयोजित हो रहे हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव का आयोजन इस वर्ष काशीराम संस्कृतिक स्थल स्मृति उपवन आशियाना में किया जाएगा, जो 25 नवंबर से लेकर 30 दिसंबर 2026 तक संचालित होगा। महोत्सव के संबंध में यूपी प्रेस क्लब, लखनऊ में आयोजित प्रेस वार्ता में आयोजन समिति के अध्यक्ष अरुण प्रताप सिंह एवं गुंजन वर्मा ने बताया कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य के साथ इस वर्ष देश के लगभग 25 राज्यों से हस्तशिल्पकार एवं छोटे उद्यमी अपने पारंपरिक हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन एवं बिक्री करेंगे। उन्होंने बताया कि लखनऊ के निम्न आय वर्ग से जुड़े

लगभग 50 हस्तशिल्पकारों को निशुल्क स्टॉल उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर कारीगर भी अपने उत्पादों को बाजार तक पहुंचा सकें। अरुण प्रताप सिंह ने कहा कि महोत्सव का उद्देश्य केवल उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री तक सीमित नहीं है। इसका मुख्य उद्देश्य पीढ़ियों से अपनी कला एवं हुनर को जीवित रखने वाले शिल्पकारों को सम्मान, पहचान और बाजार उपलब्ध कराना तथा युवाओं को स्वावलंबन एवं उद्यमिता के लिए प्रेरित करना है। गुंजन वर्मा ने बताया कि महोत्सव के सांस्कृतिक मंच पर प्रतिदिन शाम 4 बजे से रात 10 बजे तक लोक कला, संस्कृति, नृत्य, गायन, वादन एवं साहित्य से जुड़े कलाकारों को निशुल्क मंच प्रदान किया जाएगा। इस वर्ष लोकप्रिय कलाकारों एवं सेलिब्रिटी को आमंत्रित करने के लिए भी वार्ता चल रही है। इनमें भोजपुरी गायक पवन सिंह, भजन गायक कन्हैया मित्तल, बॉलीवुड अभिनेत्री भाग्यश्री, फिल्म अभिनेता विनोद सत्य एवं उनकी टीम तथा साहित्य जगत के वरिष्ठ कवियों सहित अन्य कलाकारों के नाम शामिल हैं। कलाकारों की उपस्थिति की अंतिम पुष्टि होने के बाद आधिकारिक घोषणा की जाएगी।

राधा अष्टमी का हवन पूजन हरिहर मंदिर में कल

लखनऊ। ईश्वरीय स्वप्नाशीष सेवा समिति की सनातन ध्वजवाहिका सपना गोयल ने गुरुवार 17 सितम्बर को बताया कि राधा अष्टमी का हवन पूजन शनिवार 19 सितंबर 2026, को देवा रोड स्थित श्री परमानंद हरि हर मंदिर में विधि विधान से किया जाएगा। श्री राधा रानी का प्राकट्य उत्सव भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। सपना गोयल ने संवाददाताओं को यह भी बताया कि आध्यात्मिक फिल्म हनुमान ने एक बार दोबारा सनातन जनजागृति का महान कार्य किया है। ऐसे में हर सनातनी का यह नैतिक दायित्व है कि वह न केवल इस फिल्म को हर संभव प्रोत्साहन प्रदान करे बल्कि राम भक्त हनुमान महाराज की तरह प्रभु राम की आज्ञा का पालन करें। प्रभु राम ने विश्व को मयार्दा का पाठ पढ़ाया है। उन्होंने धर्म की सीमाओं से उठकर एक राजा, एक पुत्र, एक पति, एक भाई, एक योद्धा और एक मित्र के कर्तव्यों के पालन का संदेश दिया है। इसलिए सपना गोयल की अगुवाई में बुधवार 16 सितम्बर 2026 को गोमती नगर स्थित वेब सिनेमा में दो सौ से अधिक सनातनी महिलाओं ने आध्यात्मिक फिल्म हनुमान अंश देखी। इस अवसर पर फिल्म के कलाकार अमित दुबे और स्निग्धा द्विवेदी का सम्मान भी किया गया। इससे पहले दो सौ महिलाओं के लिए स्पेशल स्क्रीनिंग मंगलवार 8 सितम्बर 2026 को गोमती नगर स्थित फन रिपब्लिक में की गई थी। उस अपार सफल आयोजन में माननीय सदस्य विधान परिषद पवन सिंह चौहान मुख्य अतिथि थे। सपना गोयल का एक मात्र लक्ष्य है कि संतों और ऋषियों की पावन भूमि, भारत एक बार पुनः विश्व गुरु के रूप में प्रतिष्ठित हो। भारत उत्थान के इस महा उद्देश्य की पूर्ति के लिए ईश्वरीय स्वप्नाशीष सेवा समिति की ओर से प्रतिदिन सुंदरकांड पाठ के साथ प्रत्येक सप्ताह मंगलवार और शनिवार को नजदीकी मंदिरों में सामूहिक सुंदरकांड का आयोजन, करवाया जा रहा है। वर्तमान में सुंदरकांड महा अभियान उत्तर प्रदेश के 42 जिलों और देश के 10 राज्यों तक पहुंच चुका है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रो पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम, ठेकेदारों द्वारा ई-निविदायें सिंगिल पैकेट सिस्टम आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.	106-टेली/टेंडर/23/2026-27
कार्य का नाम	उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में पुराने रेलवे एक्सचेंज को बदल कर एस्टरिस्क आधारित (वी.ओ.आई.पी) एक्सचेंज के प्रावधान का कार्य।
अनुमानित लागत	रु.4,29,00,713.91/-
निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	रु.8,58,000.00/-
कार्य पूरा करने की अवधि	270 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	07.10.2026 15:30 Hrs
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय / मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर / उत्तर रेलवे / लखनऊ

- ठेकेदारों को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य हैं।
- समस्त नियम एवं शर्तों निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है।
- मैनुउल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी।
- निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिग या पेंमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू. सं. 106-टेली/टेंडर/23/2026-27 दिनांक : 16.09.2026 3214/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

गणेश उत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती युवती

नृत्य नाटिका प्रस्तुत करते कलाकार

नृत्य नाटिका में शामिल हुईं महिलाएं

फोटो-अमित वर्मा

भगवान गणेश के जयघोष के साथ भक्तों ने किये विघ्नहर्ता के दर्शन

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। एक दंत दयावंत चार भुजा धारी के स्वर के बीच जब भक्तों ने बप्पा के दर्शन किए तो हर कोई भक्ति में रम गया। मनौती के राजा के नाम से राजधानी में चल रहे गणेशोत्सव के चौथे दिन गुरुवार को बप्पा के दरबार में बड़ी संख्या में भक्तों ने दर्शन किए। लम्बी लम्बी कतारों में खड़े बप्पा के भक्त हाथों में प्रसाद लिए गणपति बप्पा मोरिया के जयघोष के साथ दर्शन किए। इस मौके पर देवा हो देवा तुमसे बढ़कर कौन सरीखे धार्मिक गीतों पर श्रद्धालु खुद को झूमने से रोक नहीं पाए। शनिवार को हर्षोल्लास के साथ लोग गणपति बप्पा के पूजन में लगे रहे। शाम को पंडालों में लोगों ने भजनों, गीतों और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां देखीं तो मुग्ध होकर नाचने लगे।

बप्पा के दरबार में बही भजनों की सुरधार: झूलेलाल घाट पर चल रहे मनौतियों के राजा गणेश उत्सव में भक्तों का सैलाब उमड़ रहा है। गुरुवार को खराब मौसम के बावजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालु बप्पा के दर्शन, भजन संध्या व नृत्य नाटिका का आनंद लिया। शाम को आयोजित भजन संध्या में कोलकाता के प्रसिद्ध भजन गायक नीरज भारद्वाज ने गजानन आन पधारो लाडवा लाई मैं भारो, सुन ले गजानन अर्जी हमारी तारो न तारो मर्जी तुम्हारी जैसे भजनों पर भक्तों को झुमाया। इसके बाद तूने मुझे बुलाया शेरावालिए और डमरू वाले बाबा तुमको आना होगा पर पूरा पंडाल भोले बाबा के जयकारों से गूंज उठा। भजन संध्या के बाद कोलकाता के ही प्रसिद्ध कलाकार संजय शर्मा और उनकी टीम द्वारा नृत्य नाटिका का मंचन किया गया। पहली प्रस्तुति में भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी की नोंक-झोंक दिखाई गई। दूसरी प्रस्तुति में ब्रज में राधा-कृष्ण के प्रेम की मीठी नोंक-झोंक को मंच पर उतारा गया। तीसरी प्रस्तुति में कलाकारों ने भगवान गणेश के विभिन्न रूपों की स्तुति की। अंतिम प्रस्तुति में भगवान विष्णु के वराह अवतार की लीला का मंचन हुआ, जिसमें दिखाया गया कि कैसे हिरण्याक्ष के पृथ्वी को रसातल में छिपाने पर विष्णु जी ने वराह अवतार लेकर पृथ्वी का उद्धार और हिरण्याक्ष का वध किया। इस मौके पर संरक्षक भारत भूषण गुप्ता, अध्यक्ष घनश्याम अग्रवाल व पार्षद रंजीत सिंह , जय करन सिंह, अखिलेश बंसल, संजय सिंह गांधी, गोपाल अग्रवाल, अखिलेश बंसल, सुधांशु बाथम, अजय अग्रवाल, योगेश बंसल, शरद अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, रामशंकर वर्मा, देशराज अग्रवाल, संजय अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, विजेंद्र अग्रवाल बिज्जू, समेत अन्य लोग मौजूद रहे। समिति के संरक्षक भारत भूषण गुप्ता ने बताया कि मनौतियों के राजा के दरबार में मन्नत की चिट्ठी लिखने के लिए रोजाना बड़ी संख्या में भक्त आ रहे हैं। चिट्ठी लिखने का समय प्रातः 10 बजे से शाम 6 बजे तक है। उन्होंने बताया कि 18 सितंबर को दूर्वाभिषेक, मध्यान्ह 12 बजे होगा। उन्होंने बताया कि भक्त लोग मनौतियों के राजा के दर्शन प्रतिदिन प्रातः 9:00 बजे से रात 11:00 बजे तक कर सकेंगे बप्पा की आरती सुबह 9:00 बजे और शाम 6:00 बजे होगी। इस बार बच्चों के नए-नए झूले आ आये हैं फास्ट फूड, आइसक्रीम, चाट के स्टाल है। मीना बाजार में महिलाओं के श्रृंगार संबंधी सारी सामग्री के स्टॉल है। पूरा परिसर मेले जैसा है। जिसमें सभी प्रकार के समान लोग खरीद सकेंगे।

बप्पा को लिखें चिट्ठी, पूरी होगी मनोकामना: गणेश चतुर्थी पर्व के चौथे दिन राजधानी लखनऊ में झूलेलाल वाटिका का गणेश उत्सव लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। वजह यह है कि यहां पर एक बॉक्स लगाया गया है। इस बक्से के पास पत्र रखे हुए हैं, जिसमें 108 बार गणपति का मंत्र लिखने के बाद उसके नीचे भक्त अपनी मनोकामना लिखकर उसे बॉक्स में डाल सकते हैं। यह पत्र पूरी तरह से फ्री है। भक्तों की मनोकामना के इस पत्र को अंतिम दिन गणेश भगवान के साथ ही विसर्जित कर दिया जाता है। चिट्ठी, पेन और बॉक्स सब कुछ कमेटी की ओर से पंडाल में रखा गया है।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर महिलाओं ने गाये भजन गीत : सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में सरसवां गांव में मनाए जा रहे दस दिवसीय गणेश चतुर्थी उत्सव कार्यक्रम के दौरान गुरुवार को महिलाओं ने गणेश जी के भजनों से शमा बांध दी। श्री गणेश चतुर्थी उत्सव का भव्य आयोजन करने वाली श्रद्धा सिंह बताती है कि वह 11 साल से बप्पा के स्वागत में चतुर्थी उत्सव का आयोजन करती है। जिसमे क्षेत्र व आसपास की महिलाएं शाम को एकत्र होकर भगवान गणेश की पूजा करने के साथ भजन गाती है। उन्होंने बताया कि 25 को बप्पा को विदाई के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

गणेश महोत्सव में भगवान गणेश का हुआ श्रृंगार: ऑस्कर योग साईं कृपा सेवा संस्थान के तत्वाधान में आयोजित श्री श्री गणेश महोत्सव में शिवाजी मार्ग के राजा गणपति महाराज के दर्शन करने के लिए भक्तों की भीड़ लगातार उमड़ रही है। बृहस्पतिवार को शिवाजी मार्ग के राजा गणपति महाराज का भव्य श्रृंगार किया गया। इसके बाद आरती गणेश शंकर पवार ने सपरिवार के साथ किया । इसके साथ ही मंत्रोच्चारण के साथ 1008 गुलाब के फूलों से गणपति जी का फूलाभिषेक किया गया। महोत्सव आयोजक गणेश शंकर पवार ने बताया कि महोत्सव में बृहस्पतिवार को खास बात यह रही कि प्रधानमंत्री मोदी जी के जन्मदिन पर विशेष तौर पर सहस्त्रनाम का पाठ का आयोजन किया गया। विश्व कल्याण के लिए आयोजित इस पाठ में बहुत से भक्त शामिल हुए। देर शाम महा आरती में भक्तों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और प्रसाद ग्रहण किया।

मेरे बन जायें बिगड़े काम गजानन तेरे आने से...: श्री गणेश सेवा समिति जल संस्थान की ओर से ऐशबाग स्थित जलकल विभाग कालोनी में चल रहे पंचम गणेश उत्सव में गुरुवार को दिन में पंडित ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान से गणपति बप्पा का पूजन अर्चन संपन्न कराया। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों की नृत्य प्रतियोगिता, भजन संध्या, नृत्य नाटिका एवं सुदर्शनपुरी के अर्जुन झांकी ग्रुप ने मनमोहक भक्तिमय झांकियां का प्रदर्शन किया। भजन संध्या का शुभारंभ अनामिका मिश्रा ने मेरे बन जाए बिगड़े काम गजानन तेरे आने से..., सुनाया तो गणपति बप्पा मोरया के जयकारे गूंज उठे। गौरा तेरा लाल बड़ा प्यारा लगे..., गौरी के लाडले महिमा तेरी महान..., सुनाया तो पंडाल में उपस्थित भक्तगण गणपति जयघोष के बीच झूमने लगे। नृत्य गीत संगीत से सजे संध्या में सोनी, मुस्कान, युवराज ने गणेश वंदना पर भावपूर्ण नृत्य से प्रथम पूज्य गणेश के चरणों में अपनी हाजिरी लगाई। इसी क्रम में सोनी और मुस्कान ने राधा तेरी बिंदिया है कनपुरिया..., श्याम बंशी बजाते हो पर बृज लोकनृत्य की संतरगी छटा बिखेरी।

अलीगंज गणेश उत्सव में खेली फूलों की होली

लखनऊ। अलीगंज में चल रहे गणेश उत्सव में आज बनारस की प्रसिद्ध भजन गायिका पायल अग्रवाल की भजन संध्या में भक्ति और फूलों की होली का अद्भुत संगम देखने को मिला। पायल अग्रवाल ने आज गजानंद अर्जी ये स्वीकार करो देके दर्शन बेड़ा पार करो, मैं ए थारी चुनर ल्याया, भाव भरयो गजरो दादी थारो ल्याया पहनो-पहनो मावड़ी, आज ब्रज में होरी रे रसिया, तुम झोली भरलो भगतो रंग और गुलाल से और ओ होरी खेल रहे बांके बिहारी आज रंग बरस रहा जैसे भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों के बीच जब फूलों की होली शुरू हुई तो पूरा पंडाल फूलों से सराबोर हो गया। भक्तों ने एक-दूसरे पर फूल बरसाकर होली खेली और गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। इस मौके पर भाजपा नेता अर्पणा यादव बप्पा के दरबार दर्शन करने पहुंची । दर्शन करने के बाद अर्पणा यादव ने संस्था द्वारा आयोजित इस भव्य गणेश उत्सव की भूरि-भूरी प्रशंसा की और उन्होंने कहा कि बप्पा के दरबार में आने वाले हर भक्त की बप्पा मनोकामना पूरी करते हैं। बाद में समिति के अध्यक्ष सौरभ अग्रवाल, संरक्षक महेश अग्रवाल, संरक्षक डॉ संदीप अग्रवाल, मनीष गुप्ता, पुजारी बाबा, शरद तिवारी, मनोज मिश्रा आदि लोगों ने अर्पणा को सम्मानित किया।

गाजे-बाजे के साथ बप्पा की प्रतिमाओं का विसर्जन

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। श्री गणेश चतुर्थी के चौथे दिन गुरुवार को श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ पूजे गए गणपति बप्पा की प्रतिमाओं का आज भी विसर्जन का सिलसिला चलता रहा। शनिवार को श्रृद्धालु बाजे गाजे के साथ नाचते-झूमते, रंग-गुलाल उड़ाते गोमती नदी के किनारे झूलेलाल घाट पहुंचे। राजधानी के जागरूक लोगों ने गोमती मैया को प्रदूषण मुक्त रखने के उद्देश्य से बनाए गए बड़े से जलाशय में हंसी-खुशी के साथ बप्पा की प्रतिमा को विसर्जित किया। इस मौके पर वहां भारी संख्या में पुलिस बल भी सुरक्षा के लिहाज से तैनात रहे।

सैकड़ों छोटी-बड़ी प्रतिमा का विसर्जनः राजधानी में गुरुवार को भी गणपति की प्रतिमाओं का विसर्जन शुरू हो गया है। राजधानी के लोग अलग-अलग इलाकों से सुबह से ही गोमती नदी किनारे छोटे-छोटे समूह में विसर्जन के लिए पहुंचते रहे। यह सिलसिला देर शाम सूर्यास्त तक चला। बताते हैं कि छोटी, बड़ी प्रतिमाओं के साथ सैकड़ों की संख्या में प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। अहम बात यह रही कि विसर्जन के लिए नदी की ओर रुख न करके लोगों ने जागरुकता दिखाते हुए नगर निगम प्रशासन द्वारा नदी के पास ही बनाए गए जलाशय में विसर्जन करने का रुख किया।

भगवान विश्वकर्मा की पूजा कर भक्तों ने मांगा आशीर्वाद, बांटा प्रसाद

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा जयंती शहर में धूमधाम से मनाई गई। कारखानों में जहां सुबह से ही विश्वकर्मा समाज के लोगों और कारीगरों ने हवन पूजन कर भगवान से आशीर्वाद लिया। इस मौके पर वॉयस ऑफ लखनऊ में भी भगवान विश्वकर्मा की जयंती धूमधाम से मनायी गयी। वहीं, कटरा मकबूलगंज स्थित सवा सौ वर्ष पुराने भगवान विश्वकर्मा मंदिर में दिनभर लोगों के आने का सिलसिला जारी रहा। यहां ककुहास पांचाल ब्राह्मण सभा की ओर से विशेष पूजा अर्चना का कार्यक्रम हुआ। जिसमें सभा के सदस्य व पदाधिकारियों ने सपरिवार भगवान विश्वकर्मा की पूजा.अर्चना की और आशीर्वाद मांगा। मकबूलगंज सरोजनी देवी लेन स्थित प्राचीन विश्वकर्मा मंदिर में विश्वकर्मा पांचाल ब्राह्मण सभा की ओर से सुबह भव्य शृंगार करने के बाद पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद भजन गायक ने साथियों के साथ देवशिल्पी का गुणगान किया।

भंडारे का आयोजन: पराग की आधुनिक डेयरी के चक गजरिया स्थित नए कैंपस में विश्वकर्मा जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर भंडारे का भी आयोजन किया गया। सर्वप्रथम आज दुग्ध संघ लखनऊ के मंडल अध्यक्ष ने कर्मचारियों अधिकारियों संचालक मंडल के सदस्यों के साथ पूजा अर्चना व हवन करते हुए आधुनिक मशीनों की पूजा की। हवन व पूजा के बाद संचालक मंडल व कर्मचारियों अधिकारियों के सहयोग से भंडारे का भी आयोजन किया गया था भंडारे में पूड़ी, सब्जी, हलवा के साथ साथ लोगों ने लस्सी का भी खूब आनंद लिया।

आरती व सामूहिक हवन: सरोजनी देवी लेन मकबूल गंज में स्थित विराट विश्वकर्मा मंदिर में गुरुवार को भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना विधि विधान से संपन्न हुआ। मंदिर के व्यवस्थापक वीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि प्रात भगवान विश्यकर्मा की पूजा अर्चना आरती व सामूहिक हवन का कार्यक्रम किया गया। उन्होंने बताया कि आरती के समय बड़ी संख्या में भक्तों ने हिस्सा लिया बाद में प्रसाद वितरण किया गया।

जीवन ज्योति सेवा फाउंडेशन ने मनायी विश्वकर्मा जयंती : जीवन ज्योति सेवा फाउंडेशन के तत्वावधान में आज विश्वकर्मा जयंती एवं पूजा पर्व सी-57 विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जीवन ज्योति सेवा फाउंडेशन के उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने वाराणसी के प्रकांड विद्वान पंडित सच्चिदानंद द्विवेदी के मंत्रोच्चार के बीच भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर माल्यार्पण कर पूरे विधि-विधान से पूजन अर्चन किया। इस दौरान देवेश राय, मनीष यादव, सुजीत सिंह, धीरेन्द्र सिंह, राकेश कुमार सहित तमाम लोग उपस्थित थे। पूजन उपरांत प्रसाद वितरण हुआ।

धूमधाम से हुआ पूजन के साथ भंडारे का आयोजन: सृष्टि के रचयिता एवं देवशिल्पी श्री विश्वकर्मा भगवान की जयन्ती के शुभ अवसर पर आज श्री शनि अहिमामऊ धाम, अहिमामऊ, सुल्तानपुर रोड, लखनऊ में पूर्व के वर्षों की भांति इस वर्ष भी भगवान श्री विश्वकर्मा जी की पूजा-अर्चना एवं विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। पूजन कार्यक्रम के दौरान सैकड़ो लोगो ने देव शिल्पी के चरणों मे पुष्प अर्पित कर भंडारे का प्रसाद चखा। इस अवसर पर मन्दिर के संस्थापक बद्री नारायण, मनोज राय, जमना प्रसाद, अनिल राज, आशीष प्रजापति, यतीश, हर्षित, यश, सिद्धान्त, शोभित, अनिस, आदित्य राज, अध्यांश प्रजापति, मनोज, दिनेश, राजा गुप्ता, फरहान, उमाशंकर आदि सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

भक्तिभाव के साथ मनी भगवान विश्वकर्मा की जयंती

लखनऊ। नगराम क्षेत्र में देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयंती गुरुवार को श्रद्धा, उल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाई गई। विद्युत सब स्टेशन समेसी में जेई आशीष कुमार के नेतृत्व में कर्मचारियों ने विधि-विधान से हवन-पूजन किया। मंत्रोच्चार के बीच भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र और कर्मचारियों की सुख-समृद्धि की कामना की गई। हवन के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

विश्वकर्मा जयंती को लेकर नगराम क्षेत्र के कल-कारखानों, हार्डवेयर प्रतिष्ठानों, दुकानों और निर्माण कार्य से जुड़े स्थानों पर विशेष उत्साह नजर आया। राजमिस्त्रियों, कारीगरों और व्यापारियों ने अपने कामकाज में इस्तेमाल होने वाले औजारों और मशीनों को साफ कर विधिवत पूजा की। लोगों ने भगवान विश्वकर्मा से कारोबार में बरकत, काम में सफलता और निरंतर प्रगति की प्रार्थना की। पूजा-अर्चना के बाद जगह-जगह प्रसाद का वितरण हुआ। सुबह से ही प्रतिष्ठानों में पूजा की तैयारियां शुरू हो गई थीं। रोजगार और रोजी-रोटी का सहारा बने औजारों को श्रद्धा से नमन करते हुए कामगारों ने अपने हुनर और श्रम के प्रति भी सम्मान प्रकट किया। विश्वकर्मा जयंती के चलते पूरे दिन क्षेत्र के औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में भक्तिमय वातावरण बना रहा। मंदिरों और पूजा स्थलों पर भी श्रद्धालुओं की आवाजाही रही।

दशलक्षण पर्व के दूसरे दिन मनाया गया उत्तम मार्दव धर्म

लखनऊ। जैन धर्म के दस दिवसीय महापर्व दशलक्षण पर्व के दूसरे दिन गुरुवार को शहर के विभिन्न जैन मंदिरों में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ उत्तम मार्दव धर्म मनाया गया। इस अवसर पर प्रातःकाल नित्य पूजन के उपरांत भगवान महावीर स्वामी की शांतिधारा की गई। श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना कर अहंकार त्यागने और जीवन में विनम्रता अपनाने का संकल्प लिया।

डालीगंज जैन मंदिर में आचार्य श्री सुबल सागर जी महाराज के सान्निध्य में उत्तम मार्दव धर्म मनाया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री के प्रवचन सुने। आचार्य श्री ने उत्तम मार्दव धर्म की व्याख्या करते हुए कहा कि मान का मर्दन ही उत्तम मार्दव है। मनुष्य को अपने धन, पद, प्रतिष्ठा, ज्ञान, रूप, रंग अथवा किसी भी उपलब्धि का अहंकार नहीं करना चाहिए। अहंकार मनुष्य को उसके वास्तविक स्वरूप से दूर करता है, जबकि विनम्रता व्यक्ति को महान बनाती है। उन्होंने कहा कि उत्तम मार्दव हमें सिखाता है कि जीवन में कितनी भी सफलता, संपत्ति या सम्मान प्राप्त हो जाए, लेकिन मन में अभिमान नहीं आना चाहिए। सच्ची महानता विनम्रता में है और दूसरों के प्रति सम्मान का भाव रखना ही उत्तम मार्दव धर्म का मूल संदेश है। मीडिया प्रभारी सिद्धार्थ जैन ने बताया कि आशियाना जैन मंदिर में दिगंबर जैन मुनि उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज के सान्निध्य में उत्तम मार्दव धर्म की पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। श्रद्धालुओं ने किसी भी प्रकार का घमंड न करने तथा जीवन में विनम्रता अपनाने की प्रतिज्ञा लेते हुए पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अजय जैन, चंद्रप्रकाश जैन, बंटी जैन, अनुज जैन, तुषार जैन, पुनीत जैन आरजे और अखिलेश जैन सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। वहीं डालीगंज क्षेत्र में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में सुबोध जैन, मनोज जैन, पारसव जैन, रितेश जैन, वीर कुमार जैन, शैंकी जैन, पारस जैन और संजीव जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

संक्षेप

ट्रेन से गिरकर घायल अधेड़ की मौत

जौनपुर। मुफ्तीगंज रेवले स्टेशन के निकट ट्रेन से गिरकर घायल मिले अज्ञात व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई है। रेलवे ट्रैक के किनारे एक व्यक्ति जिसकी उम्र लगभग 35 वर्ष आंकी जा रही है वह खून से लतपथ अवस्था अचेत मिला।स्थानीय लोगों ने एक 108 एम्बुलेंस बुलाकर उसे उपचार के लिए मुफ्तीगंज स्वाथ्य केंद्र भेज दिया। स्वाथ्य केंद्र के चिकित्सकों ने बिगड़ती हालत देखकर जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुंचने पर उपचार के कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई जिस समय यह घटना घटित हुई थी उस समय गौराबादशाहपुर के उप निरीक्षक राज कुमार सिंह को उसके पास से जौनपुर से केराकत तक टिकट तथा सुरती सुपारी आदि मिला था।पुलिस ने पहचान कराने की नियत से लाश को लाश घर में रख दिया है। पुलिस द्वारा जारी किया गया फोटो भी प्रकाशित किया जा रहा है। पुलिस आशंका जता रही है कि जौनपुर से गाजीपुर जाने वाली पैसेंजर से ही गिरकर मौत हुई है।

आकाशीय बिजली से युवती की मौत, दूसरी झुलसी

जौनपुर। आकाशीय बिजली की जद में आकर एक युवती की मौत हो गई जबकि महिला झुलस गई, उसका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नेवढ़िया थाना क्षेत्र के बलभद्रपुर ग्राम निवासी 19 वर्षीय श्रद्धा पटेल पुत्री रामपति और 23 वर्षीया शोभावती पत्नी राहुल पटेल खेत में गई थी। इसी दौरान हो रही बरसात में अचानक से गिरी, आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दोनों गंभीर रूप से घायल होने के साथ ही झुलस गई। परिजन दोनों को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे यहां पर श्रद्धा को डॉक्टर ने देखने के बाद मृत घोषित कर दिया। जबकि सोभावती का उपचार चल रहा है। यह भी बताया गया कि मृतिका श्रद्धा पॉलिटेक्निक की तैयारी कर रही थी, मौत की खबर मिलते ही परिजनों में एक कोहराम मच गया।

एनटीपीसी में हर्षोल्लास से मना अभियंता दिवस

सोनभद्र। एनटीपीसी कार्यपालक संघ, विंध्याचल द्वारा 15 सितंबर, 2026 को उमंग भवन स्थित शहनाई हॉल में अभियंता दिवस समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। यह समारोह भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया, जिसमें इंजीनियरिंग क्षेत्र एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। कार्यक्रम में ई.सत्य फणी कुमार, पूर्व क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (एनटीपीसी लिमिटेड) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में किशोर कुमार होता, कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) ने विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा मणिक्यन सुरेश, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) ने विशेष अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर एनटीपीसी विंध्याचल के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रबंधन के सदस्य भी उपस्थित रहे। समारोह का प्रमुख आकर्षण उत्कृष्ट युवा अभियंता पुरस्कार रहा, जिसके अंतर्गत 10 युवा अभियंताओं को उनके उत्कृष्ट योगदान, समर्पण एवं सराहनीय कार्य प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

पीएम के जन्मदिन पर घोरावल को मिली विकास की नयी सौगात

सोनभद्र। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर आज घोरावल तहसील में क्षेत्राधिकारी घोरावल के आवासीय भवन के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन विधायक घोरावल डॉ. अनिल कुमार मौर्य एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा विधि-विधान से किया गया। क्षेत्राधिकारी घोरावल के आवासीय भवन का निर्माण 62.63 लाख रुपये की लागत से कराया जाएगा। आवासीय भवन के निर्माण से क्षेत्राधिकारी घोरावल को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी तथा पुलिस विभाग की कार्यक्षमता को और सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर विधायक घोरावल डॉ.अनिल कुमार मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर क्षेत्राधिकारी घोरावल के आवासीय भवन का भूमि पूजन क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग की आधारभूत एवं आवासीय सुविधाओं को मजबूत करने से पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दायित्वों के निर्वहन में सुविधा मिलेगी तथा आमजन को बेहतर पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने कहा कि पुलिस विभाग की आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना विभाग की कार्यक्षमता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आवासीय भवन के निर्माण से क्षेत्राधिकारी घोरावल को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी और कार्यों के प्रभावी संचालन में सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर पुलिस विभाग एवं प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी तथा अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

जानकी मंदिर में पूजन-हवन

सोनभद्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन पर गुरुवार को नगर स्थित राम जानकी मंदिर, पुराने सिनेमा हॉल के पास विधिवत पूजन, श्रृंगार और हवन किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री के दीघार्यु एवं यशस्वी जीवन की कामना करते हुए देश के चैमुखी विकास और विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रार्थना की गई। कार्यक्रम के संयोजक भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. धर्मवीर तिवारी रहे। पुरोहित बृजेश शुक्ला ने विधि-विधान से पूजन एवं हवन कराया। डॉ. धर्मवीर तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन सेवा और सुशासन को समर्पित रहा है।

5 हजार भवन मालिकों को टैक्स नोटिस

जौनपुर। नगर पालिका परिषद ने 5 हजार भवन मालिकों को टैक्स नोटिस भेजे हैं। ये नोटिस हाउस और पानी के टैक्स के लिए हैं। नगर पालिका के सीमा विस्तार में 2017 में आठ नए वार्ड शामिल हुए थे। इनमें से दो वार्ड अब टैक्स के दायरे में आ गए हैं।नगर पालिका में कुल 39 वार्ड हैं। अभी तक सिर्फ 31 वार्डों से ही राजस्व लिया जा रहा था। बाकी बचे छह वार्डों के सत्यापन का काम आखिरी चरण में है। नगर पालिका परिषद का पूरा ध्यान अब राजस्व बढ़ाने पर है। दमीरपुर और सैदनपुर वार्ड का सर्वे पूरा हो गया है। इन दोनों वार्डों में करीब 5 हजार मकान मिले हैं। कलीचाबाद, चांदपुर, गंगापट्टी, डेरायूसुफ, हरदीपुर और देवचंदपुर वार्डों का सत्यापन भी जल्द पूरा होगा। अधिशासी अधिकारी धर्मराज ने बताया कि सीमा विस्तार के बाद शामिल हुए नए वार्डों के लोग भी अब टैक्स देंगे। दो वार्डों का सर्वे पूरा होने के बाद मकान मालिकों को नोटिस देकर उनसे दस्तावेज मांगे गए हैं। अगर तय समय में जवाब नहीं मिला, तो टैक्स वसूला जाएगा। मीरपुर और सैदनपुर वार्ड का सर्वे पूरा हो गया है। इन दोनों वार्डों में करीब 5 हजार मकान मिले हैं। कलीचाबाद, चांदपुर, गंगापट्टी, डेरायूसुफ, हरदीपुर और देवचंदपुर वार्डों का सत्यापन भी जल्द पूरा होगा।

23 लाख की धोखाधड़ी में छह पर मुकदमा

जौनपुर। शहर कोतवाली पुलिस ने दूसरी जमीन का मोहायदा करके धोखाधड़ी कर 23 लाख 20 हजार रुपए ठगने के मामले में तीन सगे भाईयों समेत 6 लोगों पर संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज किया है। पुलिस मामले की छानबीन करने में जुट गई है। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के भगौती कलोनी हरईपुर निवासी बिरेंद्र कुमार सिंह ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया कि आगा अली उर्फ अब्बास मिर्जा, आगा हसन उर्फ अब्बास, आगा हुसैन उर्फ अब्बास मिर्जा, आगा जिशान उर्फ अब्बास मिर्जा, आगा फैजान उर्फ अब्बास मिर्जा, इमरान अब्बास मिर्जा इन लोगों ने दूसरे जमीन का मोहायदा करके 32 लाख रु.लिया था। पांच लाख रु. जमीन की रजिस्ट्री के समय देना था। बाद में एसडीएम के यहां हुए एक मुकदमे के समझौते में वह जमीन दूसरे को मिल गई। बिरेंद्र सिंह के एतेराज करने पर अभियुक्तों ने शेष पैसा वापस कर दिया लेकिन 23 लाख 20 हजार अभी बकाया है, जिसको मांगने पर अभियुक्तों द्वारा गाली देना तथा जान से मारने की धमकी देने के कारण दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना चौकी प्रभारी को सौंप दिया है।

संजय बने महासभा के जिलाध्यक्ष

आजमगढ़। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 2150 के जिला अध्यक्ष पद पर संजय श्रीवास्तव का मनोनयन किया गया है। नई जिम्मेदारी मिलने पर संगठन से जुड़े पदाधिकारियों, कार्यकताओं और कायस्थ समाज के लोगों में हर्ष का माहौल है। जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर संजय श्रीवास्तव ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व एवं पदाधिकारियों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, वह उनके लिए सम्मान के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। वह संगठन की नीतियों और उद्देश्यों के अनुरूप पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ में संगठन को ब्लॉक स्तर तक मजबूत करने और अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने के लिए अभियान चलाया जाएंगा। युवाओं को सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने के साथ ही समाज के लोगों के बीच आपसी समन्वय, एकजुटता और भाईचारे को मजबूत करने पर विशेष जोर रहेगा। संजय श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ समाज की सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक पहचान को और सशक्त करना संगठन की प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। समाज के जरूरतमंद लोगों के हित में रचनात्मक कार्यों को भी आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन और कार्यकताओं के सहयोग से संगठन को जनपद में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।. उनके, मनोनयन पर संगठन से जुड़े पदाधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने प्रसन्नता व्यक्त की। लोगों ने कहा कि संजय श्रीवास्तव के नेतृत्व में संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और कायस्थ समाज की एकजुटता को और मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर विद्याधर श्रीवास्तव, दिलीप अस्थाना, रजनीश श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, मृगांक शेखर सिन्हा, अभिषेक श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, अमन श्रीवास्तव, मुनीश अस्थाना, मदन गोपाल श्रीवास्तव, पंकज अस्थाना, मनोज कुमार श्रीवास्तव, राजेश अस्थाना अनन्त, सचिन सौरभ, ऋषभ श्रीवास्तव, विशाल श्रीवास्तव, मयंक श्रीवास्तव, पल्लव श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

उर्दू अनुवादक सह प्रधान सहायक निलंबित

आजमगढ़। विकास खंड पल्हना में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत अपात्र लाभार्थियों को आवास आवंटन की फीडिंग कराने और आवास संबंधी अभिलेख पूर्ण न करने के मामले में जिला विकास अधिकारी ने बड़ी कार्रवाई की है। उर्दू अनुवादक सह प्रधान सहायक शब्बीर अहमद को प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जिला विकास अधिकारी कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार, खंड विकास अधिकारी पल्हना के पत्र के आधार पर शब्बीर अहमद के विरुद्ध कार्रवाई की संस्तुति की गई थी। उन पर आवास योजनाओं में अपात्रों को आवास आवंटन की फीडिंग कराने, संबंधित अभिलेख पूरे न करने और पटल का चार्ज हस्तगत न कराने में उदासीनता तथा वित्तीय अनियमितता के आरोप लगाए गए थे। मामले में कार्यालय की ओर से 12 अक्टूबर 2023 को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया था। निर्धारित अवधि में स्पष्टीकरण नहीं देने पर 7 दिसंबर 2023 को दोबारा निर्देशित किया गया, लेकिन इसके बाद भी स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया गया। आदेश में कहा गया है कि निदेशों का पालन न करने तथा अपात्रों को आवास आवंटन में हुई वित्तीय अनियमितता के मामले में प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर उनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही संस्थित की गई है। निलंबन के बाद उन्हें विकासखंड कार्यालय रानी की सराय से संबद्ध किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। इसके लिए उन्हें प्रमाण-पत्र देना होगा कि निलंबन अवधि में वे किसी अन्य सेवायोजन अथवा व्यापार-वृत्त में संलिप्त नहीं हैं। विभागीय जांच के लिए खंड विकास अधिकारी रानी की सराय को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्हें 15 दिन के भीतर आरोप पत्र गठित कर सक्षम अनुमोदन के बाद जारी करने तथा मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश जिला विकास अधिकारी एवं नियुक्ति प्राधिकारी संजय कुमार सिंह की ओर से 16 सितंबर 2026 को जारी किया गया है।

शिक्षा चयन आयोग के पूर्व चेयरमैन पर हमला

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के ग्राम पिडरा निवासी पूर्व चेयरमैन माध्यमिक षिक्षा चयन आयोग उ0प्र0 प्रो0 डा0 आषाराम पर मुकदमा वापस लेने के लिए एक व्यक्ति द्वारा हमला कर जान से मारने की धमकी दी गयी लेकिन पुलिस ने कार्यवाही नही किया। इस दुस्साहसिक घटना को लेकर उन्होने पुलिस अधीक्षक को दिये गये षिकायत में बताया कि वे 12 सितम्बर को वे मार्निंग वाक कर रहे थे तभी ग्राम पंचायत पिडरा के सामने मुन्ना लाल यादव पुत्र स्व0 राम सकल ग्राम पिडरा द्वारा हमला कर गालियां देने लगा और पूर्व मे पंजीकृत मुकदमा वापस लेने की धमकी देते हुए कहा गया कि यदि मुकदमा वापस नहीं लिये तो जान से मार दूंगा। इसके बाद मुझे मारा पीटा गया, मौके पर आनन्दमणि सुनील पहुंच कर बीच बचाव किया। घटना की सूचना थाने को दिया लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गयी न मेरा मेडिकल कराया गया। मुझे विष्वास है कि इस कृत्य के पीछे साजिष करने में गिरीष चन्द यादव पुत्र स्व0 सवधू यादव ग्राम समसपुर पनियरिया थाना सरायख्वाजा जो वर्तमान प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री है। उनके सह पर मेरे ऊपर जानलेवा हमला हुआ है। क्योकि मेरे द्वारा पंजीकृत मुकदमें में उनको भी अभियुक्त बनाया गया है।

स्वच्छता अभियान में राज्य मंत्री ने की सहभागिता

जौनपुर। राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने हनुमान घाट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ह्यस्वच्छता ही सेवाह्ण अभियान के तहत स्वच्छता अभियान में सहभागिता की गई। उन्होने ने कहा कि स्वच्छ एवं सुंदर जनपद के निर्माण के लिए स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि स्वस्थ, स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित समाज के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। इस अवसर पर अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर श्रीमती मनोरमा मौर्य, जिलाधिकारी श्री सैमुअल पाल एन., नगर अध्यक्ष सारिका सोनी, जनसंपर्क अधिकारी मनीष श्रीवास्तव, डॉ. रामसूरत मौर्य, मुख्य राजस्व अधिकारी, अधिशासी अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण, जनप्रतिनिधिगण तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर सेवा संकल्प अभियान के तहत हुआ रक्तदान महादान

सोनभद्र। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जनपद सोनभद्र में विभिन्न प्रमुख स्थलों पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। इसी क्रम में म्योरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित रक्तदान कार्यक्रम में रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव कुमार गौड़ एवं अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार द्वारा रक्तदाता प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोरावल में विधायक घोरावल डॉ.अनिल कुमार मौर्य की उपस्थिति में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर सेवा एवं मानवता का संदेश दिया। इस अवसर पर विधायक डॉ.अनिल कुमार

मौर्य ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान मानव जीवन बचाने का पुनीत कार्य है। रक्त की आवश्यकता किसी भी व्यक्ति को कभी भी पड़ सकती है, ऐसे में स्वस्थ व्यक्तियों द्वारा किया गया रक्तदान जरूरतमंदों के लिए जीवनदायी साबित होता है। उन्होंने लोगों से आगे आकर नियमित रूप से रक्तदान करने तथा अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। वहीं मेडिकल कॉलेज ब्लड बैंक में आयोजित रक्तदान शिविर में सदर विधायक भूपेश चैबे, भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता, पूर्व सांसद नरेंद्र सिंह कुशवाहा, पूर्व जिलाध्यक्ष अजीत चैबे, पूर्व जिलाध्यक्ष रमेश मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति में रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। इस अवसर पर समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव कुमार गौड़ ने कहा कि रक्तदान महादान के समान है। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जनपद के प्रमुख चिन्हित स्थलों पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

मंडलीय प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन

आजमगढ़। पुलिस लाइन स्थित ताइक्वांडो हॉल में गुरुवार को 70वीं जनपदीय विद्यालयी ताइक्वांडो प्रतियोगिता-2026 के ट्रायल का आयोजन किया गया। जनपदीय क्रीड़ा सचिव दिनेश कुमार सिंह की देखरेख में आयोजित ट्रायल में जनपद के कुल 76 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। ट्रायल के बाद मंडलीय प्रतियोगिता के लिए विभिन्न आयु वर्गों में खिलाड़ियों का चयन किया गया। अंडर-14 बालिका वर्ग में परी, नाजिश रिया चैरसिया एवं वैष्णवी सिंह का चयन हुआ। वहीं अंडर-17 बालिका वर्ग में फिजा खातून, ईरम, आइस्मा, गौरवी, झुनझुन प्रजापति, शालू प्रजापति एवं अक्सा को चयनित किया गया। अंडर-17 बालक वर्ग में सौरभ यादव तथा अंडर-19 बालक वर्ग में करण यादव का चयन मंडलीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। प्रतियोगिता के आयोजन में ऑफिशियल एवं चयनकर्ता के रूप में संदीप वर्मा, कोच सुनील कुमार शिन्दे, कृष्ण प्रजापति, विकास यादव, सौरभ सहित अन्य लोगों ने सहयोग प्रदान किया।

दिव्यांग वासु राइडर ने प्रदूषण से मुक्ति के लिए जलायी जागरूकता की अलख

मीरजापुर। विश्व विख्यात ताज नगरी यूपी के आगरा के दिव्यांग युवक वासु राइडर धरती पर बढ़ते हुए प्रदूषण को लेकर एक नई अलख जगाने के लिए साइकिल से भारत भ्रमण पर निकले हैं। 55% दिव्यांग के बावजूद इनके हौसले बुलंद हैं। 2 जून 2025 को घर से निकले वासु राइडर अब तक कई जिलों व राज्यों का कर भ्रमण कर चुके हैं। इनका मुख्य उद्देश्य है कि पर्यावरण प्रदूषण को लेकर के लोगों को जागरूक किया जाए। गुरुवार को मिर्जापुर पहुंचे वासु अपने इस अनोखे और कठिन अभियान को लेकर बताते हैं कि, जिस तरह से प्रदूषण बढ़ रहा है। डीजल-पेट्रोल का प्रयोग बढ़ रहा है और कार्बन गैसों का उत्सर्जन ज्यादा हो रहा है। यह हमारे जीवन के लिए हानिकारक है, आने वाली पीढियों के लिए ऑक्सीजन की कमी होगी और युवाओं को अच्छे स्वास्थ्य के लिए छोटी-मोटी दूरियों के लिए पैदल और साइकिल का उपयोग करना चाहिए, ताकि हमारा शरीर भी स्वस्थ रहें हम भी स्वस्थ रहें। वह कहते हैं हमारा समाज भी स्वस्थ रहें दुर्घटना रहित समाज हो। आए दिन अखबारों की सुर्खियों में व सड़कों पर देखने को मिलता है कि तेज रफ्तार बाइक की टक्कर में युवक की मौत, अज्ञात वाहन से युवक की मौत, ऐसी खबरें दिल को कहीं ना कहीं छू जाती हैं और जब एक युवा मरता है या दुर्घटना में घायल होता है तो उसके परिवार पर माता-पिता पर या पत्नी बच्चों पर क्या स्थिति होती है? यह महज कल्पना मात्र से ही सिहरन पैदा होती है। ऐसे में मैं कई देशों में जाऊंगा कई राज्यों में जाऊंगा और लोगों से विशेष करके युवाओं से यह अपील करूंगा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए अपना कचरा स्वयं उठाएं और कम से कम डीजल पेट्रोल वाले वाहन का प्रयोग करें। अपनी सुरक्षा के साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें, ताकि सभी लोग खुशहाल रहे। लोगों को किसी ऐसी समस्या का सामना न करना पड़े जिससे कि किसी के बुढापे लाठी किसी बहन का भाई न असमय काल के गाल में समाये यह अब युवाओं की बड़ी जिम्मेदारी है की प्रकृति को स्वच्छ और सुंदर रखें जिससे धरा पर जीवन बना रहे।

वृद्ध महिला की लाठी डंडे से पीटकर हत्या पति-देवर व बेटे की हालत गम्भीर

मीरजापुर। जिले के जिगना थाना क्षेत्र के खैरा गांव में मनबढ युवक ने वृद्ध महिला की लाठी डंडे से पिटाई कर हत्या कर दिया जबकि पति देवर व बेटे की पिटाई कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया जबकि घायलों को पीएचसी सरोंई में दवा इलाज कराया। गांव निवासी रमाकान्त पाल पुत्र राजनरायन पाल 45 वर्ष ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि बीती रात लगभग 12 बजे घर से चार सौ मीटर दूर डेरा पर पिता राज नारायण पाल पुत्र स्व. सहदेव 73 वर्ष सो रहे थे की गांव निवासी अंकित दूबे पुत्र अखिलेश दूबे पहले अपने घर पर परिवार के लोगों से विवाद किया उसके बाद रात लगभग 12 बजे डेरे पर सो रहे पिता राजनरायन पाल 73 वर्ष को लाठी से लैस कमरे में घुसकर मारने लगा पिता ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। आज सुबह लगभग पांच बजे हम बच्चों को कोचिंग पढ़ाने जा रहे थे की पहले से घात लगाए रास्ते में मौजूद आरोपी युवक लाठी से मारने लगा किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। तब तक शौच को जा रही माता यशोदरा देवी पत्नी राज नारायण पाल 70 वर्ष को रास्ते में लाठी डंडे से पिट पिटकर हत्या कर दिया। उसके बाद चाचा तेरसू पाल 65 वर्ष को भी मारा पीटा, सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही घायलावस्था में हमें व पिता, चाचा तेरसु पाल को पीएचसी सरोंई में दवा इलाज कराया। पिडित रमाकांत ने बताया की आरोपी युवक नशेड़ी प्रवृत्ति का है हमेशा नशे में रहता है उससे कभी कोई विवाद नहीं हुआ है। थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है साथ ही घायलों का दवा इलाज कराते हुए मामला दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

शिक्षक पात्रता एसोसिएशन ने किया प्रदर्शन

जौनपुर। कलेक्ट्रेट परिसर में गुरुवार को शिक्षामित्र शिक्षक पात्रता एसो. ने प्रदर्षन कर जिला प्रशासन को एक पत्र सौंपा। यह पत्र जिलाध्यक्ष रानी श्रीवास्तव के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने सौंपा।जिलाध्यक्ष ने बताया कि एक्ट के नियमों के मुताबिक, सहायक अध्यापक बनने के लिए टेट और सीटेट पास होना जरूरी है। जौनपुर के शिक्षामित्रों ने यह योग्यता पूरी कर ली है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का भी हवाला दिया। टेट और सीटेट पास शिक्षामित्रों को नियमित करने की बातकही गई है। एसोसिएशन ने उत्तराखंड मॉडल का भी जिक्रकिया। उन्होंने कहा कि वहां टेट और सीटेट पास शिक्षक्षामित्रों कोनियमित सहायक अश्यापक बनाया जा चुका है। इसे उत्तरप्रदेश में भी लाग किया जाना चाहिए। शिक्षामित्रों ने बताया कि वे पिछले 25-26 सालों से बेसिकशिक्ष? विभाग में कम मानदेय पर काम कर रहे हैं अब उन्होंनेसहायक अध्यापक बनने की सभी जरूरी शें पूरी कर ली हैं1उन्होंने यह भी मांग की कि जो शिशामित्र ज्म्ज पास नहीं हैंउन्हें विभागीय ज्म्ज परीक्षा में शामिल किया जाए। इससे वेभी योगयता पूरी करके सहायक अशध्यापक बन सकेंगेएसोसिएश्न ने सरकार से अपील की है। उन्होंने कहा कि टेट और सीटेट नियमों, सुप्रीम कोर्ट के आदेश और उत्तराखंड मॉडलको थध्यान में रखा जाए टेट और सीटेट पास शिशक्षामित्रों कोसहायक अध्यापक के पद पर नियमित नियुक्ति की जाये।

युवा शिक्षित नहीं होगा तो देश जाति व धर्म के मकड़जाल में फंस जायेगा : डॉ.पल्लवी पटेल

लालगंज, मीरजापुर। अपना दल कमेरावादी की विधायक डॉ. पल्लवी पटेल ने कहा कि युवा शिक्षित नहीं होगा तो देश जाति और धर्म के मकड़जाल में फंस जाएगा। समाज के 85 प्रतिशत लोगों को विकास के मॉडल में शामिल किए बिना समान विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने 15 और 85 की अवधारणा को सामाजिक भागीदारी से जोड़ते हुए कहा कि वंचित और पिछड़े समाज की भागीदारी बढ़ाना जरूरी है। वह बुधवार को पचोखर बैरहर खेलकूद मैदान परिसर में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता और सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा अनावरण समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने भाजपा पर संविधान के स्थान पर मनुस्मृति से देश चलाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। कहा कि सरकार विपक्ष को खत्म करना चाहती है और एक सरकार, एक मीडिया का माहौल बनाना चाहती है। पल्लवी पटेल ने पटेल समाज की एकता का जिक्र करते हुए कहा कि अलग-अलग नामों से बंटे पटेल समाज को एक पहचान से जोड़ने का काम डॉ. सोनेलाल पटेल ने किया। उन्होंने कहा कि अपना दल की मूल जड़ अपना दल ही है, वह किसी शाखा या टहनी के रूप में नहीं है। वर्ष 2027 के चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि अपना दल कमेरावादी समाज के मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रही है। खेलकूद प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि वर्षों की लगन और तपस्या के बाद प्रतियोगिता में उतरना ही बड़ी उपलब्धि है।हार-जीत से अधिक महत्वपूर्ण परिश्रम और संघर्ष है। ईमानदारी से किया गया प्रयास और संघर्ष कभी जंग नहीं खाता। जिपं सदस्य कीर्ति कौल ने कहा कि खेलकूद से आत्मविश्वास, समानता, संघर्ष, दूरदर्शिता और धैर्य का विकास होता है। कार्यक्रम का संचालन कमलेश प्रजापति और अरविंद यादव ने किया। आयोजन में ग्राम प्रधान महानंद पटेल, जिला अध्यक्ष लालमूरत पटेल, पूर्व जिला अध्यक्ष श्याम बहादुर पटेल, मंडल अध्यक्ष सीडी सिंह, संतोष सिंह, मंगल पटेल आदि उपस्थित रहे।

पूर्वांचल विवि में भगवान विश्वकर्मा का पूजन

जौनपुर। पूर्वांचल विवि परिसर स्थित मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की वर्कशॉप में भगवान विश्वकर्मा पूजा का भव्य आयोजन किया गया। तकनीकी सृजन, निर्माण और श्रम के आराध्य भगवान विश्वकर्मा के पूजन के अवसर पर वर्कशॉप परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया। वातावरण वैदिक मंत्रोच्चार, हवन और आरती से भक्तिमय हो उठा। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद यादव एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. संदीप कुमार सिंह ने धूप-दीप के साथ भगवान विश्वकर्मा का विधिवत पूजन-अर्चन किया। इसके बाद हवन एवं आरती का आयोजन हुआ, जिसमें विवि के शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता की। संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. प्रदीप कुमार, डॉ. रितेश बरनवाल एवं फोरमैन संतोष उपाध्याय ने भी विद्यार्थियों के साथ पूजा, हवन और आरती में भाग लिया। फोरमैन के.के. मिश्र, मैकेनिक ओम प्रकाश यादव, वेल्डर राकेश कुमार, फिटर सहित अन्य कर्मचारी तथा छात्र अभिभावक अच्छे लाल यादव ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। बी.टेक. एवं मैकेनिकल पॉलिटेक्निक के विद्यार्थियों ने वर्कशॉप की सजावट में सक्रिय भूमिका निभाई। विद्यार्थियों ने तकनीकी शिक्षा से जुड़े अपने कार्यस्थल को भगवान विश्वकर्मा के प्रति श्रद्धा और सम्मान के साथ सजाकर आयोजन को विशेष रूप दिया।

सपा ने किया भगवान विश्वकर्मा जी की पूजा

जौनपुर। सपा ने जिला कार्यालय सदर चुंगी, अल्फस्टीनगंज में निर्माण व सृजन के देवता भगवान विश्वकर्मा अवसर पर पूजा-अर्चना व गोष्ठी का आयोजन किया ग। प्रदेश सचिव राजेश विश्वकर्मा एवं जिला सचिव दीपक विश्वकर्मा की देखरेख में तथा जिला उपाध्यक्ष श्यामबहादुर पाल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। आलखनारायण विश्वकर्मा द्वारा पूरे विधि-विधान से भगवान विश्वकर्मा जी की पूजा-अर्चना कराई गई तथा आरती संपन्न हुई।इसके उपरांत आयोजित गोष्ठी में भगवान विश्वकर्मा जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर सृष्टि के निर्माण, शिल्प, तकनीक एवं सृजन के क्षेत्र में उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई। अध्यक्षता करते हुए पाल ने भगवान विश्वकर्मा जी के जीवन, उनकी निर्माण-कला तथा सृजन के प्रति उनके योगदान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा की परंपरा हमें श्रम, हुनर, तकनीक और सृजन को सम्मान देने की प्रेरणा देती है। सोचनराम विश्वकर्मा, अजय विश्वकर्मा, ऊषा जायसवाल, वीरेंद्र यादव, डॉ. जंगबहादुर यादव, दिलीप प्रजापति, राजेश यादव, रवि यादव सहित अन्य पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किये।

पावर हाउस में गूंजा विश्वकर्मा पूजन

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज नगर के रामलीला मैदान स्थित पावर हाउस में गुरुवार को भगवान विश्वकर्मा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। अवर अभियंता धर्मेंद्र पटेल के नेतृत्व में हुए पूजन में विद्युत कर्मचारियों ने वर्षभर कार्यों के सुचारु और सकुशल संचालन की कामना की। इस मौके पर अवर अभियंता धर्मेंद्र पटेल ने कर्मचारियों को बिजली से जुड़े कार्यों में विशेष सतर्कता बरतने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि विद्युत कार्य बेहद संवेदनशील होते हैं, इसलिए हर काम पूरी सूझबूझ और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए किया जाना चाहिए। जरा सी लापरवाही गंभीर हादसे का कारण बन सकती है। उन्होंने भगवान विश्वकर्मा से सभी कर्मचारियों पर आशीर्वाद बनाए रखने और पूरे वर्ष कार्यों को सुरक्षित ढंग से संपादित कराने की प्रार्थना की। कर्मचारियों ने भी सामूहिक रूप से पूजा कर निर्बाध एवं सुरक्षित विद्युत व्यवस्था की कामना की। इस अवसर पर सुनील, काशी सिंह, बलवंत यादव, सद्दाम, नवीन, मनीष, संदीप पाण्डेय समेत अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षेप

यातायात पुलिस ने 768 वाहनों पर की कार्रवाई

फिरोजाबाद। जनपद में यातायात व्यवस्था को सुगम एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश घुनावत के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी यातायात के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान अतिक्रमण हटाने के साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान जैन मंदिर, एटा चौराहा शिकोहाबाद एवं टूंडला चौराहा पर सड़क के दोनों ओर करीब 50 मीटर के दायरे में ऑटो, ई-रिक्शा एवं ठेलों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया। साथ ही ऑटो, ई-रिक्शा एवं ठेलों के लिए स्थान निर्धारित कर उन्हें वहीं खड़ा करने और संचालित करने के निर्देश दिए गए। यातायात पुलिस ने निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी बैठाकर चलाए जा रहे 32 ऑटो के चालान किए। वहीं नाबालिगों द्वारा ई-रिक्शा संचालित किए जाने के मामलों में चार ई-रिक्शा सीज किए गए तथा संबंधित लोगों को भविष्य में नाबालिगों से वाहन न चलवाने की चेतावनी दी गई। अभियान के दौरान नौ वाहनों से काली फिल्म उतरवाई गई, जबकि ओवरस्पीड के मामले में 189 वाहनों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त विभिन्न यातायात नियमों के उल्लंघन में 543 अन्य वाहनों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई।

100 टीबी रोगियों को पुनः लिया गोद

मथुरा। देश को क्षय रोग (टीबी) से मुक्त करने के राष्ट्रीय संकल्प तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के पावन अवसर पर उप्र के प्रतिष्ठित पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विवि एवं गो-अनुसंधान संस्थान (दुवासु) मथुरा में एक वृहद पोषण सहयोग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश राजभवन के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में यह कार्यक्रम विवि के कुलपति डॉ. अभिजीत मित्रा के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। दुवासु शिक्षा, अनुसंधान एवं पशु चिकित्सा सेवाओं के साथ-साथ हमेशा से सामाजिक सरोकारों और जनसेवा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए विवि के अधिष्ठाताओं, कुलसचिव, वित्त अधिकारी, विभागाध्यक्षों, आचार्यों, वैज्ञानिकों एवं शिक्षकों ने सामूहिक सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय देते हुए 100 टीबी रोगियों को पुनः गोद लिया। कार्यक्रम के दौरान गोद लिए गए सभी रोगियों को विवि परिवार की ओर से 'पोषण पोटली' वितरित की गई। इन पोटलियों में रोगियों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उच्च प्रोटीन और आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों से युक्त खाद्य सामग्री शामिल की गई है। इस दौरान सभी ने रोगियों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की मंगलकामना की। कार्यक्रम में उपस्थित जिला क्षय रोग अधिकारी ने टीबी के उपचार ङ्ग बचाव पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि टीबी एक पूरी तरह साध्य रोग है, जिसके इलाज में नियमित दवा सेवन के साथ-साथ उचित एवं संतुलित पोषण की भी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने रोगियों से अपील की कि वे चिकित्सक की सलाह का पूरा पालन करें और निर्धारित अवधि तक नियमित रूप से दवाएं लें। विवि की इस पहल से न केवल टीबी रोगियों को उपचार के दौरान आर्थिक और भावनात्मक संबल प्राप्त हो रहा है, बल्कि समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ रही है।

संस्कृति विवि में समावेशी शिक्षा और शिक्षक की बदलती भूमिका पर चर्चा

जिला संवाददाता (vol)

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के ब्लॉक-जी स्थित सेमिनार हॉल में प्रोफेसरों और संकाय सदस्यों के लिए 'इंक्लूजन लर्निंग' (समावेशी शिक्षा) विषय पर एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ वक्ताओं ने शिक्षकों को समावेशी शिक्षा, छात्र विविधता, आत्म-प्रेरणा और उच्च शिक्षा में शिक्षकों की बदलती भूमिका के प्रति उपयोगी जानकारियां दीं।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विजन दिव्यांग फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. मुकेश गुप्ता ने एक ऐसा शैक्षणिक माहौल बनाने पर जोर दिया जहां हर छात्र को, चाहे उसकी शारीरिक क्षमता, सीखने की शैली या सामाजिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो, सीखने और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें। उन्होंने कहा कि समावेशी शिक्षा की शुरुआत शिक्षकों की समावेशी सोच से होती है। संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए डॉ. मुकेश गुप्ता ने प्रोफेसरों के बीच आत्म-प्रेरणा पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। डॉ. गुप्ता ने रेखांकित किया कि पढ़ाना केवल पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसका उद्देश्य छात्रों के ज्ञान, कौशल, मूल्यों और समग्र व्यक्तित्व का विकास करना होना चाहिए।

कार्यक्रम की शुरुआत संस्कृति यूनिवर्सिटी की एकेडमिक्स डीन डॉ. रेनू गुप्ता के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने मुख्य वक्ता और सभी फैकल्टी सदस्यों का स्वागत करते हुए समकालीन उच्च शिक्षा में समावेश और संवेदनशीलता के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके बाद स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड कॉमर्स के डीन डॉ. गंगाधर हुगार ने विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. मुकेश गुप्ता को सम्मानित किया। यह सम्मान विभिन्न क्षमताओं वाले व्यक्तियों के सशक्तिकरण और समावेश के प्रति उनके बहुमूल्य योगदान के लिए दिया गया।

कार्यक्रम का समापन शिक्षकों से पूरे विश्वविद्यालय में समानता, गरिमा, सम्मान और समावेश की संस्कृति को बढ़ावा देने के आह्वान के साथ हुआ। उपस्थित प्रोफेसरों और फैकल्टी सदस्यों ने इस पहल की सराहना की और इसे उच्च शिक्षा की बदलती जरूरतों के लिए बेहद प्रासंगिक बताया।

राधा अष्टमी मेला : सुरक्षा व ट्रैफिक के कड़े इंतजाम के निर्देश

मथुरा। बरसाना में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाए जाने वाले पावन पर्व राधा अष्टमी को सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। मेले में देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

श्री राधाष्टमी पर्व के संबंध में गुरुवार शाम जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अमरेश कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सुरेश चंद्र रावत ने संयुक्त रूप से समस्त ड्यूटी मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों की ब्रीफिंग ली। अधिकारियों ने सभी को ड्यूटी के दौरान पूरी सतर्कता बरतने और व्यवस्थाएं सुचारू रूप से बनाए रखने के कड़े निर्देश दिए।

मेले को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए पूरे क्षेत्र को 07 जोन में विभाजित किया गया है, जिसमें मजिस्ट्रेट्स और वरिष्ठ पुलिस ऑफिसर्स की ड्यूटी लगाई गई है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल, पीएसी, सिविल पुलिस, सादे वस्त्रों में पुलिसकर्मी और एलआईयू की टीमें तैनात की गई हैं। इसके अलावा, विभिन्न कुंडों पर सुरक्षा की दृष्टि से फ्लड पीएसी की विशेष व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन कराने के लिए बैरिकेडिंग कर मार्ग को चैनलाइज किया गया है। लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए एक विस्तृत ट्रैफिक प्लान तैयार किया गया है, जिसके तहत नो-एंट्री जोन, दोपहिया वाहनों के लिए मार्ग, पार्किंग स्थल और वन-वे व्यवस्था का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया है। भीड़ प्रबंधन के लिए पीए सिस्टम, होल्डिंग एरियाज, सीसीटीवी कैमरे और कंट्रोल रूम बनाए गए हैं।

मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर असामाजिक तत्वों पर विशेष शिकंजा कसा गया है। जेबकतरों और संदिग्धों की रोकथाम के लिए सादे वस्त्रों में पुलिस बल तैनात रहेगा, साथ ही सीसीटीवी कैमरों से चप्पे-चप्पे पर निगरानी रखी जाएगी। पूर्व के अपराधियों को चिह्नित कर पाबंद किया जा चुका है। इसके अलावा, अराजक तत्वों को दबोचने के लिए एसओजी और स्वाट टीम भी लगातार क्षेत्र में भ्रमणशील रहेगी। जिलाधिकारी और एसएसपी ने बरसाना आने वाले सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि वे बनाई गई व्यवस्थाओं और ट्रैफिक प्लान का पालन कर पुलिस-प्रशासन का सहयोग करें।

राम सिंह ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में श्रद्धा व उत्साह से मनायी गयी विश्वकर्मा पूजा

टूंडला। नगला सिकंदर स्थित राम सिंह ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में भगवान विश्वकर्मा पूजा श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारियों, निदेशकों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान विश्वकर्मा का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में संस्थान के चेयरमैन डॉ.डीपी सिंह ने पूजा-अर्चना कर संस्थान की उन्नति, विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य तथा सभी के सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा निर्माण, तकनीकी कौशल, शिल्प एवं सृजन के प्रतीक हैं। तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा से जुड़े संस्थानों में विश्वकर्मा पूजा का विशेष महत्व है। संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ. बीपी सिंह ने सभी को विश्वकर्मा पूजा की शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों को मेहनत अनुशासन तकनीकी दक्षता एवं गुणवत्ता के साथ अपने कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। पॉलीटेक्निक निदेशक इंजीनियर अनूप कुमार एवं फामेर्सी निदेशक प्रो.शिल्पा श्रीवास्तव ने भी भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की और विद्यार्थियों व स्टाफ को शुभकामनाएं दीं। पूजा के दौरान संस्थान की प्रयोगशालाओं, तकनीकी उपकरणों एवं मशीनरी की सुरक्षा, सुख-समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना की गई। कार्यक्रम में समस्त शिक्षण स्टाफ एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। पूजा-अर्चना के बाद उपस्थित लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम का समापन भगवान विश्वकर्मा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए संस्थान की निरंतर प्रगति एवं विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना के साथ हुआ।

दुकान से गल्ला चोरी करने वाले तीन गिरफ्तार

फिरोजाबाद। थाना दक्षिण पुलिस ने दुकान में नकब लगाकर गल्ले सहित लाखों रुपये चोरी करने की घटना का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए 6,28,260 रुपये मय गल्ला के शत-प्रतिशत बरामद किए हैं। इसके अलावा एक अवैध तमंचा एक जिंदा कारतूस और दो नाजायज चाकू भी बरामद किए गए हैं। गुरुवार को थाना दक्षिण पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर आदेश पुत्र विनोद वर्मा, सोनू वर्मा पुत्र कालीचरण और नरेश उर्फ डैनी पुत्र चंद्रभान वर्मा, निवासी नगला दया थाना बसई मोहम्मदपुर को गोवर्धन की ठार से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक 15/16 सितंबर की रात प्रेस वाली गली चंद्रवार गेट निवासी सतीश गुप्ता की दुकान में अज्ञात चोरों ने नकब लगाकर गल्ला रुपये सहित चोरी कर लिया था। मामले में पीड़ित की तहरीर पर थाना दक्षिण मे धारा 305 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान सीसीटीवी फुटेज समेत अन्य साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में धारा 331(4) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई और आरोपियों के नाम प्रकाश में आए। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 6,28,260 रुपये, चोरी किया गया गल्ला, एक तमंचा एक जिंदा कारतूस तथा दो नाजायज चाकू बरामद किए हैं। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की भी बढ़ोतरी की गई है। पुलिस के अनुसार तीनों आरोपियों के विरुद्ध थाना दक्षिण में संबंधित चोरी के मुकदमे के अलावा आर्म्स एक्ट के मुकदमे भी दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की है।

श्रीकृष्ण-जन्मभूमि पर सेवा-संकल्प अभियान माह पर ठाकुरजी के समक्ष मना दीपोत्सव

मथुरा। भारत राष्ट्र के गौरवशाली, यशस्वी प्रधानमंत्री परम श्रन्देय नरेन्द्र भाई मोदीजी के 76वें जन्मदिन से आरम्भ सेवा-संकल्प अभियान माह के शुभारम्भ पर श्रीकृष्ण-जन्मस्थान सेवा-संस्थान द्वारा भव्य और दिव्य आयोजन किये गये।

इस अवसर पर भगवान श्रीकेशवदेवजी के समक्ष सैकड़ों दीपक, मनोहारी पुष्प-सज्जा के मध्य भगवान श्रीकशवदेवजी को अर्पित कर भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी की दीघार्यु एवं उत्तम स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की गयी। इस अवसर पर मंदिर प्रांगण में भव्य विद्युत सज्जा की गयी। विद्युत सज्जा एवं दीप-ज्योति से संपूर्ण मंदिर परिसर जगमगा उठा। इस संबंध में जानकारी देते हुऐ संस्थान के सचिव कपिल शर्मा एवं सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने बताया कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्रीमान नरेन्द्र भाई मोदी जी का व्यक्तित्व व कृतित्य एक राजनैतिक यात्रा मात्र नहीं, अपितु यह एक राष्ट्रप्रेमी भारतीय के संकल्प और पुरूपार्थ की अभिनव यात्रा है। अत्यन्त सामान्य पृष्ठभूमि से आये महान भारतवर्ष के प्रधानमंत्री के पद पर आसीन होने के बाद भी उनके प्रत्येक कार्य एवं विचार भारत के सार्वजनिक विकास एवं समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए समर्पित है। ऐसे सरल और चमत्कारिक व्यक्तित्व के धनी व जन-जन के लाड़ले, माँ भारती के यशस्वी पुत्र, भारतवर्ष की अखण्डता के प्रति संकल्पित श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी के जन्मदिवस पर करोड़ों-करोड़ कृष्ण-भक्तों की ओर से अभिनन्दन और शुभकमानाऐं अर्पित कीं। भारत माता के ऐसे यशस्वी पुत्र के जन्मदिन पर उनके समाजिक जीवन के 25वर्ष की अनवरत यात्रा की उपलब्धियों को श्सेवा-संकल्प अभियान माह के रूप में मनाया जाना वास्तव में देशवासियों के लिए राष्ट्र-प्रथम का जीवन्त प्रेरणासूत्र बनेगा।

- संपूर्ण परिसर जगमगा उठा दीप-ज्योति व विद्युत सज्जा से

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर मथुरा में सेवा संकल्प अभियान का भव्य शुभारंभ

मथुरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के पावन अवसर पर जनपद मथुरा में सेवा संकल्प अभियान का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने मथुरा पहुंचकर कई जनहित कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा बैठक की।

मंत्री संदीपजी ने सबसे पहले जिला अस्पताल पहुंचकर मरीजों को फल वितरित किए और उनका कुशलक्षेम जाना। इस दौरान उनके साथ महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीरज अग्रवाल और प्रभारी चिकित्सक डॉ. सिद्धार्थ उपस्थित रहे। इसके पश्चात, मंत्रीजी ने मसानी स्थित बृजवासी ब्लडबैंक पहुंचकर रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में भी महानगर अध्यक्ष, मुख्य विकास अधिकारी और डिप्टी सीएमओ डॉ. भूदेव सिंह सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जनपद में कुल 06 स्थानों पर ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित किए गए, जिनमें भारी उत्साह देखने को मिला। जिला अस्पताल एवं बृजवासी ब्लड बैंक में स्वयं राज्यमंत्री संदीप सिंह ने पहुंचकर कैंप का शुभारंभ किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौहझील में विधायक मांट राजेश चैधरी द्वारा शुभारंभ किया गया, वहीं

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोवर्धन में विधायक गोवर्धन मेघश्याम सिंह द्वारा शुभारंभ किया गया तथा अन्य कैंप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोसीकलां, सद्भावना ब्लड बैंक और न्यायालय परिसर में लगाए गए। विभिन्न रक्त केंद्रों पर कुल 290 यूनिट रक्तदान हुआ, जिसमें बृजवासी ब्लड बैंक में 76, सद्भावना ब्लड बैंक में 84, न्यायालय परिसर में 35, गोवर्धन में 36, कोसीकलां में 30, नौहझील में 24 और जिला अस्पताल में 05 यूनिट रक्त दान किया गया। इस दौरान डॉ. अमन कुमार, डॉ. विकास जैन, डॉ. भूदेव सिंह, डॉ. कल्पना तौमर सहित अन्य चिकित्सक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मंत्री संदीप सिंह ने अधिकारियों के साथ बैठक कर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान की व्यापक समीक्षा की।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने किया वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण

फिरोजाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव योगेश शिवा ने वन स्टॉप सेंटर फिरोजाबाद का निरीक्षण कर वहां पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और विधिक सहायता की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सचिव ने केंद्र में महिलाओं को प्रदान की जा रही सेवाओं एवं व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था तथा पीड़ित महिलाओं को दी जा रही सहायता का भी अवलोकन किया। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से केंद्र की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सचिव ने कहा कि संकट की स्थिति में सहायता की आवश्यकता वाली महिलाओं को सुरक्षित वातावरण, आवश्यक परामर्श एवं विधिक सहायता उपलब्ध कराना बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने पीड़ित महिलाओं को समयबद्ध और प्रभावी सहायता उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों तथा उपलब्ध विधिक सेवाओं के प्रति जागरूक करने और जरूरत के अनुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर सेवा व सम्मान कार्यक्रम आयोजित

जिला संवाददाता (vol)

फिरोजाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न संस्थाओं में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय वजीरपुर जेहलपुर एवं पैढत राजकीय अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास दाउदयाल कॉलेज राजकीय अनुसूचित जाति बालक छात्रावास सैलई तथा आवासीय वृद्धाश्रम बन्ना टूंडला में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम का उद्देश्य जनसेवा के 25 वर्षों के प्रति आभार व्यक्त करना तथा विकसित भारत-2047 के सामूहिक संकल्प को साकार करना रहा। इस अवसर पर वृद्धाश्रम में निवासरत बुजुर्गों एवं विद्यालयों तथा छात्रावासों के विद्यार्थियों को फल वितरित किए गए। वृद्धाश्रम में उपस्थित विधायक, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने बुजुर्गों के साथ समय बिताकर उनका कुशलक्षेम जाना। इस दौरान उपस्थित अतिथियों ने वरिष्ठजनों के अनुभवों एवं आशीर्वाद को समाज की अमूल्य धरोहर बताते हुए उनके सम्मान और गरिमा के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम के उपरांत रात्रि में वृद्धाश्रम सहित अन्य संस्थाओं में सामूहिक रूप से आशीर्वाद का दीप जलाया गया। दीप प्रज्ज्वलन के माध्यम से सेवा, सम्मान आत्मीयता और विकसित भारत के निर्माण का संदेश दिया गया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीघार्यु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की गई। वृद्धाश्रम के संवासियों ने कार्यक्रम के दौरान प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उपस्थित अतिथियों एवं अन्य लोगों को आशीर्वाद प्रदान किया। आयोजन का उद्देश्य वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता और सेवा-भाव को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम में टूंडला विधायक प्रेमपाल सिंह धनगर जिला मंत्री दिनेश गुप्ता जिला उपाध्यक्ष नीलम दिवाकर नगर अध्यक्ष आजाद जैन पूर्व जिला मंत्री दुष्यंत जादौन युवा मोर्चा के अभिषेक प्रताप सहकारिता अध्यक्ष मुकेश धामा जिला मंत्री भाजपा पवन कुमार चक जिला समाज कल्याण अधिकारी राजमती निक्की सेहरा बृजेश कुमार ग्राम विकास अधिकारी अनमोल कुमार नीतू दुबे सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं वृद्धाश्रम स्टाफ उपस्थित रहे।

- वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को फल वितरित कर लिया विकसित भारत-2047 का संकल्प

दाऊजी मंदिर में धूमधाम से मना बलदेव छठ जन्मोत्सव

मथुरा। बलदेव छठ के पावन पर्व पर गुरूवार भूतेश्वर बलभद्र कुंड स्थित प्राचीन दाऊजी महाराज मंदिर में जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। गुरूवार सुबह 8 बजे मंदिर के मुख्य महंत मोहन गुरु द्वारा पूर्ण विधि-विधान एवं मंत्रोच्चारण के साथ भगवान बलदेव और माता रेवती का पंचामृत अभिषेक संपन्न हुआ। इसके उपरांत विद्वान आचार्य मालाराम शास्त्री, अनुज, अखिलेश शास्त्री एवं वेदांत ने पूजन कराकर 251 किलो दूध, दही, घी, शहद एवं गंगाजल से ठाकुर जी का दिव्य स्नान कराया। इस दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने ठाकुर जी के दर्शन कर पुण्य लाभ कमाया। सायंकाल बेंगलुरु और कोलकाता से मंगाए गए देशी-विदेशी फूलों से पूरे मंदिर प्रांगण को भव्य रूप से सजाया गया। ठाकुर दाऊजी महाराज को विशाल छप्पन भोग अर्पित किए गए।

विश्वकर्मा जयंती और प्रधानमंत्री जन्मोत्सव पर भव्य कार्यक्रम

मथुरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित विश्वकर्मा जयंती के शुभ अवसर पर टूलकिट एवं चैक वितरण का कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभागार मथुरा में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम ने सांसद तेजवीर सिंह, विधायक बल्देव पूरन प्रकाश, विधायक गोवर्धन मेघश्याम सिंह, महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव, सासंद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा एवं मुख्य विकास अधिकारी डॉ० पूजा गुप्ता उपस्थित रही। लखनऊ में भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना 2.0 के अंतर्गत विश्वकर्मा स्वरोजगार एवं स्वदेशी मेला 2026 पर आधारित प्रदर्शनी एवं मार्जिन मनी ऋण पोर्टल का शुभारंभ और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक तथा टूलकिट का वितरण माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा किया गया। लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित उक्त कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनपद मथुरा के कलेक्ट्रेट सभागार में माननीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों तथा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों द्वारा देखा और सुना गया। जनपद स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में गणमान्य अतिथियों द्वारा करकमलों को विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत दर्जी ट्रेड में 50 तथा हलवाई ट्रेड में 25 लाभार्थियों को टूल किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री युवा योजना के अंतर्गत 05 लाभार्थियों को सांकेतिक रूप से चैक वितरण किया गया। कुल मिलाकर 200 लाभार्थियों को उद्योग विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इसी के साथ श्रम विभाग के लाभार्थियों को कन्या विवाह सहायता योजनान्तर्गत 05 स्वीकृति प्रमाण पत्र, मातृव्य एवं शिशु हित लाभ योजना में 05 स्वीकृति प्रमाण पत्र एवं मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना में 05 स्वीकृति प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। गणमान्य अतिथियों द्वारा भगवान विश्वकर्मा जी की जयन्ती एवं प्रधानमंत्री के जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें देते हुए सभी लाभार्थियों के उज्जवल जीवन की कामना की गयी तथा सभी से आशीर्वाद का दीया जलाने की अपील की गयी। इस अवसर पर अध्यक्ष लघु उद्योग भारती अंकित बंसल, अध्यक्ष जन उद्योग व्यापार मण्डल जगत अग्रवाल, उपायुक्त उद्योग चंद्रभान सिंह तथा सहायक श्रमायुक्त राजकुमार उपस्थित रहें।

11 हजार वोल्ट की लाइन बनी काल, बोरिंग मशीन छूते ही तीन लोगों की मौत

मथुरा। चौमुंहा दलौता बिजलीघर क्षेत्र के सियारा गांव में गुरुवार को नल की बोरिंग के दौरान 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में चीख-पुकार मच गई। मृतकों में दो ग्रोली गांव और एक सियारा गांव का निवासी बताया गया है। घटना से मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार, सियारा गांव में नल की बोरिंग का कार्य चल रहा था। इसी दौरान बोरिंग मशीन मकान के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन के संपर्क में आ गई। मशीन में करंट उतरने से वहां काम कर रहे तीन लोग इसकी चपेट में आ गए। गंभीर रूप से झुलसने के कारण तीनों की मौत हो गई। ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लगाए गंभीर आरोप ग्रामीणों का आरोप है कि हादसे के बाद करीब एक से डेढ़ घंटे तक विद्युत आपूर्ति बंद नहीं हुई। ग्रामीणों ने दलौता फीडर के लाइनमैनों और संबंधित अधिकारियों को फोन कर बिजली बंद कराने का प्रयास किया, लेकिन कथित तौर पर फोन रिसीव नहीं हुए। इसके बाद ग्रामीण स्वयं दलौता फीडर पहुंचे और बिजली आपूर्ति बंद कराई। घटना को लेकर ग्रामीणों में बिजली विभाग के प्रति आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते विद्युत आपूर्ति बंद हो जाती तो स्थिति और गंभीर होने से बच सकती थी।हालांकि, विद्युत विभाग की ओर से लापरवाही के आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। दो परिवारों के चिराग बुझ गए हादसे में जान गंवाने वाले तीनों लोगों के परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। ग्रामीणों के अनुसार, मृतकों के परिवारों में छोटे-छोटे बच्चे हैं, जिनकी उम्र करीब आठ से दस वर्ष बताई जा रही है। अचानक हुई मौतों से गांवों में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से हादसे की निष्पक्ष जांच कराने, विद्युत विभाग की भूमिका की जांच करने तथा लापरवाही सामने आने पर जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

525 महिलाओं को मिली सिलाई मशीन व टूल किट

- विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना

फिरोजाबाद। विश्वकर्मा जयंती एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत वृहद टूल किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन पालीवाल हॉल में किया गया। कार्यक्रम में सदर विधायक मनीष असीजा, डीएम संतोष कुमार शर्मा एवं सीडीइओ शत्रोहन वैश्य की उपस्थिति में लाभार्थियों को टूल किट सिलाई मशीन एवं प्रोत्साहन उपहार वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान 10 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली 525 महिला लाभार्थियों को सिलाई मशीन एवं टूल किट प्रदान की गई। साथ ही उनके बैंक खातों में 4500 की राशि सीधे भेजी गई। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना एवं ओडीओपी योजना के अंतर्गत भी 20 लाभार्थियों को चेक वितरित किए गए।

इस अवसर पर सदर विधायक मनीष असीजा ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की मंशा है कि महिलाओं एवं युवाओं के हाथों में हुनर हो। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत मिलने वाली टूल किट और सिलाई मशीनें स्वरोजगार का सशक्त माध्यम बन रही हैं। इन योजनाओं से लोग रोजगार मांगने वाले के बजाय रोजगार देने वाले बन सकेंगे। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने कहा कि योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद लाभार्थियों को अपने हुनर को बाजार तक पहुंचाने की आवश्यकता है।

स्थानीय मांग और आसपास के विद्यालयों की जरूरत के अनुसार कार्य कर महिलाएं अपनी आय में वृद्धि कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि सिलाई एवं हस्तशिल्प भारतीय संस्कृति और परिवारों का हिस्सा रहे हैं, जिन्हें अब व्यवसाय का रूप दिया जा सकता है। बताया गया कि विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना में पहले शामिल 11 पारंपरिक ट्रेडों की संख्या बढ़ाकर 25 ट्रेड कर दी गई है। इसमें बढ़ई, दर्जी, कुम्हार, लोहार, नाई राजमिस्त्री, सुनार और धोबी सहित मूर्तिकार, मालाकार दूधवाला व मछुआरा जैसे पारंपरिक कार्यों के साथ मोबाइल एवं ऑटोमोबाइल मरम्मत, इलेक्ट्रॉनिक मरम्मत बिजली कार्य, कंप्यूटर मरम्मत और ब्यूटी पार्लर जैसे आधुनिक ट्रेड भी शामिल किए गए हैं। प्रशिक्षण प्राप्त लाभार्थियों को व्यवसाय शुरू करने के लिए 10 लाख रुपये तक के ऋण की व्यवस्था भी की गई है। कार्यक्रम में सिलाई मशीन एवं टूल किट प्राप्त करने वाली लाभार्थियों में अंबिका शर्मा, आनंदी देवी, अनीता, अंजली, अंजू देवी, अन्नू, आरती देवी, अनिवेश, अर्चना देवी, आरूषी राजौरिया एवं आशा देवी व अन्य महिलाएं शामिल रहीं। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत चेक प्राप्त करने वालों में जावेद अख्तर, राबिया हैदर अली, अंजली, राजकुमार, मनीष सविता, प्रियंका यादव और पवन कुमार आदि रहे। इस अवसर पर एसडीएम सुदर्शन कुमार एवं उपायुक्त उद्योग संध्या सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जेब पर भारी महंगाई

अगस्त माह के महंगाई के जो आंकड़े आये हैं उनसे स्पष्ट है कि अब युद्धों और तनावों का असर आम ग्राहकों पर पड़ने लगा है। अगस्त माह में सीपीआई महंगाई का आंकड़ा पांच फीसद से बस कुछ ही नीचे है जबकि डब्ल्यूपीआई अर्थात थोक मुद्रास्फीति 9.9 फीसद के शिखर पर पहुंच गयी है। जब थोक महंगाई खुदरा कीमतों में परिवर्तित होगी तो आगामी महीनों में खुदरा महंगाई भी पांच फीसद से ऊपर पहुंच जायेगी। भारत में त्यौहारों का सीजन शुरू हो चुका है। ऐसे में शिखर पर पहुंच चुकी यह महंगाई आम ग्राहकों को बहुत परेशान करेगी। अगस्त 2026, में खुदरा मुद्रास्फीति 4.82 फीसदी रही, जबकि थोक मूल्य सूचकांक 9.9 फीसदी दर्ज किया गया। महंगाई की यह स्थिति आठ माह में सर्वोच्च स्तर पर रही। भारतीय रिजर्व बैंक की तय सीमा से भी अधिक मुद्रास्फीति है। त्योहारों के मौसम में महंगाई और भी बढ़ सकती है। आम आदमी दर और प्रतिशत के इस अर्थशास्त्र को नहीं समझता। उसके लिए आटा, गेहूं, चावल, चीनी, दालें, खाद्य तेल, हरी सब्जियां, प्याज, टमाटर, अदरक, लहसुन और दूध आदि की कीमतें बढ़ती हैं, तो वह महंगाई की स्थिति है। उसकी जेब सीमित है, लिहाजा घर का बजट भी तय है। जब ये हदें टूटने लगती हैं, तो आम आदमी महंगाई से कराहने लगता है। एक बड़ महंगाई भी है, जो युद्ध हमें देते हैं और हम मजबूर हैं। बीते छह माह से अधिक समय से ईरान का होर्मुज जलडमरूमध्य या तो बाधित है अथवा बंद है या मिसाइल, ड्रोन के हमले जारी हैं। भारत का 50 फीसदी से अधिक कच्चा तेल, एलपीजी, खाद आदि इसी समुद्री मार्ग से आते रहे हैं।

जिस तरह खुदरा और थोक मुद्रास्फीति के आंकड़े आये हैं उससे स्पष्ट है कि महंगाई अब तेजी से बढ़ रही है और त्योहारी सीजन में यह परेशान करेगी।

दुनिया में करीब 20 फीसदी तेल-गैस की आपूर्ति इसी मार्ग के जरिए की जाती रही है। अब लाल सागर और बाब-अल-मंदेब पर हूती लड़ाकों ने कब्जा कर लिया है। हालांकि उन्होंने ऐलान किया है कि वे सऊदी अरब के जहाजों को निशाना बनाएंगे। यहां से गुजरने नहीं देंगे। भारत समेत शेष विश्व के जहाज, तेल-टैंकर आदि की आवाजाही निर्बाध रहेगी। दुनिया की करीब 12 फीसदी आपूर्ति इस जल-मार्ग के जरिए होती रही है। सऊदी अरब जिस 'ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन' के जरिए यूरोप और एशिया में कच्चे तेल का निर्यात कर रहा था, इस पर हूती लड़ाकों ने मिसाइल हमले कर उसका एक हिस्सा तबाह कर दिया है। सोमवार, 14 सितंबर, की रात तक पाइपलाइन धू-धू कर जल रही थी, लिहाजा उसे बंद करना पड़ा है। इस पेट्रोलाइन से 40-50 लाख बैरल कच्चा तेल रोजाना सप्लाई किया जाता था। जाहिर है कि भारत सहित कई एशियाई और यूरोपीय देशों की तेल आपूर्ति प्रभावित हुई है। कच्चे तेल का एक और निश्चित रास्ता ठप हो गया है। चूंकि महत्वपूर्ण जल-मार्गों से आपूर्ति बाधित या ठप है, नतीजतन कच्चे तेल की कीमत भी 108 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई है। बीती 11 सितंबर को भारत के लिए कच्चे तेल की औसत कीमत 119 डॉलर से अधिक थी। इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के आकलन हैं कि कच्चा तेल जल्द ही 120 डॉलर प्रति बैरल को छूलेगा। इससे भारत का आयात बिल बढ़ेगा। हम अर्थव्यवस्था पर यह अनावश्यक बोझ समझना चाहिए, नतीजतन रोजमर्रा की हरेक वस्तुएं, सेवाएं, परिवहन आदि सभी महंगे हो जाएंगे। तेल कंपनियों के घाटे का रुदन तो शुरू हो चुका है। बताया जा रहा है कि भारत की तेल कंपनियों को पेट्रोल पर 5 रुपये, डीजल पर 23 रुपए प्रति लीटर और एलपीजी के एक सिलेंडर पर 200 रुपए का घाटा उठाना पड़ रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, ईरान में युद्धविराम खत्म होने के बाद 100 देशों में पेट्रोल-डीजल औसतन 5-7 फीसदी तक महंगे हो गए हैं। कच्चा तेल 17-20 फीसदी तक और एलपीजी, एलएनजी 20-25 फीसदी तक महंगी हुई हैं। भारत क्या कर सकता है? उसे 88 फीसदी कच्चा तेल आयात करना पड़ता है। अमरीका तो तेल-गैस का निर्यातक देश है, फिर भी वहां पेट्रोल-डीजल के दाम ऐसे स्तर पर पहुंच गए हैं कि जनता सड़कों पर आंदोलित हो गई है। बहरहाल भारत के संदर्भ में यदि तेल-गैस, उर्वरक आदि के संकट बढ़ता है तो हमारी अर्थव्यवस्था के लिए बहुत घातक होगा।

भारत-रूस रक्षा सौदे, उसके प्रस्ताव, हमारी शर्तें

संजय श्रीवास्तव

रक्षा बिक्री और सहयोग के संदर्भ में रूसी प्रस्तावों पर चर्चा वैश्विक है। क्या यह खरीदारी उसे एक बार फिर रूसी रक्षा सामग्री के प्रति अति निर्भरता की ओर धकेल देगी और इस क्षेत्र की आत्मनिर्भरता खतरे में पड़ेगी? क्या रूस का सहयोग सब प्रकार से निरापद और वर्तमान रक्षा परिदृश्य में भारतीय रक्षा को चीन पाकिस्तान के सामने सबल बनाने में सहायक होगा?

रूस ने भारत के आगे सैन्य सहयोग के व्यापक प्रस्ताव और महत्वाकांक्षी बिक्री पैकेज में पांचवीं पीढ़ी के 75 सुखोई-57ई लड़ाकू विमान, सुखोई एमकेआई बेड़े का 'सुपर सुखोई' में अपग्रेड, शेष बचे एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की त्वरित आपूर्ति के अलावा पेंट्सिर-एस1एम शॉर्ट-रेंज मिसाइल सिस्टम, पट्टे पर अकुला-क्लास परमाणु पनडुब्बी और वोरोनिश-एम अर्ली वार्निंग रडार तकनीक की पेशकश शामिल है। निस्संदेह नए प्रस्तावों को लेकर उत्साह स्वाभाविक है, लेकिन जब बात राष्ट्रीय सुरक्षा और भारी खर्च की हो तो उत्साह से अधिक खरीदे जाने वाले हथियारों की क्षमता, लागत, आपूर्ति में लगने वाले समय, उसकी वर्तमान तकनीक और किसी एक देश पर दीर्घकालीन निर्भरता के बारे में ठहरावभरा आंकलन आवश्यक है। पिछले दिनों रक्षा अधिग्रहण परिषद की ओर से तीनों सेनाओं के लिए करीब 1.10 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, खरीद की यह मंजूरी मात्र सैद्धांतिक प्रशासनिक स्वीकृति थी, इसी तरह रूस द्वारा भारत को फिलहाल प्रस्ताव दिया गया है, भारत खरीदारी करने ही जा रहा है, ऐसा नहीं है। पहले किए गए कुछ सौदे जो पूरे होने को हैं, उनको छोड़कर बाकी रूसी प्रस्तावों को वह समझ-बूझकर ही फाइनल करेगा कि किसे प्राथमिकता में रखा जाए किस पर कड़ी तकनीकी-आर्थिक शर्तों के साथ विचार किया जाए एवं किन से दीर्घकालिक दूरी बनाई जाए।

अपने 260 से ज्यादा सुखोई-30 विमानों को अगर लंबे समय तक कार्यक्षम रखना है, तो उनके 'सुपर सुखोई' के रूप में अपग्रेडेशन पर आगे बढ़ना ही होगा। नए विमान खरीदने के बजाय मौजूद प्लेटफॉर्म को अधिक सक्षम बनाने के तौरपर यह प्रस्ताव व्यावहारिक है। रूस करीब 11 अरब डॉलर के व्यापक उन्नयन प्रस्ताव के साथ सामने है। पांचवें एस-400 की लंबित आपूर्ति के अलावा अतिरिक्त एस-400 खरीद भी व्यावहारिक विकल्प है। भारत पहले से इस प्रणाली का संचालन कर रहा है, इसलिए प्रशिक्षण, रख-रखाव और परिचालन ढांचा मौजूद है। इसी तरह पेंटसिर-एस1एम का प्रस्ताव भी उपयोगी है। मगर इसे एस-400 के विकल्प की बजाए कम दूरी की 'प्वाइंट डिफेंस' लेवल के बतौर देखना होगा। ड्रोन, क्रूज मिसाइल और कम ऊंचाई वाले लक्ष्यों से एस-400 जैसे महंगे सिस्टम की सुरक्षा के लिए एक ऐसे स्तर या सुरक्षा परत का अपना महत्व है। भारत अतिरिक्त एस-400 लेता है, तो पेंटसिर को पूरक क्षमता के रूप में देखना तार्किक होगा। चीन की बढ़ती क्षमताओं को देखते हुए, यह तर्क सम्मत है। सबसे अधिक आकर्षक लगने वाला प्रस्ताव है कथित तौरपर 75 सुखोई-57ई विमानों की खरीद। रूस तैयार विमान बेचने के साथ भारत में उत्पादन और तकनीक हस्तांतरण की पेशकश कर रहा है। यदि सुखोई-57 केवल रूस से हिस्सों में मिला विमान हो और भारत में उसका असेंबली, उत्पादन हो तो आत्मनिर्भरता का लाभ सीमित होगा। पर अगर एचएएल, डीआरडीओ, बीईएल और निजी भारतीय कंपनियां एवियोनिक्स, इलेक्ट्रोनिक वारफेयर, संचार, वेपन इंटीग्रेशन और मेंटेनेंस रिपेयरिंग और ओवरहॉल में वास्तविक तकनीकी भूमिका पाती हैं, तो यह सौदा भारत के एयरोस्पेस उद्योग के लिए बहुत उपयोगी होगा। मगर प्रस्ताव को स्वीकारने से पूर्व रक्षा मंत्रालय को 2018 की एफजीएफए परियोजना से मिले सबक नहीं भूलने चाहिए। उस समय विमान की स्टील्थ क्षमता, इंजन, एवियोनिक्स, सॉफ्टवेयर सोर्स कोड्स तथा तकनीक हस्तांतरण को लेकर भारतीय चिंताओं के कारण परियोजना से दूरी बनी थी। बेशक सुखोई-57 आज पांचवीं पीढ़ी का विकसित विमान है, लेकिन हमें उसकी गति या सेंसर-फ्यूजन, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, सुरक्षित डेटा-लिंक, कम रडार दृश्यता, हथियार और नेटवर्क-केंद्रित युद्ध में उसकी वास्तविक क्षमता देखनी होगी। सबसे महत्वपूर्ण यह कि सुखोई-57 राफेल, सुखोई-30, अमेरिकी पी-81, अवाक्स, एईडब्ल्यू एंड सी, एस-400, स्वदेशी डिफेंस रडार और भारतीय कमांड-एंड-कंट्रोल नेटवर्क के साथ कितनी सहजता से काम करेगा। भिन्न देशों की प्रणालियों का एकीकरण अत्यंत जटिल होता है। सामान्यतया भारत के मौजूदा एकीकृत रक्षातंत्र के साथ इसे जोड़ना बेहद जटिल है। भारतीय वायुसेना उत्पादन-मानक, विमानों के व्यौहारिक परीक्षण और पूर्ण तकनीक हस्तांतरण की शर्त पर ही आगे बढ़ेगी।

सामरिक

इसी तरह लगभग 6,000 किलोमीटर दूर तक बैलेस्टिक मिसाइल लॉन्च और अंतरिक्षीय खतरों की निगरानी करने वाला 'वोरोनिश-एम' रडार भले ही भारत की चीन व पाकिस्तान पर नजर रखने की क्षमता को अभूतपूर्व विस्तार दे लेकिन इतने संवेदनशील उपकरण पर भारत को पूर्ण डेटा-प्रभुत्व, सॉफ्टवेयर एक्सेस और साइबर सुरक्षा की पूर्ण गारंटी चाहिए। वोरोनिश-एम जैसे प्लेटफॉर्मों को अलग-अलग देशों की डेटा-लिंक, पहचान प्रोटोकॉल और मिशन-सॉफ्टवेयर को सुरक्षित रूप से एक साझा परिचालन दायरे में ले आ पाना अत्यधिक खर्चीला और संवेदनशील काम है। यदि रूस अपने सॉफ्टवेयर कोड्स और मिशन सिस्टम में भारत को पूर्ण तकनीकी पहुंच नहीं देता, तो ये हथियार भारतीय नेटवर्क में पूरी तरह फिट नहीं बैठ पाएंगे। फिर स्वदेशी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट परियोजना की बलि देकर तैयार विदेशी विमानों पर दांव लगाना 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को पीछे धकेलना होगा। इसमें दो राय नहीं कि भारत इन प्रणालियों का सुसंगत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में सफल हो जाए तो चीन और पाकिस्तान के मुकाबले उत्तरी-पश्चिमी सीमाओं पर भारत की सैन्य बढ़त में गुणात्मक उछाल आयेगा। चीन के जे-20 व जे-35 स्टील्थ लड़ाकू विमानों की चुनौती का मुकाबला करने में सुखोई-57 भारत की अग्रिम वायु-श्रेष्ठता को मजबूत करेगा और वोरोनिश-एम रडार और एस-400 मिसाइल नेटवर्क मिलकर तिब्बत पठार से संचालित होने वाली चीनी मिसाइलों और लड़ाकू उड़ानों की पूर्व चेतावनी दे सकेंगे। पाकिस्तान को चीन से मिली जे-10सी या भावी जे-35 विमानों से उपजे असंतुलन को ये खरीदारियां भारत के पक्ष में पूरी तरह झुका देंगी। उधर हिंद महासागर में घटती पनडुब्बी संख्या के बीच अकुला-क्लास एसएसएन यानी 'परमाणु-संचालित हमलावर पनडुब्बी' की मौजूदगी भारत की अंडरवॉटर मारक क्षमता और प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करेगी।

रूस से मिलने वाली विशेषज्ञता उपयोगी हो सकती है, हालांकि रूसी परमाणु पनडुब्बी संचालन का अनुभव ले चुके भारत को अकुला क्लास परमाणु पनडुब्बी के मामले में सावधानी बरतते हुए उसे स्वदेशी एसएसएन कार्यक्रम का विकल्प नहीं बल्कि उसकी गति बढ़ाने वाला साधन मानना चाहिए। इन सबके बीच एक और सवाल उठता है, क्या इन सौदों के चलते भारत फिर से रूसी हथियारों पर अति-निर्भरता की ओर बढ़ रहा है? भारत की रक्षा विरासत में भले ही रूस का 60 फीसद से अधिक हिस्सा रहा हो, लेकिन रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने के लिए भारत इस निर्भरता को धीरे-धीरे घटा रहा है, प्रस्तावों के इस पक्ष पर भी वह विचार करेगा। दूसरी ओर भारत की बढ़ती रक्षा औद्योगिक क्षमता के चलते उसकी नीति भी इस ओर मुड़ी है कि वह केवल विदेशी प्लेटफॉर्म खरीदने वाला ग्राहक नहीं बने रहना चाहता, खरीदारी पर इस नीति का भी असर पड़ेगा। भारत 'केवल खरीदार' बनने के युग से बाहर निकलने के प्रयास में मात्र उन्हीं प्रस्तावों को स्वीकार करेगा जिसमें शत-प्रतिशत तकनीक हस्तांतरण, स्थानीय विनिर्माण व भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स, मिसाइलों के एकीकरण की गारंटी होगी।

सोशल मीडिया

आ.प्रधानमंत्री मोदी जी की प्रेरणा से वर्ष 2018 में यूपी प्रदेश दिवस के मौके पर वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट और वर्ष 20 19 में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना लागू की गयी। सीएम योगी

भाजपा अगर ये सोच रही है कि वो सपा के छात्र सभा के युवाओं को छात्रों के बीच में जागरूकता अभियान चलाने से रोक लेगी तो ये उसकी गलतफहमी है। अखिलेश

हर बार बीजेपी सरकार का वही शर्मनाक पैटर्न, हादसे से पहले रोकथाम नहीं, उसके बाद बयान बाजी। छोटे अफ़सरों पर जवाबदेही मढ़ दी जाती है और असली बचे रहते हैं। राहुल गांधी

अशान्त विश्व में शांति की उम्मीद हैं प्रधानमंत्री मोदी

जन्मदिवस पर विशेष

प्रो. आर.एन. त्रिपाठी

आज पूरा देश यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 76 वां जन्म दिन मना रहा है। आशीर्वाद का दिया जला रहा है। नरेंद्र मोदी वह शख्सियत हैं, जिन्हें दुनिया के तमाम देशों ने अपने देश का सर्वोच्च सम्मान दिया है। इससे उनकी वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता का पता चलता है। अधिकांश देशों के नेता भारत आ चुके हैं और भारत से व्यापारिक संबंधों की मजबूती पर गहन विमर्श कर चुके हैं। जब विश्व के कई देश युद्ध में उलझे हुए हैं तब पूरी दुनिया की नजर भारत और खासकर उसके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर है। नरेंद्र मोदी की जीवन यात्रा गुजरात के एक छोटे से कस्बे बडनगर से शुरू हुई थी। उनका जन्म किसी संपन्न परिवार में नहीं हुआ था। गरीब व सामान्य परिवार में हुआ था। वे सड़क की कठोर सच्चाई से निकले परिपक्व इंसान हैं जिन्होंने अपने कर्म और आचरण से यह सिद्ध किया है कि संघर्ष केवल एक शब्द नहीं बल्कि जीवन की रूह है, आत्मा है। गरीबी उन्हें झुका नहीं पाई बल्कि उन्होंने उससे सीख लेकर स्वयं के जीवन को दूसरों के लिए कठोर परिश्रम और आत्म-सम्मान की पाठशाला बना दिया।

भारत आज दुनिया की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था है, जिसे अभी आईएमएफ ने भी माना है। 7.8 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर का श्रेय उनकी आर्थिक सोच को जाता है। जहां विपक्ष द्वारा हमेशा उनके खाने-पीने, कपड़ा पहनने तक की आलोचना करता रहा हो, लेकिन यह सोचने की कभी जहमत नहीं उठाई गई कि राजनीति का मार्ग उनके लिए भी किसी पतझड़ से कम नहीं था। जोखिम भरे हालत के पत्थरों पर सरकते कदम, आलोचनाओं के थपेड़ों ने उन्हें भी कम चिलित नहीं किया लेकिन हर ठोकर के साथ उनकी प्रतिबद्धता मोती की तरह चमकती नजर आई। उन्होंने लोक के बीच जाकर उनकी दर्द भरी दास्तान देखी है। आम आदमी की पीड़ा महसूस की और जनता की धड़कन को अपनी नीतियों की धुन बनाया। सफलता ने उसे चमक दी पर उनसे उनकी विनम्रता का आवरण नहीं छीना। जीवन में आलोचनाओं व पराजय के क्षणों ने उन्हें कठोर बनाया पर उन्होंने कभी भी अपना अनुशासन नहीं खोया। उनकी पहचान, उसकी सहजता और कर्तव्य परायणता में निहित है—सादगी, भाषा की सरलता, और निःस्वार्थ सेवा की विरासत जिसे देखकर आज पूरी दुनिया देखकर अचंभित है। मोदी जी के राष्ट्र सेवा के 25 वर्ष की निरंतरता के पीछे देश के सपनों की गूंज, विकास की सरगर्मी और मानवीय संवेदना हमेशा सुनाई पड़ती है। हर आलोचना व गिरावट जीवन के लिए सीख व हर सफलता नई चुनौतियों भरी विकास की वह रणनीति कि देश के लिए, चाहे जितना संघर्ष करना पड़े, उतना करते रहेंगे। आज उस महामानव का जन्म दिन विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए, एक सेवा पर्व है, व्रत है, साधना है, प्रेरणा है। जिसने समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ा, जनधन योजना, प्रधान मंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत अभियान जैसी ऐतिहासिक पहलों से लेकर 'आयुष्मान भारत' के तहत स्वास्थ्य सुरक्षा और 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' तथा 'उज्ज्वला योजना' मुद्रा, उड़ान, किसान सम्मान, बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ, के माध्यम से महिला सशक्तीकरण को अपने जीवन का ध्येय बनाकर सफल किया, आज उनके पराक्रम ऑपरेशन, सिंदूर, उदार दानदाता के रूप में कोरोना या किसी आपदा विपत्ति में दुनिया के देशों को पहली सहायता की खेप पहुंचाकर मानवीय सहायता आदि अनेक कार्य से भारत माता अपने को धन्य समझ रही है।

आज मोदी जैसा महान व्यक्तित्व उनके लिए भी एक मार्गदर्शक है जिनके मन में भारत का वह प्राचीन वैभव है और वर्तमान में भारत की वरेण्य विश्व प्रतिष्ठा है। यह उनके लिए भी है जो मन में भारत के लिए कुछ करने की भावना जगा रखे हैं, जिनके मन में विलख रही मानवता की पीड़ा को हरने का एक सपना है, जो भारत की शस्य श्यामला धरती को अपनी माता समझते हैं, वे सभी मोदी के विकसित भारत के सपनों के सहयात्री बन सकते हैं। आज के दिन विश्वकर्मा पूजा भी की गई। विश्व कर्मा भगवान ने इस सृष्टि की रचना की। इसलिए उनकी पूजा होती है, और इसी दिन हमारे देश के आधुनिक निर्माता विश्वकर्मा के साक्षात अंश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन भी केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि जन सेवा के प्रति अपने दायित्व को पुनः स्मरण करने का और लोगों को सेवा का संकल्प करने-कराने का भी दिन है।

(लेखक बीएचयू में प्रोफेसर हैं)

भौतिक आवश्यकताएं

आत्मिक प्रगति के क्षेत्र में एक ही सबसे बड़ी भूल होती है कि हम अपने आप को भूल जाते हैं और पराये को अपना समझने लगते हैं। ऐसी गलती कभी-कभी भूत-पलीतों के आवेश में होती है। जिस पर यह आवेश आता है वह अपने मुंह से कुछ कहता और कुछ से कुछ बताता है। ऐसी अटपटी बातें कहता है जो उस व्यक्ति के काम की तनिक भी नहीं होती। भूत के काम की भले ही हो, इसी प्रकार ज्वर की तीव्रता में जब मनुष्य बेचैन विकल हो जाता है तब भी ऐसी बातें कहता है जिसे बकवास ही कहा जा सकता है। क्रोध के आवेश में भी लोग ऐसी ही गाली गलौज देते हैं जिन्हें वज्रमूर्खता की संज्ञा दी जा सकती है। शराब पीकर उन्मादी व्यक्ति ऐसे ही वचन बोलता है और ऐसी ही कृत्य करता है। माया को भी एक प्रकार का उन्माद माना गया है। उसकी छाया जिस पर जितनी गहरी पड़ती, वह उतना ही असंगत अव्यवहारिक और अवास्तविक बन जाता है। सबसे बड़ी भूल यह होती है कि आत्मा को शरीर और शरीर का आत्मा मानने लगता है। फलस्वरूप सारा चिंतन और क्रियाकलाप गड़बड़ा जाता है। शरीर वाहन अथवा उपकरण है। आत्मा स्वामी, ईश्वर का पुत्र या प्रतिनिधि।

आत्मा को कुछ महत्वपूर्ण कार्य सौंपे गये हैं और विश्वास दिलाया गया है कि इन प्रयासों को यदि ठीक तरह किया जा सके तो इसके परिणाम स्वरूप अगले दिनों उच्च स्तरीय पदोन्नति होगी। इसके अतिरिक्त शरीर ऐसा दिया गया है जैसा कि किसी और प्राणी के पास नहीं है। यह अनुकम्पा इसलिए की गयी है कि जो कार्य उच्च श्रेणी को सौंपी गये हैं उन सभी को ठीक प्रकार किया जा सके। शरीर और मस्तिष्क तथा उपलब्ध सुविधा साधन यदि इस स्तर के न मिले होते तो शायद मनुष्य इतना कुछ कर नहीं पाता जितना कि करना चाहिए। अपना अंश आत्मा को देकर भगवान ने कम अनुग्रह नहीं किया है। भूल यह हो जाती है कि शरीर की वासना और मन की तृष्णा इतनी बलवती हो उठती है कि उन्हें पूरा करने के लिए पूरा समय, श्रम, मनोयोग, खप जाता है। लगता है हम शरीर ही हैं। जो शारीरिक स्वार्थ हैं वे ही हमारे स्वार्थ हैं। शरीर में भूख भौतिक आवश्यकता अन्न, वस्त्र और अच्छादन हैं। मन का प्रवाह जब ज्ञानेन्द्रियों की ओर बहने लगता है तो उनकी स्थिति भी यही होती है कि अनेक तरह के दृश्य स्वाद, स्पर्श मांगने लगती है। उनकी पूर्ति के लिए व्याकुलता होती है तो उसे वासना कहते हैं। शरीर की ही एक भाग मन की उमंगें लोभ, मोह और अहंकार के रूप में उफनती रहती हैं। यह सब मिलकर इतना जाल जंजाल खड़ा हो जाता है कि शरीर और मन की इच्छाएं पूरी करने में ही जीवन का समूचा सरतत्व खप जाता है।

अंतर्दृष्टि

झूठ बोलना मौलिक अधिकार

व्यंगलोक

पन्नालाल जी की बातें से मैं ठगा सा रह गया। झूठ रोजी-रोटी बन गयी है तो फिर इसे रोकने के लिए प्रयास करना वाकई पाप है। मैंने तत्काल पन्नालाल जी से माफी चाही- माफ करिये! मुझे पता नहीं था कि झूठ आपका जीवनाधार बन गया है। जहां तक मेरा सवाल है, झूठ तो मैं भी बोलता हूँ, परन्तु बहुत ही न्यून। जब आप हरिश्चन्द्र हैं या उसकी औलाद, तो न्यून भी क्यों बोलते हैं? हम अधिकतम बोलते हैं तो क्या हुआ? झूठ बोलने से कोई किसी को नहीं रोक सकता। झूठ बोलना भी मौलिक अधिकारों में शामिल है। पन्नालाल जी ने कहा। अब बताइये, झूठ पाप कहां हुआ? यह तो वाकई, बकौल पन्नालाल जी बड़ी तपस्या है, साधना है, जिसे मुश्किलों के बाद प्राप्त किया जाता है। एक बार तो इच्छा हुई कि अपने बच्चे को एक थप्पड़ मारकर कहूं कि उसे झूठ को पाप का फतवा देने को किसने कहा था? फिर यह सोचकर कि उसकी मां ने बताया होगा तो व्यर्थ में घर में अशान्ति हो जायेगी चुप रहा। फिर भी मन नहीं माना। मैंने पत्नी से कहा-अरे भागवान, जरा सुनो! अपने टिंकू को आजकल यह पहाड़ा किसने रटाया है? कौन सा पहाड़ा? वही, झूठ बोलना पाप होता है? आपने ही बताया होगा। मैं यह बेवकूफी करने वाली नहीं हूँ। पत्नी ने कहा। मैं घबराकर बोला- भगवान कसम, यह बात मैंने उससे कभी नहीं कही। उसका थोड़ा ध्यान रखो। वह सच बोलने लगा तो हमारा जीवन चौपट कर देगा। बाहर मैंने जानकारी की है। सब लोग झूठ बोल रहे हैं। मुझे नहीं चाहिए यह हरिश्चन्द्र की औलाद। घबराओ नहीं, औलाद हरिश्चन्द्र की नहीं, आपकी है। आप पचास प्रतिशत झूठ बोलते हैं, यह शत्-प्रतिशत झूठ बोलेगा। आज ही स्कूल से शिकायत आयी है कि वह पांच दिन से स्कूल नहीं जाकर अपने हम उम्र दोस्तों के साथ इधर-उधर घूमकर घर आ जाता है। मैंने उससे पूछा तो पता है, क्या कहा उसने? क्या कहा? मैंने पूछा। पापा भी तो ऑफिस का नाम करके अकेले-अकेले सिनमा देख आते हैं? मैं चुप रह गया। मेरी समझ में नहीं आ रहा कि क्या करूं? परन्तु मुझे यह तसल्ली जरूर हो गयी कि उसके हरिश्चन्द्र बनने का अब कोई अंदेशा नहीं है। पन्नालाल जी की बात अब भी याद आ रही है- झूठ बराबर तप नहीं, सांच बराबर पाप, जाके हृदय झूठ है, ताके हृदय आप सही है, झूठ बोलने वाले के हृदय में भगवान स्वयं निवास करते हैं। आज कल हर ऐरा-गैरा सत्य बोल रहा है तो आप-झूठ क्यों नहीं बोलें? जरूर बोलें।

पूरन सरमा

विचार

प्रभुता पाते ही लोगों की निगाहें बदल जाती हैं, किसी को पहचानते तक नहीं, जमीन पर पांच तक नहीं रखते।

-प्रेमचंद.

लक्ष्य को पूरा करने के लिए अपनी समस्त शक्तियों द्वारा परिश्रम करना ही पुरुषार्थ है।

-पतंजलि.

मृत्यु से नया जीवन मिलता है। जो व्यक्ति और राष्ट्र मरना नहीं जानते, वे जीना भी नहीं जानते।

-पं. नेहरू.

जो मनुष्य सचमुच में विद्वान हैं वे अपनी असफलताओं से कभी भी घबराते नहीं हैं।

-शेक्सपियर.

जब कोई प्रतिभाशाली हस्ती इस दुनिया में आती है तो उसे इस लक्षण से पहचाना जा सकता है कि सभी मूर्ख लोग उसके विरुद्ध खड़े होते हैं।

-स्विफ्ट.

आपकी बात

गरीबों का उत्थान

सरकारी योजनाएं गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसलिए सरकार को अधिक से अधिक गरीबों को कल्याणकारी योजनाओं से आच्छादित करना चाहिए। प्रदेश सरकार जन कल्याण के अनेक कार्यक्रम चला रही है, लेकिन जनता को उससे विशेष लाभ नहीं हो रहा है। प्रदेश सरकार अनेक योजनाएं चला रही है लेकिन प्रायः जिनको जरूरत है उनको योजना का लाभ नहीं मिलता है।

सरकार एक करोड़ से अधिक स्मार्ट फोन व टैबलेट बांट रही है लेकिन जहां कालेज छात्रों को सबको दिया जा रहा है वहीं गरीबों के बच्चे स्कूलों में इससे वंचित रहेंगे जबकि कोरोना काल में सबकी हालत खस्ता हो गयी है। इसलिए जिन लोगों की आय कम है उनके बच्चों को भी स्मार्टफोन या टेबलेट देना चाहिए। प्रधानमंत्री जनआरोग्य अभियान अर्थात आयुष्मान भारत योजना को लागू हुए कई साल हो गये हैं। लेकिन इसका लाभ अभी बहुत सीमित लोगों को ही मिला है। पीएम-जय से आच्छादित परिवार गंभीर बीमारियों में सरकारी या सूचीबद्ध निजी अस्पताल में पांच लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज करा सकेंगे। कैंसर सहित 1350 बीमारियों में चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने वाली आयुष्मान भारत योजना दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सुरक्षा योजना है। योजना में तमाम तैयारियों के बावजूद इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता।

सुनील कुमार वर्मा, लखनऊ.

सरकारी खरीद बढ़ायें

एमएसपी का दायरा बढ़ाकर सभी किसानों को उससे आच्छादित करना चाहिए। हालांकि केन्द्र सरकार ने खरीफ का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ा दिया है। यह जरूरी भी है कि क्योंकि किसानों को बहुत सी चुनौतियों के साथ आगे बढ़ना पड़ता है। भारत सरकार फिलहाल डॉ. स्वामीनाथन समिति के फॉर्मूले के अनुसार लागत पर पचास प्रतिशत मुनाफा जोड़कर एमएसपी तय करती है। लेकिन रबी और खरीफ सीजन से पूर्व न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने से पहले कृषि लागत और मूल्य आयोग कृषि इनपुट्स की लागत को लेकर जो गणना करता है, उसकी दरअसल वास्तविक लागत से कोई बहुत साम्यता नहीं है। एक तरह से कह सकते हैं कि कृषि लागत और मूल्य आयोग फसली सीजन से पहले सरकार को एक रिपोर्ट सौंपता है जिसमें फसलों की लागत का जिक्र होता है और इसी आधार पर सरकार पचास प्रतिशत मुनाफा जोड़कर एमएसपी तय कर देती है। एमएसपी सभी किसानों को मिलती है, ऐसा भी नहीं कहा जा सकता है। इसके लाभार्थी किसानों की संख्या बहुत सीमित है। हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों को इसका सबसे अधिक लाभ मिलता है और यही कारण है कि जब सरकार ने तीन नये कृषि कानूनों के जरिए कृषि विपणन व्यवस्था में आमूल चूल बदलाव के लिए ऐतिहासिक कदम उठाये, तो इसका सबसे अधिक विरोध पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी यूपी के किसानों ने किया। दरअसल इन किसानों को यह समझाकर भड़काया गया था कि इससे परम्परागत मंडियां खत्म हो जायेंगी और किसान पूरी तरह बाजार के हवाले हो जायेगा। वैसे अगर कृषि को लाभकारी व्यवसाय से जोड़ना है तो खेती को बाजार से जोड़ना ही होगा। जब कृषि और किसान सीधे बाजार से जुड़ेंगे, बाजार की जरूरतों के अनुसार खेती करेंगे, तो उनको अधिक से अधिक फायदा होगा। एक तरह से तीनों कृषि कानून खेती को न्यूनतम समर्थन मूल्य अर्थात एमएसपी से आगे बढ़ाते हुए अधिकतम खुदरा मूल्य अर्थात एमआरपी की तरफ ले जाने का ऐतिहासिक प्रयास था लेकिन 'नकारात्मक राजनीति और टू-मच डेमोक्रेसी' ने सरकार के प्रयास को सफल नहीं होने दिया। बहरहाल यह सब एक अलग मुद्दा है और जहां तक एमएसपी की बात है तो भले यह न्यूनतम समर्थन मूल्य हो लेकिन वास्तव में जब फसल तैयार होती है।

योगेश चन्द्र उपाध्याय, लखनऊ.

संक्षेप

नगर के 26 वार्डो में सीसी सड़क निर्माण की जांच की मांग उठाई

ललितपुर। नगर कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष हरिबाबू शर्मा ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर वार्ड नंबर 26 महावीरपुरा के मठाना में जैन नया मंदिर के पास कराए गए सीसी सड़क निर्माण की जांच कराने की मांग की है। शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है कि जैन नया मंदिर के पास पहले से सड़क अच्छी हालत में थी, इसके बावजूद वहां नई सीमेंट-कंक्रीट सड़क का निर्माण करा दिया गया। इससे सड़क की ऊंचाई बढ़ गई है, जिससे स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आरोप है कि स्थानीय लोगों द्वारा नई सड़क बनाए जाने का विरोध भी किया गया था, लेकिन यह कहकर उनकी आपत्ति को नजरअंदाज कर दिया गया कि सड़क का कार्य बोर्ड बैठक से स्वीकृत है। हरिबाबू शर्मा ने पत्र में संबंधित अवर अभियंता की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने जिलाधिकारी से पूरे प्रकरण की जांच कराकर यदि अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित दोषियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

अवैध पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

ललितपुर। अवैध शस्त्रों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना महरौनी पुलिस ने एक युवक को अवैध पिस्टल और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 32 बोर की एक अवैध पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। बरामदगी के आधार पर आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह एवं सीओ महरौनी अरविन्द कुमार पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण में थाना महरौनी पुलिस अवैध शस्त्रों के विरुद्ध अभियान चला रही थी। इसी क्रम में 17 सितंबर 2026 को चेकिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति ग्राम छिल्ला के पास मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया। पूछताछ एवं जामा तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध 32 बोर पिस्टल तथा तीन जिंदा 32 बोर कारतूस बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान म.प्र. के जिला शिवपुरी के थाना करैरा अंतर्गत ग्राम सड़ निवासी खेमराज उर्फ लल्ला पुत्र बालकिशन रावत के रूप में हुई है। कार्रवाई में चैकी प्रभारी खितवास उपनिरीक्षक गुलाम फरीद के साथ कांस्टेबल विकास कुमार, कांस्टेबल कुलदीप कुमार एवं कांस्टेबल पवन कुमार मिश्रा शामिल रहे।

कूटरचित दस्तावेजों से अपराधियों की जमानत कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़

ललितपुर। थाना कोतवाली पुलिस ने फर्जी संपत्ति दस्तावेज एवं कूटरचित प्रपत्रों के सहारे विभिन्न आपराधिक मामलों में आरोपियों की जमानत कराने वाले कथित गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। गिरोह से जुड़े लोग अपराधियों को जमानत दिलाने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार कराकर उनका इस्तेमाल करते थे और इसके बदले आर्थिक लाभ प्राप्त करते थे। मामले में दो कथित पेशेवर जमानतियों समेत अन्य लोगों के खिलाफ थाना कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस कार्रवाई में थाना कोतवाली की नई बस्ती चैकी के प्रभारी उपनिरीक्षक आलोक कुमार सिंह की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक कुलदीप राणा को सौंपी गई है। एफआईआर में नामजद प्रमुख आरोपियों में आजादपुरा निवासी प्रमोद पुत्र बल्देव प्रसाद, नेहरू नगर निवासी देवीप्रसाद पुत्र गनेश शामिल हैं। प्रमोद द्वारा विभिन्न थानों में दर्ज कई मुकदमों के आरोपियों की जमानत के दौरान कथित रूप से फर्जी दस्तावेज लगाए गए। इनमें मुकदमा अपराध संख्या 627/2026, 692/2026, 1234/2024 और 124/2025 समेत अन्य मामले बताए गए हैं। इसी प्रकार देवी प्रसाद पर भी विभिन्न आपराधिक मामलों में कूटरचित जमानत प्रपत्रों को तस्दीक कराने और आरोपियों को जमानत दिलाने में भूमिका निभाने का आरोप है। उसके संबंध में मुकदमा अपराध संख्या 28/2025, 310/2026 और 945/2023 समेत अन्य मामलों का उल्लेख किया गया है। पुलिस रिकॉर्ड में सामने आए विवरण के अनुसार, कथित तौर पर इन जमानतियों के माध्यम से जिन आरोपियों की जमानत कराए जाने का उल्लेख है।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर भाजपाइयों नेकिया रक्तदान

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर में 22 रक्तदाताओं को किया गया सम्मानित

ललितपुर। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन के अवसर पर आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकताओं, समाजसेवियों एवं युवाओं ने भाग लेते हुए रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, भाजपा जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत, मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चैहान, स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. मयंक कुमार शुक्ला एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गजेंद्र सिंह ने फीता काटकर किया।

शिविर की विशेष बात यह रही कि भाजपा जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत ने पहली बार रक्तदान करते हुए स्वयं रक्तदान कर लोगों को प्रेरणादायक संदेश दिया। उनके रक्तदान के बाद उपस्थित कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान कुल 22 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में भाजपा जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत, दीपक मिश्रा, विपिन निरंजन, दीपक चैरसिया, राहुल राजपूत, मौसम नायक, सत्यपाल, पवन साहू, अरविंद राजा गुड्डू, शिव कुमार चंदेल, हरिओम कुशवाहा, भागीरथ कुशवाहा, रविंद, संजय कुशवाहा, अनिल भटनागर, संतोष कुशवाहा, सोनू कुशवाहा पठा, मोनू कुशवाहा, अनुराग कुशवाहा, मिलन सोनी, इरफान मंसूरी एवं संतोष कुमार पांडिया शामिल रहे।

शिविर को संबोधित करते हुए सदर विधायक रामरतन कुशवाहा ने कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने का माध्यम है। दुर्घटना, गंभीर बीमारी, प्रसव, ऑपरेशन तथा अन्य चिकित्सकीय परिस्थितियों में रक्त की आवश्यकता पड़ सकती है। ऐसे समय में रक्तदाताओं द्वारा किया गया स्वैच्छिक रक्तदान अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होता है।

उन्होंने कहा कि स्वस्थ एवं पात्र लोगों को समय-समय पर स्वेच्छा से रक्तदान करने के लिए आगे आना चाहिए। रक्तदान के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने और युवाओं को इससे जोड़ने की आवश्यकता है। भाजपा जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत ने पहली बार रक्तदान करने के बाद कहा कि रक्तदान को लेकर समाज में जागरूकता फैलाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प नहीं है और जरूरत के समय रक्त की उपलब्धता किसी व्यक्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण हो सकती है। उन्होंने अधिक से अधिक स्वस्थ लोगों से रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान किया।

मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. मयंक कुमार शुक्ला ने कहा कि रक्तदान एक सुरक्षित एवं मानवीय पहल है। स्वैच्छिक रक्तदान से ब्लड बैंक में रक्त की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलती है और आवश्यकता पड़ने पर मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सकता है। 22 रक्तदाताओं द्वारा किए गए रक्तदान से जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता बढ़ाने में योगदान मिला और लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूक होने का संदेश भी दिया गया।

डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ ने लगाया रक्तदान शिविर

39 यूनिट रक्त किया गया संग्रहीत

ललितपुर। उत्तर प्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के आह्वान पर अभियंता दिवस एवं भारतरत्न स्व. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की पुण्यतिथि के अवसर पर 15 सितंबर को लोक निर्माण विभाग के एनैक्सी हॉल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक चले शिविर में विभिन्न विभागों के अभियंताओं, कर्मचारियों एवं मिनिस्टीरियल स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कुल 39 यूनिट रक्तदान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव देवप्रिय सारस्वत, अधीक्षण अभियंता सिंचाई ई.जितेन्द्र कन्नौजिया, अधिशाषी अभियंता पीडब्ल्युडी ई. विजयचन्द्र, सहायक अभियंता पीडब्ल्युडी ई. विनोद कुमार एवं ई. रोहित त्रिपाठी, सहायक अभियंता सिंचाई ई. सुदेश एवं ई. आदित्य गुप्ता तथा सहायक अभियंता जल निगम ई. आदित्य द्विवेदी ने दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया। शिविर में सिंचाई, पीडब्ल्युडी, विद्युत, नलकूप, जल निगम तथा अन्य संबंधित विभागों के कर्मचारियों ने सहभागिता की। रक्तदान करने वाले अभियंताओं एवं कर्मचारियों ने मानव जीवन बचाने के लिए स्वैच्छिक रक्तदान को महत्वपूर्ण सामाजिक दायित्व बताया। शिविर में ई.जितेन्द्र कन्नौजिया, ई.भूपेश कुमार सुहेरा, ई.आदित्य गुप्ता, ई.संदीप कुशवाहा, ई.मुराद खान, ई.पंकज सेन, ई.विपिन कुमार, ई.शिवम अग्रवाल, ई.अंकित चैधरी, ई.निकेत प्रजापति, ई.संदीप दांगी, ई.आकाश वर्मा, ई.आदित्य द्विवेदी, ई.धीरज कुमार, ई.योगेश कुमार, ई.रितेश बंसल, ई.जितेन्द्र कुमार पांडेय, ई.राजेन्द्र बाबू, ई.विजयेन्द्र प्रताप सिंह, प्रतिभा सिंह, ई.सुभाष यादव, ई.अमर कृष्णा विश्वकर्मा, ई.युधिष्ठिर सिंह परमार, शुभम वर्मा, मनोज कुमार, मुशीफ कुमार वर्मा, मखन कुमार, रीतेश पाठक, मनोज कुमार-4, तनुज जैन, उमेश पाल एवं छदन सिंह सहित अन्य ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। अध्यक्षता उ.प्र. डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ जिलाध्यक्ष ई.प्रदीप वर्मा ने की। रक्तदान करने वाले सभी अभियंताओं एवं कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया गया। आयोजकों ने कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए ऐसे सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाने चाहिए। तदोपरांत अन्नपूर्णा धर्मशाला में भोज कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें सहयोग करने वाले सभी स्वजनों, रक्तदाताओं एवं चिकित्सीय टीम का आभार जताया। महासंघ की ओर से वित्त सचिव ई.मुराद खान, सचिव ई.दीक्षा दुबे एवं कार्यक्रम संयोजक ई.विजयेन्द्र प्रताप सिंह ने आभार जताया।

चारपाई से उतरते समय गिरा दिव्यांग युवक, हुई मौत

जसवंतनगर, इटावा। थाना क्षेत्र के ग्राम पिपरेंदी में गुरुवार सुबह चारपाई से उतरते समय पैर उलझने से 18 वर्षीय दिव्यांग युवक मुंह के बल जमीन पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसवंतनगर लेकर पहुंचे, जहां केंद्र अधीक्षक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

पिपरेंदी निवासी मजदूर बलवीर सिंह का 18 वर्षीय पुत्र किंशू करीब 90 प्रतिशत दिव्यांग था। मृतक के चचेरे भाई दीपक ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब चार बजे किंशू सोकर उठा और अपनी मां मीना देवी को आवाज देकर शौचक्रिया के लिए जाने की बात कही। इसके बाद वह चारपाई से नीचे उतरने लगा। इसी दौरान उसका पैर चारपाई में उलझ गया और वह मुंह के बल जमीन पर गिर पड़ा।

निजी स्कूल के कोआर्डिनेटर व प्रधानाचार्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज

ललितपुर। थाना कोतवाली क्षेत्र सिद्दनपुरा स्थित एक निजी स्कूल में फीस विवाद को लेकर कक्षा नौ के 14 वर्षीय छात्र को परीक्षा में बैठने से रोककर कथित तौर पर अलग कमरे में बंद किए जाने का मामला सामने आया है। छात्र के पिता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने स्कूल के कॉर्डिनेटरएवं प्रधानाचार्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में विद्यालय प्रबंधक का भी शिकायत में उल्लेख किया गया है। मामले में बीएनएस की धारा 127(2) एवं 352 के तहत दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता स्टेशन रोड सिविल लाइन निवासी राजेश यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका 14 वर्षीय पुत्र अथर्व नगर के सिद्दनपुरा स्थित एक स्कूल में कक्षा नौ का छात्र है। छात्र के विद्यालय में प्रवेश के समय ही प्रबंधक, प्रधानाचार्य और कॉर्डिनेटर को उसके मेदांता अस्पताल, गुरुग्राम में चल रहे उपचार की जानकारी दी गई थी। बताया कि बीती 15 सितंबर 2026 को अथर्व परीक्षा देने विद्यालय पहुंचा था। आरोप है कि फीस बकाया होने के चलते कॉर्डिनेटर और प्रधानाचार्य ने उसे परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद छात्र पर फीस जमा कराने और परिजनों को विद्यालय बुलाने का दबाव बनाया गया तथा उसे कथित रूप से एक अलग कमरे में अकेला बंद कर दिया गया। उस समय वह शहर से बाहर थे। उन्होंने फोन पर कॉर्डिनेटर से संपर्क कर अगले दिन विद्यालय पहुंचकर फीस जमा करने की बात कही और बच्चे को परीक्षा में बैठने अथवा घर जाने देने का अनुरोध किया, लेकिन आरोप है कि उनकी बात नहीं मानी गई। आरोप लगाया गया है कि छात्र को काफी देर तक कमरे में रखा गया और फोन पर उसके पिता से अभद्रता भी की गई। बाद में छात्र की मां विद्यालय पहुंचीं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उनके साथ भी अभद्र व्यवहार किया गया। काफी आग्रह के बाद छात्र को विद्यालय से जाने दिया गया। परिजनों के मुताबिक घटना के बाद छात्र मानसिक रूप से परेशान और डरा हुआ है। उन्होंने पूरे मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। तहरीर में उपलब्ध व्हाट्सएप चैटिंग एवं वीडियो साक्ष्यों का भी उल्लेख किया गया है। पुलिस अब घटना से जुड़े तथ्यों, विद्यालय में छात्र के साथ हुई कथित कार्रवाई, संबंधित लोगों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच कर रही है।

बाबू जी अधिवक्ता होने के साथ पहलवान व कुशल नेता भी थे : रमनलाल द्विवेदी

सुन्दरलाल की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर बार सभागार में हुई श्रद्धांजलि सभा

बाराबंकी। जिला बार एसोसिएशन सभागार में स्वः सुन्दरलाल यादव की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा मे बार अध्यक्ष रमनलाल द्विवेदी ने उनके चित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित करते हुये कहा कि बाबू सुन्दर लाल अधिवक्ता होने के साथ-साथ पहलवान व कुशल नेता भी थे। वरिष्ठों को सम्मान व छोटों सें हमेशा प्यार करते थे। उनकी कर्तव्यनिष्ठा व सामाजिक योगदान जिला बार हमेशा याद रखेगी। श्रद्धांजलि सभा आयोजक स्वः सुन्दरलाल के पुत्रों अधिवक्ता दारा यादव, गामा यादव ने कहा कि उन्होने अपने पिता से बहुत कुछ सीखा है और उसी आदर्श व विरासत को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। सभा का संचालन हुमायु नईम खान ने किया। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलीप गुप्ता, बृजेश दीक्षित, सुरेंद्र प्रताप सिंह बब्बन, जगत बहादुर सिंह, महेन्द्र प्रताप सिंह, हिसाल बारी किदवाई, नरेश सिंह, राजा सरदार, शाहीन अख्तर, पुष्कर सिंह, सचिन प्रताप सिंह, रितेश मिश्रा, कौशल किशोर त्रिपाठी, श्रवण सिंह, देवेन्द्र यादव, मुस्तेहसन जिम्मी, संजीव बख्शी, दानिश सिद्दीकी, प्रणय बाजपेई, रुबी सिंह, अमन यादव, अरुण यादव भीमा, सुजीत शाह, संजय बाबा, अमित पण्ड़ित, जीतू सिंह, दीपेश श्रीवास्तव, आदि अधिवक्ताओं नें अपने-अपने विचार व्यक्त कर बाबूजी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

पुश्तैनी जमीन के फर्जी इकरारनामा का आरोप,विरोध पर लाइसेंसी रिवॉल्वर से फायरिंग

ललितपुर। थाना सौजना क्षेत्र के ग्राम सौजना में पुश्तैनी जमीन को लेकर फर्जी इकरारनामा तैयार कराने, कूटरचित दस्तावेजों के जरिए धोखाधड़ी करने तथा निर्माण सामग्री ले जाने का विरोध करने पर लाइसेंसी रिवॉल्वर से फायरिंग किए जाने का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता की ओर से न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र और न्यायालय के आदेश के बाद थाना सौजना पुलिस ने 12 नामजद आरोपियों के खिलाफ विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है। ग्राम सौजना निवासी ऊदल सिंह पुत्र हल्कू सिंह ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि ग्राम सौजना में उनकी पुश्तैनी जमीन आराजी संख्या 721/1, रकबा 0.9 डिसमिल स्थित है। शिकायतकर्ता के अनुसार करीब पांच वर्ष पूर्व उन्होंने पुराने मकान को गिराकर नया मकान बनाना शुरू किया था, लेकिन निर्माण कार्य अर्धनिर्मित स्थिति में छोड़ दिया गया था। आरोप है कि 21 मई 2026 को गेंदाबाई और उनके पुत्रों ने अन्य लोगों के साथ मिलकर कथित रूप से कूटरचित दस्तावेज तैयार कराए और उक्त मकान का इकरारनामा अनुरुद्ध प्रताप सिंह के पक्ष में करा दिया। शिकायत में यशपाल सिंह, वीरेन्द्र सिंह और खुमान सिंह पर गवाह के रूप में सहयोग करने का भी आरोप लगाया गया है। बीती 12 जून 2026 की सुबह करीब 10 बजे वह अपने अर्धनिर्मित मकान पर मौजूद था। उसके साथ उसका पुत्र दीपु राजा पत्नी पार्वती और कुछ ग्रामीण भी मौजूद थे। इसी दौरान अनुरुद्ध प्रताप सिंह अपने भाई यशपाल सिंह के साथ ट्रैक्टर लेकर वहां पहुंचा और मकान में रखी बजरी, गिट्टी तथा सरिया ले जाने लगा। आरोप है कि जब ऊदल सिंह और उसके साथ मौजूद लोगों ने इसका विरोध किया तो अनुरुद्ध प्रताप सिंह ने उसे धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया। इसके बाद यशपाल सिंह ने कथित रूप से अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। शिकायत के मुताबिक ऊदल सिंह अचानक हट गया, जिससे गोली उसे न लगकर बगल की जमीन में जा लगी।

राजस्व वादों का गुण-दोष के आधार पर प्राथमिकता से करें निस्तारण : डीएम

बाराबंकी। डीआरडीए स्थित गांधी सभागार में जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने कर एवं करेत्तर राजस्व प्राप्तियों, सीएम डैशबोर्ड के राजस्व संबंधी बिंदुओं, राजस्व वाद निस्तारण, भूमि विवादों तथा विभिन्न विभागों की प्रवर्तन कार्यवाहियो की समीक्षा की। राजस्व वादों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी राजस्व वादों का गुण-दोष के आधार पर प्राथमिकता से निस्तारण सुनिश्चित करने, लंबित राजस्व वादों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए तथा प्रत्येक प्रकरण में संबंधित तथ्यों एवं अभिलेखों का समुचित परीक्षण करते हुए गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निर्णय, धारा-34, धारा-38(2), अंश सुधार तथा अन्य लंबित राजस्व वादों में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। सीएम डैशबोर्ड के अंतर्गत वरासत, नामांतरण, खतौनी संशोधन एवं अन्य प्रमुख संकेतकों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा। कर एवं करेत्तर राजस्व वसूली की समीक्षा कर जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को लक्ष्य के अनुरूप राजस्व प्राप्तियों में तेजी लाने के निर्देश दिए। खाद्य सुरक्षा विभाग की समीक्षा कर खाद्य प्रतिष्ठानों एवं अन्य संबंधित स्थलों की नियमित जांच सुनिश्चित करने, परिषदीय विद्यालयों एवं आवासीय सरकारी विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की नियमित जांच कराने तथा विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने को कहा। तथा ऑनलाइन होम डिलीवरी सर्विस से जुड़ी एजेंसियों के भंडार गृहों की भी नियमित अंतराल पर जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सपाइयों ने भगवान विश्वकर्मा की विधि विधान से पूजा- अर्चना कर की गोष्ठी

बाराबंकी। संपूर्ण सृष्टि पर जीवन के संचालन के लिए जो भी चीजें सृजनात्मक हैं। वह सब भगवान विश्वकर्मा की देन है इसीलिए भगवान विश्वकर्मा को सृजन का देवता माना गया है। उक्त विचार पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप ने विधानसभा दरियाबाद के भिटरिया चैराहे पर आयोजित विश्वकर्मा पूजा समारोह एवं हवन पूजन में देव शिल्पी विश्वकर्मा भगवान का विधि विधान से पूजन अर्चन करने के उपरान्त क्षेत्रवासियो के बीच कही। तो वही छाया चैराहा स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद की अध्यक्षता में भगवान विश्वकर्मा जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का शुभारम्भ जिलाध्यक्ष श्री अहमद एवं रिंकू विश्वकर्मा ने भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर हुमायूं नईम खान, जिला प्रवक्ता वीरेंद्र प्रधान, जिला कोषाध्यक्ष प्रीतम सिंह वर्मा, प्रदुमन यादव, बाबुल मिश्रा बिन्नू जायसवाल अनिल सिंह, वेद प्रकाश तिवारी, रमापति यादव, कार्यालय सचिव राजकुमार वर्मा आदि मौजूद रहे।

नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर भाजपा नेता राकेश कर्रा ने मरीजों में किये फल वितरण

बाराबंकी। सेवा एवं जनकल्याण की भावना के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश वर्मा कर्रा ने जिला अस्पताल मे भर्ती मरीजो एंव उनके तीमारदारो को फल वितरण किये। तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस मौके पर भाजपा नेता श्री कर्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री का जीवन राष्ट्रसेवा, जनसेवा और समर्पण के लिए प्रेरणादायी है। उनके जन्मदिवस को सेवा कार्यों के माध्यम से मनाना समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का एक सार्थक प्रयास है। देश विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उनके जन्मदिवस पर हम सभी उनके दीघार्यु, उत्तम स्वास्थ्य एवं निरंतर राष्ट्रसेवा के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। इस अवसर पर सीएमएस प्रदीप कुमार, डाक्टर, समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

मंदिर के फूलों से बनेगी जैविक खाद,तुवन सरकार मंदिर में कंपोस्टिंग यूनिट शुरू

ललितपुर। मंदिरों में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित किए जाने वाले फूलों एवं अन्य जैविक अवशेषों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में नगर पालिका परिषद और आईटीसी मिशन सुनहरा कल के संयुक्त तत्वावधान में सराहनीय पहल की गई है। तुवन सरकार मंदिर परिसर में फूलों से जैविक खाद तैयार करने वाली कंपोस्टिंग यूनिट का नपाध्यक्ष सोनाली जैन ने फीता काटकर यूनिट का उद्घाटन किया। इस पहल के तहत मंदिर परिसर में प्रतिदिन निकलने वाले फूलों एवं अन्य जैविक अवशेषों को कचरे के रूप में फेंकने के बजाय वैज्ञानिक एवं पर्यावरण-अनुकूल तरीके से उपयोग में लाया जाएगा। कंपोस्टिंग यूनिट में मंदिर में चढ़ाए गए फूलों को प्रसंस्कृत कर उपयोगी जैविक खाद में परिवर्तित किया जाएगा। तैयार खाद का उपयोग मंदिर परिसर में लगे पौधों, हरियाली के संरक्षण और संवर्धन के लिए किया जाएगा। नपाध्यक्ष सोनाली जैन ने कहा कि मंदिरों से निकलने वाले फूलों का उचित प्रबंधन स्वच्छता के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। कचरे को संसाधन में बदलने की यह पहल नगर को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण के अनुकूल बनाने में उपयोगी साबित होगी। उन्होंने कहा कि कंपोस्टिंग यूनिट शुरू होने से मंदिर परिसर में फूलों के अपशिष्ट का व्यवस्थित निस्तारण सुनिश्चित होगा। साथ ही इससे तैयार होने वाली जैविक खाद का उपयोग परिसर की हरियाली को बढ़ाने में किया जा सकेगा। कंपोस्टिंग यूनिट के माध्यम से मंदिर में अर्पित फूलों को उपयोगी संसाधन में परिवर्तित करने की व्यवस्था की गई है। इससे फूलों के अपशिष्ट को इधर-उधर फेंकने अथवा सामान्य कचरे में मिलाने की आवश्यकता नहीं होगी। पहल के जरिए कचरे से संसाधन की अवधारणा को बढ़ावा देते हुए स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास का संदेश दिया गया। इस दौरान नपाध्यक्ष सोनाली जैन, एसएफआई जगदीश तिवारी, आईटीसी मिशन सुनहरा कल के शुभम मिश्रा एवं अनूप त्रिवेदी सहित अन्य गणमान्यजन मौजूद रहे। बताया कि धार्मिक स्थलों से निकलने वाले जैविक अपशिष्ट के उचित प्रबंधन की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण है। मंदिर परिसर में कंपोस्टिंग यूनिट के संचालन से जहां स्वच्छता व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा, वहीं तैयार जैविक खाद का स्थानीय स्तर पर उपयोग कर हरियाली को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

स्थानीय एवं क्षेत्रीय स्वास्थ्य समस्याओं पर गुणवत्तापूर्ण शोध को बढ़ावा देने शोध समिति की बैठक आयोजित

ललितपुर। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, ललितपुर में प्रधानाचार्य डॉ. (प्रो.) मयंक कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में वैज्ञानिक शोध समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों एवं शोधकताओं द्वारा प्रस्तुत शोध परियोजनाओं की वैज्ञानिक समीक्षा की गई। बैठक में विभिन्न चिकित्सा विषयों से संबंधित सात शोध प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा एवं समीक्षा की गई। समिति द्वारा प्रत्येक शोध प्रस्ताव के वैज्ञानिक औचित्य, शोध प्रश्न एवं उद्देश्य, साहित्य समीक्षा, अध्ययन की रूपरेखा एवं कार्यप्रणाली, सैंपल साइज, सैंपलिंग तकनीक, समावेशन एवं बहिष्करण मानदंड, डाटा संग्रहण, सांख्यिकीय विश्लेषण, व्यवहार्यता तथा अपेक्षित परिणामों का परीक्षण किया गया। सामुदायिक चिकित्सा विभाग से प्रधान अन्वेषक डॉ. रवि पचोरी, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, सह-अन्वेषक डॉ. सुरवीर सिंह गुर्जर, डॉ. दिव्या स्वामी एवं एमबीबीएस 2024 बैच के छात्र सात्विक सोनम, अस्थि एवं जोड़ शल्य चिकित्सा विभाग से डॉ. महेश कुमार नवैदिया, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. सौरभ साहू एवं डॉ. मनोज कुमार, फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अंजली अग्रवाल एवं डॉ. मनोज्ञ चेगुड़ी, दंत चिकित्सा विभाग से डॉ. प्रियंका गबरले, एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, डॉ. ऋतिक कौशल जैन, प्रधान अन्वेषक डॉ. देवेन्द्र सुमन, फार्माकॉलोजी विभाग से डॉ. राजिनी रतमेले, असिस्टेंट प्रोफेसर, माइक्रोबायोलॉजी विभाग डॉ. देशनिधि सिंह, डॉ. हर्षा, जनरल सर्जरी विभाग डॉ. अभिषेक गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर एवं डॉ. विशाल जैन, असिस्टेंट प्रोफेसर एवं जनरल मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डा0 राजेश कुमार आर्या ने शोध प्रस्ताव प्रस्तुत किये।

सेंसेक्स में 22 अंकों की गिरावट

मुंबई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर बढ़ाने और मौद्रिक नीति में आगे भी सख्ती के संकेत दिए जाने के बाद निवेशकों के सतर्कता बरतने से बृहस्पतिवार को घरेलू शेयर बाजार लगभग स्थिर बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयर पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 21.86 अंक यानी 0.03 प्रतिशत फिसलकर 74,314.59 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 341.11 अंक यानी 0.45 प्रतिशत बढ़कर 74,677.56 पर पहुंच गया था। लेकिन बाद में अपनी बढ़त गंवा बैठा। हालांकि, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयर वाला मानक सूचकांक निफ्टी 53 अंक यानी 0.23 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 23,270.60 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से एचडीएफसी बैंक, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, भारती एयरटेल और एक्सिस बैंक के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट रही। दूसरी तरफ, टाटा स्टील, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो), इटर्नल, मारुति और एशियन पेंट्स के शेयर बढ़त में रहे। भारतीय शेयर बाजार सीमित दायरे में कारोबार के बाद मिले-जुले रुख के साथ बंद हुआ। चुनिंदा शेयरों में लिवाली से निफ्टी को समर्थन मिला, लेकिन निजी क्षेत्र के बैंकों और आईटी कंपनियों के शेयर में कमजोर रुख ने व्यापक सुधार को सीमित कर दिया। छोटी कंपनियों से संबंधित बीएसई स्मॉलकैप सिलेक्ट सूचकांक 0.95 प्रतिशत और मझोली कंपनियों मिडकैप सिलेक्ट सूचकांक 0.72 प्रतिशत चढ़ा। बीएसई के क्षेत्रवार सूचकांकों में बीमा क्षेत्र में सबसे अधिक 3.23 प्रतिशत की तेजी रही। दूसरी ओर शीर्ष 10 बैंक का सूचकांक 0.72 प्रतिशत टूटा। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा नीतिगत ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने तथा इस साल एक और बढ़ोतरी के संकेत दिए जाने के बाद बाजार की धारणा सतर्क बनी रही। वैश्विक बाजारों से मिले संकेत अनिश्चितता का एक प्रमुख कारण बने रहे। फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी और आगे भी दरें बढ़ाने के संकेत से डॉलर एवं बॉन्ड प्रतिफल ऊंचे बने रहे। ब्रेंट कच्चा तेल 104 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बना रहा, हालांकि आपूर्ति की स्थिति में सुधार की उम्मीद के बीच इसमें हाल के उच्च स्तर से नरमी आई।

उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली का दबाव बना हुआ है, जबकि आईपीओ गतिविधियों के जारी रहने से भी बाजार में नकदी की स्थिति पर असर पड़ा।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया तीन पैसे टूटकर 95.94 पर

मुंबई। अंतरबैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में रुपया बृहस्पतिवार को डॉलर के मुकाबले तीन पैसे की गिरावट के साथ 95.94 (अस्थायी) पर बंद हुआ। रुपया कारोबार के दौरान एक समय 96 के स्तर से नीचे चला गया था। हालांकि रिजर्व बैंक के संभावित हस्तक्षेप से शुरुआती नुकसान की काफी भरपाई हुई।

डॉलर सूचकांक और कच्चे तेल की कीमतों में मामूली गिरावट के बीच रुपया लगभग स्थिर रहा। इससे वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद निवेशकों का भरोसा बना रहा। विदेशीमुद्रा विश्लेषकों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी और अनिश्चित वैश्विक रुख के कारण स्थानीय मुद्रा दबाव में रही। अमेरिकी संसद प्रतिनिधि सभा ने उस कानून को मंजूरी दे दी जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस से तेल आयात

करने वाले भारत और अन्य देशों पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने का अधिकार देता है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के बीच अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा तीन साल में पहली बार ब्याज दर बढ़ाने से भी घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ा। अंतरबैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में, रुपया 95.88 पर खुला और 96.10 के निचले स्तर पर पहुंच गया, जो 24 जुलाई के बाद पहली बार 96 के स्तर से नीचे गया। कारोबार के दौरान मुद्रा में सुधार हुआ और यह 95.78 के उच्च स्तर पर पहुंची। अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.94 पर बंद हुई, जो पिछले बंद स्तर से तीन पैसे कम है। बृहस्पतिवार को भारतीय रुपये में काफी उतार-चढ़ाव रहा। हालांकि, शुरुआती नुकसान थोड़े समय के लिए ही रहे क्योंकि केन्द्रीय बैंक ने डॉलर को बचाने के लिए दखल दिया, जिससे स्थानीय मुद्रा को मामूली बढ़त हासिल करने में मदद मिली। स्थानीय मुद्रा अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 3 पैसे गिरकर 95.91 पर बंद हुई। इससे लगातार सातवें सत्र में इसकी गिरावट का सिलसिला जारी रहा। पिछले छह सत्रों में, 4 सितंबर को डॉलर के मुकाबले 94.43 के बंद स्तर के बाद से रुपया 148 पैसे यानी 1.4 प्रतिशत से ज्यादा गिर चुका है।

संक्षेप

ओरिएंट इलेक्ट्रिक ने किया स्विच गियर पोर्टफोलियो का विस्तार

नई दिल्ली। ओरिएंट इलेक्ट्रिक लिमिटेड ने निक्सा शील्ड 6 केए एमसीबी रेंज लॉन्च करते हुए अपने स्विचगियर पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। आवासीय और हल्के व्यावसायिक अनुप्रयोगों के लिए डिजाइन की गई, यह नई रेंज परफॉरमेंस, सेफ्टी और एप्लीकेशन सूटेबिलिटी के सही संतुलन के साथ विश्वसनीय सर्किट सुरक्षा की बढ़ती मांग को पूरा करती है।ओरिएंट इलेक्ट्रिक के मैनेजिंग डायरेक्टर रविंद्र सिंह ने कहा कि निक्सा शील्ड 6 केए एमसीबी को साइट की स्थितियों की परवाह किए बिना, अधिक फ्लेक्सिबिलिटी प्रदान करते हुए इंस्टॉलेशन को सरल बनाने के लिए डिजाइन किया गया है।इस रेंज में 35 वर्ग मिमी के डुअल-फंक्शन टर्मिनल हैं जो दोनों तरफ से बसबार और केबल कनेक्शन दोनों का समर्थन करते हैं, साथ ही इसमें 13-प्लेट आर्क शूट डिजाइन है।

अमेजन ने लॉन्च किया ऑल-न्यू एलेक्साप्लस

नई दिल्ली। आज अमेजन इंडिया ने भारत में ऑल-न्यू एलेक्साप्लस का लॉन्च किया। एलेक्साप्लस अमेजन की जनरेटिव, एआई पॉवर्ड पर्सनल असिस्टेंट है, जो बातचीत करता है, ज्यादा स्मार्ट और पर्सनालाइज्ड है, पूरी तरह से भारतीय है और उससे वास्तविक दुनिया में करवाया जा सकता है। भारत में एलेक्साप्लस अनेकों सेवाओं और डिवाइसेज के साथ काम कर सकता है, जिनका उपयोग ग्राहक अपने दैनिक जीवन में करते हैं। एलेक्साप्लस से स्मार्ट होम कंट्रोल, शॉपिंग, खाने की योजना बनाने, रेस्टोरैंट रिजर्वेशन और ट्रैवल प्लानिंग, म्यूजिक और एंटरटेनमेंट खोजने जैसे अनेकों व्यावहारिक काम इंग्लिश, हिंदी एवं हिंग्लिश में बात करके करवाए जा सकते हैं।

अनूठी पहल ओजोन शील्ड शुरू

नई दिल्ली। डॉक्टरों के साथ बढ़ती हिंसा, धमकी, उत्पीड़न और बेबुनियाद कानूनी मामलों को देखते हुए ओजोन फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड ने ओजोन शील्ड की शुरूआत की है। कंपनी के मुताबिक, यह किसी भारतीय फार्मास्यूटिकल कंपनी की ओर से डॉक्टरों की सुरक्षा और कल्याण के लिए शुरू की गई अपनी तरह की पहली पहल है। नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में इस पहल की शुरूआत डॉ. किरण बेदी, पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल ने मुख्य अतिथि के रूप में की। फार्मा उद्योग और डॉक्टर समाज की सेवा के लिए एक साथ काम करते हैं। जब डॉक्टर हिंसा या अनावश्यक कानूनी परेशानियों का सामना करते हैं, तो उनके साथ खड़ा होना हमारी जिम्मेदारी है। ओजोन शील्ड का एकमात्र उद्देश्य प्रोटेक्टिंग द प्रोटेक्टर्स है।

डॉ. बनर्जी को नवीन रोटेटर कफ रिपेयर उपकरण के लिए भारतीय पेटेंट मिला

बेंगलुरु। सकरा वर्ल्ड हॉस्पिटल, बेंगलुरु के एडिशनल डायरेक्टर झ ऑर्थोपेडिक्स, डॉ. बनर्जी बी.एच. को उनके आविष्कार ऐप'रेटस फॉर ट्रांस-ऑसियस रोटेटर कफ रिपेयर के लिए भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय द्वारा भारतीय पेटेंट प्रदान किया गया है ।पेटेंट प्राप्त यह उपकरण पारंपरिक स्यूचर एंकर की बजाय हड्डी में बनाए गए टनल के माध्यम से रोटेटर कफ रिपेयर करने में सहायता के लिए डिजाइन किया गया है ।यह तकनीक विशेष रूप से ऐसे मरीजों के लिए उपयोगी हो सकती है जिनकी हड्डियों की गुणवत्ता कमजोर है, जिसमें बुजुर्ग मरीज और ऑस्टियोपोरोसिस से प्रभावित मरीज शामिल हैं, क्योंकि ऐसे मामलों में पारंपरिक एंकर पर्याप्त मजबूती से पकड़ नहीं बना पाते।

अवीवा लाइफ का रिटर्न ऑफ प्रीमियम प्रपोजिशन वाले टर्म इंश्योरेंस प्लान लॉन्च

नई दिल्ली। ग्राहकों को अधिक स्वस्थ, सुरक्षित और संतोषपूर्ण जीवन जीने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध जीवन बीमा कंपनी अवीवा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड ने रिटर्न ऑफ प्रीमियम प्रपोजिशन वाले टर्म इंश्योरेंस प्लान को लॉन्च करने की घोषणा की है। अवीवा स्मार्ट रिटर्न ऑफ प्रीमियम टर्म प्लान नाम से लॉन्च किए गए इस नए प्रोडक्ट के तहत ग्राहकों को मैच्योरिटी तक जीवित रहने पर चुकाए गए कुल प्रीमियम का 105 प्रतिशत वापस मिलेगा। आज के समय में ग्राहक ऐसे इंश्योरेंस (प्रोटेक्शन) सॉल्यूशंस की तलाश में रहते हैं, जो पॉलिसी टर्म के दौरान मिलने वाले बेनिफिट्स के मामले में स्पष्टता के साथ-साथ फाइनेंशियलसिक्योरिटी भी दें। हमारे टर्म इंश्योरेंस विद रिटर्न ऑफ प्रीमियम प्रपोजिशन के साथ हम लाइफ प्रोटेक्शन और प्रीमियम रिटर्न के फायदे को एक साथ ला रहे हैं।

अगस्त में देश का निर्यात 26 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। देश का वस्तु निर्यात अगस्त में सालाना आधार पर 26.12 प्रतिशत बढ़कर 43.81 अरब डॉलर हो गया। इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग और पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में मजबूत वृद्धि के बीच सोने के आयात में गिरावट से व्यापार घाटा घटकर पांच महीने के निचले स्तर 26.86 अरब डॉलर पर आ गया।

वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त में देश का आयात 14.1 प्रतिशत बढ़कर 70.76 अरब डॉलर रहा। इस दौरान कच्चे तेल, परियोजना वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक सामान, चांदी तथा कोयला और कोक के आयात में वृद्धि हुई। अगस्त में सोने का आयात 57.75 प्रतिशत घटकर 2.3 अरब डॉलर रह गया। वहीं, कच्चे तेल का आयात 37.28 प्रतिशत बढ़कर करीब 16 अरब डॉलर रहा। पिछले महीने ब्रेंट क्रूड की कीमत 90 से 94 डॉलर प्रति बैरल के बीच रही। अगस्त में निर्यात वृद्धि जून, 2022 के बाद सबसे अधिक रही। जून, 2022 में निर्यात 30.12 प्रतिशत बढ़ा था। अगस्त में इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग और पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में क्रमशः 90 प्रतिशत, 25 प्रतिशत और 63.27 प्रतिशत की वृद्धि हुई। पिछले महीने व्यापार घाटा गिरकर 26.86 अरब डॉलर पर आ गया। इससे पहले व्यापार घाटे का सबसे निचला स्तर मार्च में 20.67 अरब डॉलर रहा था। यह अगस्त, 2025 में 27.22 अरब डॉलर और जुलाई, 2026 में 31.98 अरब डॉलर रहा था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अगस्त के निर्यात आंकड़ों को मजबूत बताया। उन्होंने कहा कि ये आंकड़े विनिर्माण क्षेत्र की बढ़ती क्षमता और प्रतिस्पर्धात्मकता को दर्शाते हैं। व्यापार आंकड़ों पर संवाददाताओं से कहा कि निर्यात वृद्धि की अच्छी गति जारी है और इसमें और तेजी आ रही है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में आयात में वृद्धि मजबूत घरेलू आर्थिक विस्तार, बढ़ती ऊर्जा जरूरतों और विनिर्माण क्षेत्र की तेज वृद्धि के लिए जरूरी महत्वपूर्ण कच्चे माल के कारण हुई है। उन्होंने कहा कि व्यापार घाटा बढ़ाने वाले प्रमुख कारकों में पेट्रोलियम, कच्चा तेल, कोयला, कोक एवं ब्रिकेट और इलेक्ट्रॉनिक सामान शामिल हैं।

लैम रिसर्च ने भारत में विस्तार का ऐलान किया

बेंगलुरु। सेमीकॉन इंडिया 2026 की तैयारी में, सेमीकंडक्टर बनाने वाली मशीनों और सेवाओं की दुनिया की प्रमुख कंपनी, लैम रिसर्च कॉर्प ने घोषणा की कि वह भारत में लगभग 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। इस राशि का उपयोग देश में अपनी पहली सिलिकॉन कंपोनेंट बनाने वाली फैक्ट्री लगाने और अपने एडवांस रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) काम को और बढ़ाने के लिए किया जाएगा। यह योजनाबद्ध निवेश भारत में सेमीकंडक्टर सेक्टर के महत्वपूर्ण हिस्सों में लंबे समय के लिए निवेश करने की लैम की सोच को दर्शाता है। लैम पिछले 25 से भी ज्यादा सालों से भारतीय सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आगे रही है।

टाटा संस ने चंद्रशेखरन को तीसरी बार चेयरमैन बनाने को मंजूरी दी

मुंबई। टाटा संस के निदेशक मंडल ने बृहस्पतिवार को एन चंद्रशेखरन को कार्यकारी चेयरमैन के रूप में पांच साल के एक और कार्यकाल के लिए पुनर्नियुक्त करने को मंजूरी दी और कंपनी को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की दिशा में कदम उठाने का फैसला किया।

हालांकि, टाटा संस में निर्णायक हिस्सेदारी रखने वाले टाटा ट्रस्ट ने चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति के प्रस्ताव पर आपत्ति जताते हुए इसे अवैध बताया। टाटा समूह के मुख्यालय बॉम्बे हाउस में निदेशक मंडल की करीब तीन घंटे चली बैठक में ये फैसले लिए गए। यह बैठक चंद्रशेखरन के अगस्त में

निदेशक मंडल को यह बताने के कुछ सप्ताह बाद हुई कि 20 फरवरी, 2027 को मौजूदा कार्यकाल समाप्त होने के बाद वह पुनर्नियुक्ति नहीं चाहते। टाटा संस ने एक बयान में कहा, निदेशक मंडल की 17 सितंबर, 2026 को हुई बैठक में चंद्रशेखरन ने बोर्ड के अनुरोध पर अपने फैसले पर पुनर्विचार करने पर सहमति जताई। इसके बाद बोर्ड ने मौजूदा कार्यकाल समाप्त होने के बाद पांच साल के एक और कार्यकाल के लिए उन्हें कार्यकारी चेयरमैन के रूप में पुनर्नियुक्त करने का बहुमत से फैसला किया। इसके साथ ही, निदेशक मंडल ने टाटा संस की सूचीबद्धता संबंधी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दिशानिर्देशों का अनुपालन करने की दिशा में कदम उठाने का फैसला किया। कंपनी ने कहा कि वह अनुपालन संबंधी शर्तों पर आरबीआई, टाटा ट्रस्ट और अन्य हितधारकों से मार्गदर्शन लेगी।

टाटा मोटर्स ने की अक्टूबर 2026 से कमर्शियल वाहनों की कीमतें बढ़ाने की घोषणा

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी वाणिज्यिक वाहन निमार्ता कंपनी टाटा मोटर्स ने अपने वाणिज्यिक वाहनों (कॉमर्शियल व्हीकल्स) की कीमतें बढ़ाने का फैसला किया है। कंपनी 1 अक्टूबर 2026 से कीमतों में 1% तक बढ़ोतरी करेगी। यह बढ़ोतरी कच्चे माल और अन्य लागतों में बढ़ोतरी के असर को कम करने के लिए की जा रही है। कीमतों में बदलाव वाहन के मॉडल और वेरिएंट के अनुसार अलग-अलग होगा।

सैमसंग इंडिया का 'गैलेक्सी फॉरएवर' प्रोग्राम की शुरुआत की

नई दिल्ली। सैमसंग इंडिया ने 'गैलेक्सी फॉरएवर' प्रोग्राम के तहत अपने सबसे नए फ्लैगशिप फोल्डेबल स्मार्टफोन्स - गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अल्ट्रा और गैलेक्सी जेड फोल्ड8 के लिए एक नया आसान पेमेंट प्लान पेश किया है। यह प्लान सैमसंग के फोल्डेबल को खरीदना पहले से कहीं ज्यादा आसान और किफायती बनाता है इस 2 साल के प्रोग्राम के तहत, ग्राहक गैलेक्सी फॉरएवर प्रोग्राम फीस के साथ फोन की कुल कीमत का सिर्फ 60 प्रतिशत 24 महीनों की किस्तों में चुकाकर फोन ले सकते हैं। इससे हर महीने की किस्त में 25% की कमी आती है, जिससे भुगतान करना काफी आसान हो जाता है।

पेप्सिको ने जारी किया अपना 2025 ईएसजी परफॉर्मेंस अपडेट

नई दिल्ली। पेप्सिको ने अपना 2025 ईएसजी परफॉर्मेंस अपडेट जारी किया है, जो उसकी 'पेप्सिको पॉजिटिव' (पीईपी+) महत्वाकांक्षा के खिलाफ मापने योग्य प्रगति को रेखांकित करता है। पेप्सिको ने 60 से अधिक देशों में 47 लाख एकड़ जमीन पर रीजनरेटिव, रीस्टोरेटिव और सुरक्षात्मक कृषि पद्धतियों का विस्तार किया है, अत्यधिक जल-जोखिम वाले क्षेत्रों में कंपनी के स्वामित्व वाली सुविधाओं पर 100प्रतिशत वाटर रिप्लेनिश्मेंट हासिल किया है, और प्राथमिक पैकेजिंग में वर्जिन प्लास्टिक के उपयोग को 6 प्रतिशत तक कम किया है। भारत में भी, पेप्सिको इन प्राथमिकताओं पर लगातार मजबूत प्रगति कर रहा है हम उस गति से बेहद उत्साहित हैं जिसे हम लगातार बना रहे हैं, क्योंकि 'पीईपी+' हमारे पूरे व्यवसाय को सिरे से बदल रहा है। हम महत्वपूर्ण प्रगति कर रहे हैं–रीजनरेटिव, रीस्टोरेटिव और सुरक्षात्मक पद्धतियों को 47 लाख एकड़ तक बढ़ाने से लेकर, अपने संचालन से होने वाले उत्सर्जन को कम करने, और अधिक विकल्प देने के लिए अपने उत्पाद पोर्टफोलियो को विकसित करने तक और हम इसे ऐसे तरीकों से कर रहे हैं।

सेमीकॉन 2.0 के तहत चिप डिजाइन पर जोर, 200 स्टार्टअप व कंपनियों को बढ़ावा देगी सरकार: वैष्णव

नयी दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार देश के सेमीकंडक्टर मिशन के अगले चरण सेमीकॉन 2.0 के तहत भारत में चिप डिजाइन करने वाले कम से कम 200 स्टार्टअप और कंपनियों को बढ़ावा देगी।

सेमीकॉन इंडिया 2026 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए वैष्णव ने कहा कि चिप डिजाइन सेमीकॉन 2.0 के छह स्तंभों में पहला होगा। उन्होंने बताया कि मिशन के पिछले चरण में 105 से अधिक स्टार्टअप ने चिप डिजाइन के क्षेत्र में प्रयास किया था, जिनमें से करीब 20 को लगभग 800 करोड़ रुपये की उद्यम पूंजी मिली थी। वह महज शुरुआत थी।

इस बार हमारा लक्ष्य बहुत बड़ा है। हम सेमीकंडक्टर की जरूरतों के पूरे दायरे में भारत में चिप डिजाइन करने वाले कम से कम 200 स्टार्टअप और कंपनियों को लक्ष्य बनाएंगे। देश ने पिछले कुछ वर्षों में सेमीकॉन 1.0 के जरिये घरेलू सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए बुनियादी आधार तैयार किया है। यह एक योजनाबद्ध कार्यक्रम था, जिसका मकसद प्रतिभाओं को बढ़ावा देना और परिवेश तैयार करना था। अब हमें इस नींव पर इमारत खड़ी करनी है। उन्होंने मिशन के अगले चरण की रूपरेखा बताते हुए कहा कि इसके छह स्तंभ चिप डिजाइन, मशीन व सामग्री, चिप विनिर्माण संयंत्र, उन्नत पैकेजिंग, अनुसंधान एवं विकास तथा प्रतिभा हैं। सम्मेलन में 28 से अधिक देशों की भागीदारी है। कार्यक्रम की शुरुआत के पांच साल पहले प्रधानमंत्री से मिली सीख को याद करते हुए वैष्णव ने कहा, निकट अवधि के बारे में मत सोचो, दीर्घकाल के बारे में सोचो। केवल विनिर्माण संयंत्र (फैब) के बारे में मत सोचो, पूरे परिवेश के बारे में सोचो।

डीजेटी माइक्रोफाइनेंस ने की गोल्ड रिवार्ड पहल शुरू

नई दिल्ली। डीजेटी माइक्रोफाइनेंस ने अपने संयुक्त देयतासमूह (जेएलजी) ग्राहकों के बीच जिम्मेदारी भरे पुनर्भुगतान व्यवहार की पहचान करने के लिए एक नई ग्राहक प्रोत्साहन पहल की घोषणा की है। इस पहल के तहत, बिना किसी देरी के समय पर माइक्रोफाइनेंस ऋण का पुनर्भुगतान करने वाले पात्र ग्राहकों को भुगतान की गई ब्याज की रकम के 2 प्रतिशत के बराबर गोल्ड रिवार्ड मिलेगा। यह पहल डीजेटी माइक्रोफाइनेंस के सभी नेटवर्क- उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, असम और पश्चिम बंगाल में लागू की जा रही है। इसका उद्देश्य ऐसे ग्राहकों की पहचान करना है जो निरंतर वित्तीय अनुशासन प्रदर्शित करते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी पुनर्भुगतान प्रतिबद्धताओं को पूरा करते हैं।

पेज एक का शेष

देश-विदेश

को जन्मदिन की बधाई दी और देश की सेवा के लिए उनके उत्तम स्वास्थ्य तथा दीर्घायु की कामना की। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए पूरे पूर्वोत्तर के विकास के लिए उनके समर्थन के प्रति आभार व्यक्त किया। तमांग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, सिक्किम सरकार और राज्य की जनता की ओर से मैं सिक्किम तथा पूर्वोत्तर के प्रति प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन, समर्थन और निरंतर प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त करता हूं। तमांग ने कहा, मैं प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, प्रसन्नता और उनके सतत ऊर्जा से भरे रहने की प्रार्थना करता हूं ताकि देश की सेवा करते रहें। उन्होंने कहा कि सिक्किम और पूरा पूर्वोत्तर मोदी के मार्गदर्शन में अधिक शांति, समृद्धि और विकास की ओर आगे बढ़ता रहेगा। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय और अन्य नेताओं ने भी प्रधानमंत्री मोदी को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। वर्ष 2047 के लिए प्रधानमंत्री की योजना पर जोर देते हुए राज्यपाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, विकसित भारत-2047 का दृष्टिकोण हर नागरिक से व्यापक विकास, नवाचार, आत्मनिर्भरता और समावेशी विकास की दिशा में देश की यात्रा में योगदान देने का आह्वान करता है। मुख्यमंत्री विजय ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, एक मजबूत भारत के निर्माण की दिशा में समर्पण के साथ काम कर रहे भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मैं जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मैं आपके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करता हूं। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने भी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं दीं। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी सोच और अथक प्रयासों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री वैश्विक मंच पर भारत के गौरव और ताकत को बढ़ा रहे हैं। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, देश की प्रगति, जन कल्याण और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के प्रति आपका समर्पण और प्रतिबद्धता अत्यंत प्रेरणादायी है। मैं ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की प्रार्थना करता हूं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं देते हुए कहा, मरांग बुरु आपको सदैव उत्तम स्वास्थ्य एवं सुदीर्घ जीवन प्रदान करें, यही कामना करता हूं। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल के.टी. परनाइक ने अपने संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी दृष्टिकोण, दृढ़ संकल्प और राष्ट्र के प्रति गहरी प्रतिबद्धता ने उन्हें वैश्विक पहचान दिलाने में मदद की है। परनाइक ने कहा कि पिछले 12 वर्षों के दौरान, भारत ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकास, जन कल्याण, राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक वृद्धि में उल्लेखनीय प्रगति देखी है। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने अपने संदेश में अरुणाचल प्रदेश के विकास के प्रति प्रधानमंत्री के अभूतपूर्व समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। खांडू ने मोदी के लंबे जीवन और विकसित भारत के निर्माण के लिए निरंतर सेवा की प्रार्थना करते हुए कहा, सीमावर्ती बुनियादी ढांचे और संपर्क व्यवस्था से लेकर परिवर्तनकारी विकास पहलों तक, आपके दृष्टिकोण और समर्थन ने अरुणाचल प्रदेश को पहले से कहीं अधिक मजबूत किया है। उपमुख्यमंत्री चौना मीन ने भी मोदी को बधाई दी और बुनियादी ढांचे, डिजिटल और समाज कल्याण जैसे क्षेत्रों में प्रगति लाने के लिए प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता की सराहना की। ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कम्भमपति ने मोदी के निर्वाचित प्रतिनिधि के तौर पर 25 वर्षों की जनसेवा की सराहना की। उन्होंने कहा, गुजरात की सेवा करने से लेकर देश का नेतृत्व करने तक, नरेन्द्र मोदी की यात्रा विकास, सुशासन और जनता की आकांक्षाओं के प्रति एक दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करता हूं। कामना करता हूं कि उनका दृष्टिकोण और नेतृत्व एक मजबूत, समृद्ध और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देता रहे। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने से पहले एक वीडियो संदेश में कहा, प्रभु श्री जगन्नाथ उन्हें राष्ट्र सेवा के लिए दीर्घायु, स्वस्थ जीवन और असीम शक्ति प्रदान करें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

सीएम योगी

दीं। इस दौरान कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व और मार्गदर्शन में देश को विकसित भारत की संकल्पना की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। पीएम के जन्मदिन पर देशभर में करोड़ों दीप सकारात्मक भाव और ऊर्जा के साथ प्रज्ज्वलित हो रहे हैं। राष्ट्र प्रेरणा स्थल समेत प्रदेश के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों और लोक कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के घरों में भी दीप जलाए जा रहे हैं। उन्होंने अभियान से जुड़े कर्मयोगी कार्यकर्ताओं, लाभार्थियों और नागरिकों का अभिनंदन किया।

प्रदेश की 25 करोड़ जनता पीएम मोदी के साथ खड़ी

सीएम योगी ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा की पावन जयंती भी है। भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि का शिल्पी बताते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नए भारत का शिल्पी बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश ने अपनी नई पहचान बनाई है और नए भारत का दर्शन हो रहा है। हर क्षेत्र के व्यक्ति को इस बदलाव पर गौरव की अनुभूति हो सकती है। भारत आज नई पहचान, नए इंफ्रास्ट्रक्चर और आधुनिक तकनीक में नेतृत्व देने वाले देश के रूप में आगे बढ़ रहा है।

पीएम मोदी

गंगाजल वडनगर ले जाया जाएगा ताकि हरकेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया जा सके। सिंह ने बताया कि गुजरात की पवित्र नदियों और शर्मिष्ठा झील का जल वाराणसी लाया जाएगा ताकि बाबा विश्वनाथ का अभिषेक किया जा सके। उन्होंने कहा काशी की दिव्यता गुजरात जा रही है और गुजरात की आस्था काशी आ रही है। उन्होंने इसे यात्रा की सबसे बड़ी खासियत बताया। सिंह ने कहा कि जल का यह आदान-प्रदान भावनाओं के आदान-प्रदान का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा एक अद्भुत दृश्य पेश करेगी जब मोदी की जन्मभूमि और कर्मभूमि जल और आस्था के जरिए एक-दूसरे से जुड़ेंगी। उन्होंने कहा कि यह यात्रा वडनगर से जुड़े मूल्यों, काशी के आशीर्वाद और मोदी के सेवा करने के संकल्प का संगम भी है। सिंह ने कहा, यह संस्कार, साधना और सेवा के संगम की यात्रा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि जिस ऐतिहासिक जुड़ाव की उन्होंने बात की थी, उसे सेवा संकल्प अभियान के जरिए आज के दौर के हिसाब से नया रूप दिया जा रहा है। इस अभियान का मकसद मोदी के जन्मदिन के जश्न को सेवा कार्यों से जोड़ना भी है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा में मंजिल तो अहम है ही, रास्ते में पड़ने वाले पड़ाव भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जहां सेवा कार्यक्रम तय किए गए हैं। सिंह ने कहा कि इन गतिविधियों का मकसद लोगों से बातचीत करना, विकास कार्यों में उनकी भागीदारी बढ़ाना और समाज के हर वर्ग तक पहुंचना है।

यमुना तट

क्षेत्र का महत्व केवल इसकी प्राकृतिक सुंदरता तक सीमित नहीं है। यह क्षेत्र इतिहास, संस्कृति, अध्यात्म और लोक परंपराओं की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मां यमुना की प्रतिमा की स्थापना, हरिघाट का विकास और मां यमुना-कृष्ण मंदिर का निर्माण क्षेत्र की धार्मिक पहचान को और व्यापक बनाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखंड के धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों को विकसित करने के साथ उनकी मूल सांस्कृतिक पहचान और विरासत को सुरक्षित रखने पर भी विशेष ध्यान दे रही है। सरकार की प्राथमिकता है कि तीर्थ एवं पर्यटन स्थलों पर होने वाले विकास का प्रत्यक्ष लाभ स्थानीय लोगों तक पहुंचे और पर्यटन ग्रामीण अर्थव्यवस्था तथा आजीविका का प्रभावी माध्यम बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन गतिविधियों के विस्तार से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। होमस्टे, स्थानीय उत्पाद, हस्तशिल्प, परिवहन, खान-पान तथा अन्य छोटे व्यवसायों को पर्यटन के विस्तार से प्रोत्साहन मिल सकता है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में स्थानीय परंपराओं और संस्कृति के साथ प्राकृतिक विरासत के संरक्षण को भी प्राथमिकता दी जा रही है। धामी ने जौनसार-बावर क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि हनोल मास्टर प्लान के लिए 150 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसके माध्यम से धार्मिक पर्यटन से संबंधित अवस्थापना सुविधाओं को मजबूत करने के साथ श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाखामंडल सहित जौनसार-बावर के ऐतिहासिक, धार्मिक और पर्यटन स्थलों के विकास तथा सौंदर्यीकरण की दिशा में भी कार्य किए जा रहे हैं। सड़क और अन्य आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के साथ क्षेत्र की पर्यटन संभावनाओं को विकसित किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक पर्यटक इन स्थलों तक पहुंच सकें और स्थानीय अर्थव्यवस्था को इसका लाभ मिले। उन्होंने कहा कि आशीर्वाद का दीया और मां यमुना की आरती जैसे आयोजन उत्तराखंड की सनातन परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम हैं। ऐसे आयोजन धार्मिक आस्था के साथ प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को भी व्यापक मंच प्रदान करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तराखंड में धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। चारधाम के साथ प्रदेश के अन्य पौराणिक, ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने पर सरकार का विशेष ध्यान है।

पीएम मोदी

नागरिकों से भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। विशेषकर जेन-जेड युवाओं ने रक्तदान कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया। विराज सागर दास ने रक्तदान करने वाले युवाओं से संवाद कर उनकी सहभागिता के बारे में जानकारी ली और उन्हें प्रमाण-पत्र वितरित किए। इस अवसर पर भाजपा लखनऊ महानगर के नगर मंत्री आनंद पांडेय की गरिमामयी उपस्थिति रही। विराज सागर ने कहा कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी ने इस आयोजन को सेवा, सामाजिक जिम्मेदारी और जनसहभागिता का प्रेरणादायी उदाहरण बनाया।

मालिनी अवस्थी

खेले मसाने में, मंगल भवन अमंगल हारी रामचरित मानस की चौपाई को गाकर उन्होंने कार्यक्रम को भक्तिमय कर दिया। कजरी गीत रुन धुन खोला न केवरिया, हरे रामा भोला चले ससुरारी, भोला बैल चित काबर आदि गीतों पर दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट से पंडाल गूंज उठा। लोक संगीत की श्रृंखला में सइया मिले लरकइया मैं का करूं, रेलिया बैरन पिया को लिये जाये रे आदि से खचाखच भरे पंडाल में श्रोता झूम कर नाच उठे। आज पंडाल की शोभा देखते ही बन रही थी, जैसे ही उनकी टीम ने अपने कार्यक्रम की शुरुआत की, वैसे ही दर्शकों की तालियां खुद ब खुद बजने लगी। सायंकालीन महाआरती में बीबीडी एजुकेशनल ग्रुप की चेयरपर्सन एवं बीबीडीयू की चांसलर श्रीमती अलका दास गुप्ता, प्रो चांसलर विराज सागर दास, वाइस प्रेसिडेंट श्रीमती देवांशी दास एवं सुश्री सोनाक्षी दास ने भाग लिया और महाप्रभु श्री गणेश जी की आरती की। इस महोत्सव में बीबीडी एजुकेशनल ग्रुप के छात्र-छात्राओं एवं आसपास के गांवों से आए हजारों लोगों ने भजन संध्या का भरपूर आनंद लिया। शुक्रवार को गणेश जी की प्रतिमा का विधि-विधान से विसर्जन किया जायेगा।

भारत ने तीसरा टी-20 मैच 127 रन से जीता

अभिषेक ने 34 बॉल 108 रन बनाए, सैमसन की फिफ्टी, नीतीश-बिश्नोई को 3 विकेट

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे टी-20 मैच को 127 रन से जीत लिया है। इसी के साथ उसने 3 मैचों की सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में 222 रन का टारगेट चेज कर रही अफगानिस्तान की टीम 14.1 ओवर में 94 रन पर ऑलआउट हो गई। नीतीश कुमार रेड्डी और रवि बिश्नोई ने 3-3 विकेट झटके। अक्षर पटेल को 2, जसप्रीत बुमराह और यश ठाकुर को एक-एक विकेट मिला। अभिषेक शर्मा सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बने। उन्होंने 30 गेंद पर सेंचुरी जमा दी। अभिषेक ने रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा।

रोहित ने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ इंदौर में 35 बॉल में शतक लगाया था। जवाब में अफगानिस्तान ने 4 ओवर में 2 विकेट पर 33 रन बनाए हैं। इब्राहिम जादरान पिच पर हैं। अक्षर ने एक ही ओवर में रहमानुल्लाह गुरबाज और सेदिकुल्लाह अटल को आउट किया। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में अभिषेक शर्मा सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बने। उन्होंने 30 गेंद पर सेंचुरी जमा दी। अभिषेक ने रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा। रोहित ने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ इंदौर में 35 बॉल में शतक लगाया था। गुरुवार को भारत ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 221 रन बनाए। अभिषेक ने 34 गेंद पर 108 रन की पारी खेली। संजू सैमसन ने 35 गेंद पर 50 रन बनाए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 59 गेंद पर 142 रन जोड़े। अफगानिस्तान के लिए अजमतुल्लाह उमरजई ने 2 विकेट लिए। राशिद खान और अब्दुल्लाह अहमदजई को एक-एक विकेट मिले। भारत से 3 प्लेयर रनआउट हुए।

अक्षर पटेल ने चौथे ओवर में 2 विकेट लेकर अफगानिस्तान को बैकफुट पर धकेल दिया। उन्होंने पहले रहमानुल्लाह गुरबाज को 15 रन पर बोल्ड किया और फिर सेदिकुल्लाह अटल को 1 रन पर अभिषेक शर्मा के हाथों कैच कराया। 4 ओवर के बाद अफगानिस्तान का स्कोर 33/2 है।

इब्राहिम जादरान 10 गेंदों में 16 रन बनाकर खेल रहे हैं। अफगानिस्तान ने 222 रन का पीछा करते हुए 2 ओवर में बिना विकेट गंवाए 21 रन बना लिए हैं। रहमानुल्लाह गुरबाज 9 गेंदों में 14 रन और इब्राहिम जादरान 3 गेंदों में 7 रन बनाकर खेल रहे हैं। पहले ओवर में नीतीश कुमार रेड्डी ने 15 रन दिए, जबकि जसप्रीत बुमराह के ओवर से 6 रन आए। भारत ने 20 ओवर में 221/7 रन बनाए। आखिरी ओवर में श्रेयस अय्यर रन आउट हो गए। फजलहक फारूकी की यॉर्कर पर अय्यर ने गेंद को शॉर्ट थर्ड की ओर खेलकर रन लेने की कोशिश की, लेकिन इब्राहिम जादरान के सीधे थ्रो ने उन्हें क्रीज से बाहर कर दिया।

अय्यर ने 20 गेंदों में 29 रन बनाए, जिसमें 2 छक्के शामिल रहे। अक्षर पटेल 5 रन बनाकर नाबाद रहे। अब्दुल्लाह अहमदजई ने 18.3 ओवर में नीतीश कुमार रेड्डी को आउट कर भारत को छठा झटका दिया। नीतीश मुजीब उर रहमान को कैच दे बैठे। वे 4 गेंदों में 1 रन बनाकर आउट हुए। 19 ओवर के बाद भारत का स्कोर 215/6 है। श्रेयस अय्यर 17 गेंदों में 27 और अक्षर पटेल 1 रन पर खेल रहे हैं। भारत ने 17वें ओवर में 200 रन पूरे कर लिए हैं। 16.6 ओवर के बाद टीम का स्कोर 201/4 है। श्रेयस अय्यर 12 गेंदों में 17 और ईशान किशन 6 गेंदों में 8 रन पर खेल रहे हैं।

16.6 पर अय्यर ने फुल टॉस को वाइड लॉन्ग ऑन की ओर खेलकर 3 रन लिए। डीप में राशिद खान से मिसफील्ड हुआ, जिससे भारत 200 के पार पहुंच गया। अजमतुल्लाह उमरजई ने 15.3 ओवर में शिवम दुबे को आउट कर भारत को चौथा झटका दिया। दुबे ने गेंद को लॉन्ग ऑन के ऊपर से खेलने की कोशिश की, लेकिन राशिद खान ने लंबी दौड़ लगाकर फुल-लेंथ डाइव लगाई और हवा में कैच लपक लिया। दुबे 10 गेंदों में 14 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 1 चौका और 1 छक्का लगाया। राशिद खान के 15वें ओवर में भारत ने 17 रन बटोरे। शिवम दुबे ने ओवर में एक छक्का और एक चौका लगाया, जबकि श्रेयस अय्यर ने आखिरी गेंद पर छक्का जड़ा। 15 ओवर के बाद भारत का स्कोर 184/3 है। अय्यर 8 गेंदों में 11 और दुबे 8 गेंदों में 13 रन पर खेल रहे हैं। राशिद ने 4 ओवर में 43 रन देकर 1 विकेट लिया। अजमतुल्लाह उमरजई ने 13.1 ओवर में संजू सैमसन को आउट कर दिया। सैमसन ने लेंथ गेंद को लॉन्ग ऑफ के ऊपर से खेलने की कोशिश की, लेकिन शॉट सीधे राशिद खान के हाथों में चला गया। सैमसन 35 गेंदों में 50 रन बनाकर आउट हुए। उनकी पारी में 2 चौके और 4 छक्के शामिल रहे।

मेस्सी ने इंटर मियामी के लिए सौवां गोल दागा

मियामी। लियोनेल मेस्सी ने इंटर मियामी फुटबॉल क्लब के लिये सौवां गोल दागा जिसकी मदद से टीम ने कॅपियोनेस कप में क्रूज अजुल को 2-0 से मात दी। मेस्सी ने 24वें मिनट में पहला गोल किया जो 115 मैचों में उनका 100वां गोल था। केसमिरो ने 81वें मिनट में मेस्सी से मिले कॉर्नर पर दूसरा गोल दागा। पिछले पांच मैचों में ब्राजील के मिडफील्डर केसमिरो का यह चौथा गोल था।

इस जीत से इंटर मियामी ने मेस्सी के आगमन के तीन साल बाद एक और ट्रॉफी अपने नाम की। इससे पहले टीम लीग्स कप 2023, सपोर्टर्स शील्ड 2024 और एमएलएस कप 2025 जीत चुकी है। वहीं दूसरी ओर ईस्ट बंगाल ने एएफसी चैम्पियन लीग टू ग्रुप डी के पहले मैच में जोर्डन प्रो लीग चैम्पियन अल हुसैन एससी के खिलाफ दो गोल की बढत बनाने के बावजूद

> फीफा अंडर-15 विश्व कप 2026 भारत के ग्रुप में बहरीन, कैमरून, ग्रेनाडा, लाओस और सेनेगल

2-2 से ड्रॉ खेला। आईएसएल चैम्पियन ईस्ट बंगाल हाफटाइम तक 2-0 से आगे थी। उसके लिये डेनियल रामिरेज और अनवर अली ने गोल किये। लेकिन अपने घरेलू मैदान पर खेल रही अल हुसैन ने दूसरे हाफ में दो गोल करके मैच ड्रॉ करा लिया।

ईस्ट बंगाल का सामना अब ईराक के अल शोर्टा एससी से 13 अक्टूबर को विवेकानंद युबा भारती क्रीडांगन पर होगा। वहीं दूसरी ओर भारत को अक्टूबर में बाकू में होने वाले पहले फीफा अंडर-15 विश्व कप और महोत्सव अजरबैजान 2026 के ग्रुप के में बहरीन, कैमरून, ग्रेनाडा, लाओस और सेनेगल के साथ रखा गया है। भारतीय अंडर-15 पुरुष टीम बाकू में क्वालीफिकेशन चरण के दौरान तीन दिन में पांच मुकाबले खेलेगी। भारत 24 अक्टूबर को लाओस के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। इसके अगले दिन 25 अक्टूबर को भारत दो मुकाबले खेलेगा। पहले उसका सामना कैमरून से होगा और फिर ग्रेनाडा के खिलाफ मैच होगा। फिर 26 अक्टूबर को एक और डबल-हेडर के साथ क्वालीफिकेशन चरण पूरा करेगा जिसमें पहले वह बहरीन से भिड़ेगा और इसके बाद सेनेगल के खिलाफ खेलेगा।

कोच बिबियानो फर्नांडिस के मार्गदर्शन में भारतीय टीम फिलहाल बेंगलुरु स्थित खेल उत्कृष्टता केंद्र में ट्रेनिंग कर रही है। अजरबैजान रवाना होने से पहले टीम घरेलू मैदान पर अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले भी खेलेगी। इसके बाद 14 खिलाड़ियों की टीम अजरबैजान की यात्रा करेगी। इस टूर्नामेंट में सभी फीफा सदस्य संघों को भाग लेने की अनुमति है। कुल 191 राष्ट्रीय टीम को 32 ग्रुप में बांटा गया है। प्रतियोगिता के छह दिन में 20 मैदानों पर कुल 943 मैच खेले जाएंगे। फीफा अंडर-15 विश्व कप और महोत्सव के मुकाबले आठ खिलाड़ियों वाली टीम के प्रारूप में खेले जाएंगे।

संक्षेप

एशियाई खेल 2028 ओलंपिक की झलक

नागोया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने बृहस्पतिवार को आइची-नागोया एशियाई खेलों को 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारियों की दिशा में अहम बताया जिसमें महिला क्रिकेट पहली बार शामिल होगा। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी इस बात का समर्थन करते हुए कहा कि टीम एशियाई खेलों की तरह ही ओलंपिक में भी जीतने की मानसिकता के साथ उतरेगी। मौजूदा चैंपियन भारत शुक्रवार को यहां मेजबान जापान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। महिला स्पर्धा में सभी आठ टीम सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए खेलेंगी। महिला टी20 एशिया कप जीतने के बाद भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है और दुबई से नागोया पहुंची भारतीय टीम अपनी लय बरकरार रखते हुए एशियाई खेलों में दूसरे स्वर्ण पदक पर नजरें लगाए हुए है। मजूमदार ने कहा, मुझे लगता है कि यह एशियाई खेल भारतीय महिला टीम के ओलंपिक अभियान की दिशा में एक शानदार झलक हैं। हम यहां कुछ चीजों के आदी हो रहे हैं। क्रिकेट की दुनिया के अलग हिस्से जैसे जापान का दौरा करना हमारे लिए नया अनुभव है क्योंकि हम इससे पहले इस देश में नहीं आए हैं।

बीसीसीआई एजीएम के एजेंडे में अंडमान-निकोबार को सदस्यता, आईसीसी में प्रतिनिधि की नियुक्ति शामिल

मुंबई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की शुक्रवार को यहां होने वाली 95वीं आम सालाना बैठक (एजीएम) में अंडमान एवं निकोबार द्वीप क्रिकेट संघ को एसोसिएट सदस्यता प्रदान करना और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में बीसीसीआई के प्रतिनिधि की नियुक्ति प्रमुख मुद्दों में शामिल होंगे। मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में होने वाली यह एजीएम सामान्य प्रक्रिया के तहत होने की उम्मीद है। बैठक में आईपीएल संचालन परिषद में आम सभा के दो प्रतिनिधियों को शामिल करने के प्रस्ताव पर भी विचार किया जाएगा। इसके अलावा कुछ ऐसे चुनाव भी होंगे जिनके परिणाम लगभग तय माने जा रहे हैं। आईपीएल संचालन परिषद के मौजूदा अध्यक्ष अरुण धूमल को इस पद पर दोबारा चुना जाएगा जबकि खैरुल मजूमदार को सदस्य के तौर पर चुना जाएगा। बीसीसीआई के निर्वाचन अधिकारी ए के ज्योति ने पिछले सप्ताह चुनाव के लिए उनके नामांकन को मंजूरी दे दी थी। धूमल और मजूमदार दोनों का निर्विरोध चुना जाना तय है।

जापान व भारत का मुकाबला आज

एजेंसी

नागायो। पिछले सप्ताह दुबई में रिकॉर्ड आठवीं बार महिला टी20 एशिया कप जीतने के बाद गत चैंपियन और प्रबल दावेदार भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां एशियाई खेलों में अपने खिताब बचाने के अभियान की शुरुआत क्वार्टरफाइनल में मेजबान जापान के खिलाफ करेगी। दुबई में आठवां एशिया कप खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम का

> जापान के खिलाफ खिताब बचाने के अभियान की शुरुआत करेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। लेकिन एशियाड के नॉकआउट प्रारूप में उनके पास गलतियों की गुंजाइश बहुत कम होगी। महिला स्पर्धा में आठ टीम हिस्सा ले रही हैं और प्रतियोगिता सीधे क्वार्टरफाइनल से शुरू होगी। इसका मतलब है कि किसी भी टीम को टूर्नामेंट में परिस्थितियों के अनुरूप ढलने के लिए ग्रुप चरण के मुकाबले नहीं मिलेंगे और एक हार अभियान को समाप्त करने के लिए काफी होगी। भारत के लिए शेफाली वर्मा अहम होंगी, उन्होंने एशिया कप में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसमें वह टीम की सबसे अधिक रन बनाने वाली

बल्लेबाज और टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं। शीर्ष क्रम में उनकी निरंतरता ने भारत को संयुक्त अरब अमीरात में मजबूत शुरुआत दिलाई। हालांकि स्मृति मंधाना का अभियान उतार-चढ़ाव भरा रहा था। वह भी भारत के एक और खिताबी अभियान की शुरुआत के साथ अपनी पुरानी लय हासिल करने के लिए उत्सुक होंगी। भारत की गेंदबाजी काफी हद तक अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा और बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी के इर्द-गिर्द रहेगी।

साइना नेहवाल ने खेलें साणंद उत्सव 2026 का किया उद्घाटन

साणंद (गुजरात)। ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने बृहस्पतिवार को यहां खेलें साणंद स्पोर्ट्स उत्सव 2026 का उद्घाटन किया। इसके साथ ही साणंद तालुका के सभी 105 गांवों में 18 दिवसीय ओलंपिक खेल अभियान की शुरुआत हुई। विजयी भारत फाउंडेशन (वीबीएफ) की खेलें साणंद पहल के तहत आयोजित यह खेल उत्सव 17 सितंबर से सात अक्टूबर तक चलेगा। इसका उद्देश्य 150 से अधिक स्कूलों के 25,000 से ज्यादा विद्यार्थियों को खेलों से जोड़ना है। इसमें पांच से 17 वर्ष की आयु के लड़के और लड़कियां अंडर-8, अंडर-11, अंडर-14 और अंडर-17 वर्गों में हिस्सा लेंगे। उत्सव में कबड्डी, सॉफ्टबॉल थ्रो।

एशियाड 2018 के बॉल ब्वॉय इंडोनेशियाई हॉकी खिलाड़ी रमादान के आदर्श हैं हार्दिक

नागोया। भारत के महान खिलाड़ियों सरदार सिंह और रूपिंदर पाल सिंह के साथ 2018 एशियाई खेलों में हॉकी मैचों के दौरान तस्वीरें खिंचवाने वाले बॉल ब्वॉय अहदान असासी रमादान अब इंडोनिशिया टीम का हिस्सा हैं और आइची नागोया खेलों में भारत के खिलाफ खेलने का उनका सपना पूरा होने जा रहा है। इंडोनेशिया के 27 वर्ष के मिडफील्डर रमादान ने एफआईएच प्रो लीग में भारत के मैच देखे हैं और टीवी पर हॉकी इंडिया लीग भी देखते हैं। भारत के स्टार मिडफील्डर हार्दिक सिंह के मुरीद रमादान ने कहा, मेरे और मेरे साथी खिलाड़ियों के लिये भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलना सम्मान की बात है। मैने एफआईएच प्रो लीग में भारत के मैच देखे हैं और मैं टीवी पर हॉकी इंडिया लीग भी देखता हूं। उन्होंने कहा, मैं जकार्ता एशियाई खेल 2018 में बॉल पिकर था। मुझे याद है कि भारत ने इंडोनेशिया को 17-0 से हराया था। उस मैच के बाद मैने सरदार सिंह, रूपिंदर पाल सिंह और विवेक सागर प्रसाद के साथ तस्वीर ली थी। उन्होंने कहा, अब मैं उनके खिलाफ खेलने जा रहा हूं तो बहुत रोमांचित हूं। मुझे काफी कुछ सीखने को मिलेगा। यह सपना सच होने जैसा है।

एशियाई खेलों की टेकबॉल स्पर्धा से गोंजाल्वेस-बेग की जोड़ी बाहर

नागोया। भारत के डेकलान मार्शल गोंजाल्वेस और मोहम्मद अनस इमरान बेग बृहस्पतिवार को यहां एशियाई खेलों की पुरुष युगल टेकबॉल स्पर्धा में अपने दोनों ग्रुप मैच हारकर पदक की दौड़ से बाहर हो गए। गोंजाल्वेस-बेग की जोड़ी को ग्रुप बी में दोनों मुकाबालों में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को पहले वियतनाम के त्रुओंग जियांग बा और आन खोआ ले ने 12-10, 12-8 से हराया। इसके बाद दक्षिण कोरिया के जुनसुक ली और ताएबीन ली ने उन्हें 12-4, 12-7 से शिकस्त दी। टेकबॉल उन छह खेलों में शामिल है जो आइची-नागोया एशियाई खेलों में पदार्पण कर रहे हैं। अन्य खेलों में मिश्रित मार्शल आर्ट्स (एमएमए), पैडल, सर्फिंग, बीएमएक्स फ्रीस्टाइल और वर्चुअल ताइक्वांडो शामिल हैं।

चक दे इंडिया से प्रेरित इंडोनेशियाई हॉकी खिलाड़ी भारत का सामना करने को तैयार

एजेंसी

नागोया। एशियाई खेलों में भारत का सामना करने की तैयारी में जुटे इंडोनेशिया के युवा हॉकी खिलाड़ियों के लिये चक दे इंडिया सिर्फ एक बॉलीवुड फिल्म नहीं है बल्कि उनकी प्रेरणा है जिसे देखकर उन्हें आत्मविश्वास मिला है कि कमजोर मानी जाने वाली टीमें भी कमाल कर सकती हैं। इंडोनेशिया के मिडफील्डर फर्डियन फातुर रहमान 2007 में आई शाहरूख खान की चक दे इंडिया के दीवाने हैं और कई बार यह फिल्म देख चुके हैं। इस फिल्म में बताया गया है कि तमाम प्रतिकूल परिस्थितियों से पार पाकर कैसे महिला हॉकी टीम विश्व चैम्पियन बनती है और कैसे एक कलंकित कोच कबीर खान बिखरी हुई टीम को एक विश्व कप विजेता भारतीय टीम में बदलकर अपना खोया सम्मान भी फिर हासिल करता है।

टीम के एक अन्य सदस्य फिरदौस मुहम्मद ने भी यह फिल्म देखी है। इंडोनेशिया टीम के लगभग हर खिलाड़ी ने कम से कम एक बार तो यह टीम देखी ही है। इंडोनेशिया को एशियाई खेलों में 20 सितंबर को पूल ए में पहला मैच गत चैम्पियन भारत से खेलना है। हांगझोउ एशियाई खेल 2023 में भाग ले चुके रहमान को कोच कबीर खान का शुरूआती रोलकॉल याद है जिसमें वह हर खिलाड़ी से पूछते हैं कि वह कहां से है और इसके बाद कहते हैं।

एशियाड महिला क्रिकेट : पाक ने थाईलैंड को हराया

एजेंसी

नागोया। बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम मैदान पर उतरे बिना ही एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में पहुंच गई जबकि पाकिस्तान को थाईलैंड जैसी कमजोर टीम के खिलाफ जीत दर्ज करने में काफी पसीना बहाना पड़ा। बांग्लादेश अपनी ऊंची अंतरराष्ट्रीय

> बांग्लादेश खेले बिना सेमीफाइनल में

रैंकिंग के कारण अंतिम चार में पहुंचा जब चीन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबला बृहस्पतिवार को गीली आउटफील्ड के कारण रद्द हो गया। आइची प्रांत के खूबसूरत निशिन शहर में कारोगी स्पोटर्स पार्क में होने वाले इस टी20 मुकाबले में टॉस भी नहीं हो सका। बांग्लादेश आईसीसी टी20 रैंकिंग में 10वें और चीन 36वें स्थान पर है। वहीं

पाकिस्तान ने 92 रन के लक्ष्य के जवाब में तीन विकेट से जीत दर्ज की। बारिश के कारण मैच कम ओवरों का कर दिया गया था। बांग्लादेश का सामना भारत और जापान के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा। यह मुकाबला शुक्रवार को होगा जबकि सेमीफाइनल 20 सितंबर को होना है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम आठ टीमों की स्पर्धा में पिछली चैम्पियन है। पाकिस्तान की टीम शुक्रवार को श्रीलंका और मलेशिया के बीच मुकाबले के विजेता से खेलेगी। पाकिस्तान और थाईलैंड का मुकाबला गीली आउटफील्ड के कारण देर से शुरू हुआ और इसे घटाकर 11 ओवर प्रति टीम कर दिया गया। टॉस जीतकर गेंदबाजी करने वाली थाईलैंड की टीम ने चार विकेट पर 91 रन बनाये। उसकी विकेटकीपर और तीसरे नंबर की बल्लेबाज एन कोंचारोएनकाइ ने 38 गेंद में 49 रन बनाये।जवाब में पाकिस्तान के लिये शावाल जुल्फिकार (25) और फातिमा सना (21) ही उल्लेखनीय पारियां खेल सकी जबकि बाकी बल्लेबाज नाकाम रहे। थाईलैंड के लिये आफ स्पिनर ओनिचा कामचोम्फू ने तीन और सुनिदा सी ने दो विकेट लिये।

एशियाई खेलों के लिये रवाना भारतीय तलवारबाजी दल

नयी दिल्ली। ओलंपियन सी ए भवानी देवी की अगुवाई में भारत का 20 सदस्यीय तलवारबाजी दल एशियाई खेलों के लिये जापान रवाना हो गया जिसमें चोटिल प्राची लोहान की जगह एपी स्पर्धा में अनुप्रिया को मंजूरी मिलने पर उतारा जायेगा। भारतीय दल में 20 खिलाड़ी, पांच कोच और एक फिजियो है जो बुधवार को रवाना हुए। भारतीय साबरे टीम में भवानी देवी, श्रेया गुप्ता, जेफरलिन जेएस और श्रुति जोशी हैं जबकि महिला एपी टीम में तनिष्का खत्री, मितवा चौधरी, यशकीरत कौर और अनुप्रिया के नाम हैं। महिला फॉइल में जॉयस अशिता, एन मीना देवी, कनुप्रिया चावला और सोनिया देवी वाइकोम उतरेंगी। पुरूषों के वर्ग में करण सिंह, के पी गिशोनिधि, लक्ष्य बाडसर और विशाल थापर साबरे टीम में हैं।

भारत-कोरिया मुकाबले का नतीजा जीतने की इच्छाशक्ति पर निर्भर : सुमित नागल

एजेंसी

सियोल। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने बृहस्पतिवार को कहा कि चुनौतीपूर्ण धीमे कोर्ट पर कोरिया के खिलाफ डेविस कप क्वालीफायर इस बात पर निर्भर करेगा कि किसमें जीतने की इच्छाशक्ति अधिक है। नागल का सामना दूसरे एकल मुकाबले में कोरिया के दिग्गज हियोन चुंग से होगा। दक्षिणेश्वर सुरेश पहले मैच में कोरिया के शीर्ष खिलाड़ी क्वोन सुन वू से खेलेंगे। नागल ने ड्रॉ के बाद कहा, डेविस कप में व्यक्तिगत नतीजे मायने नहीं रखते। वह अपने कोर्ट पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा और बेहतरीन खिलाड़ी भी है। मैने कई बार उनके साथ अभ्यास किया है और युगल मुकाबले खेले भी हैं। उन्होंने कहा, मेरे खेलने तक शाम के चार बज जायेंगे और कोर्ट धीमा हो जायेगा। इसमें नतीजा इस पर निर्भर करेगा कि जीतने की इच्छाशक्ति किसमें अधिक है। प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ कोई खास हथियार नहीं है , बस यही है कि कौन जीतना अधिक चाहता है। चुंग ने कहा, मैं सुमित को जानता हूं और वह बेसलाइन का शानदार खिलाड़ी है। मुझे काफी मूवमेंट करने होंगे। युगल में एन श्रीराम बालाजी और निकी पूनाचा खेलेंगे। पूनाचा को युकी भांबरी के चोटिल होने के कारण ऐन मौके पर शामिल किया गया है। भारतीय कप्तान रोहित राजपाल ने कहा कि कोर्ट को देखते हुए अनिरूद्ध चंद्रशेखर की जगह निकी पूनाचा को लेने का फैसला किया गया।

एक गीत, एक चोटिल खिलाड़ी और गोल्डन गोल

एजेंसी

नयी दिल्ली। एशियाई खेलों में भारतीय हॉकी टीम को पहला स्वर्ण पदक जीते छह दशक बीत गए लेकिन टीम के धुरंधर सेंटर फॉरवर्ड हरबिंदर सिंह के जेहन में आज भी उसकी यादें ताजा है और वह गाना आज तक नहीं भूले जो टीम बस में हमेशा बजता था। भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने बैंकॉक में

> हरबिंदर ने ताजा की 1966 एशियाड हॉकी स्वर्ण की यादें

1966 एशियाई खेलों में पहली बार स्वर्ण पदक जीता था।

इसके 32 साल बाद 1998 में बैंकॉक में ही धनराज पिल्लै की कप्तानी में भारत ने दूसरी बार स्वर्ण जीता। इंचियोन में 2014 के बाद हांगझोउ एशियाई खेलों में 2022 में भारतीय टीम ने स्वर्ण जीतकर

ओलंपिक के लिये क्वालीफाई किया। तोक्यो ओलंपिक 1964 चैम्पियन भारतीय टीम के लिये पांच गोल करने वाले हरबिंदर ने भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा, हमने दो साल पहले ही तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण जीता था और लिहाजा जोश काफी हाई था क्योंकि तोक्यो ओलंपिक के ही अधिकांश खिलाड़ी इस टीम में थे।

हमने ठान लिया था कि एशियाई खेलों में भी पहला स्वर्ण जीतकर मानेंगे। तीन बार के ओलंपिक पदक विजेता 83 बरस के इस दिग्गज ने कहा, शंकर लक्ष्मण की कप्तानी वाली हमारी टीम फाइनल में पहुंची थी और मुकाबला दो बार की चैम्पियन पाकिस्तान से था। मैच की शुरूआत रफ हुई थी और पहले पांच मिनट में ही पाकिस्तानी खिलाड़ी की स्टिक लगने से हमारे राइट विंग रेलवे के बलबीर सिंह चोटिल हो गए और उन्हें स्ट्रेचर पर बाहर जाना पड़ा।

उन्होंने कहा, उस समय सब्स्टीट्यूशन का नियम नहीं था और लगभग पूरा मैच हमें दस खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। पाकिस्तान की टीम काफी मजबूत थी और पूरे 70 मिनट गोलरहित रहा। अतिरिक्त समय में साढे सात मिनट के पहले हाफ में गोल नहीं हुआ। पद्मश्री से नवाजे जा चुके हरबिंदर ने कहा, दूसरा हाफ खत्म होने में पांच मिनट बचे थे और चोटिल बलबीर घुटने में पट्टी बांधकर साइडलाइन में खड़े थे। बाकी खिलाड़ी उनसे कहने लगे कि एक पैर से खेल ले , बाहर क्यो खड़ा है।

भारत की नजरें डेविस कप अंतिम आठ में जगह बनाने पर, दक्षिणेश्वर से उम्मीदें

सियोल। भारतीय टीम कोरिया के खिलाफ डेविस कप क्वालीफायर दूसरे दौर के मुकाबले में उतरेगी तो नजरें डेविस कप अंतिम आठ में जगह बनाने पर लगी होंगी और एक बार फिर दक्षिणेश्वर सुरेश से अपेक्षाओं पर खरे उतरने की उम्मीदें होंगी। दक्षिणेश्वर का सामना शुक्रवार को कोरिया के नंबर एक खिलाड़ी सूनवू क्वोन से होगा।

दोनों टीमों के शीर्ष एकल खिलाड़ियों का सफर काफी अलग अलग रहा है लेकिन दोनों एक ही स्थिति में हैं। दोनों के पास अनुभव की कमी नहीं है और रैंकिंग में नीचे जाने के बाद फिर ऊपर आने की कोशिश कर रहे हैं। सियोल के धीमे,नीचे की ओर उछाल वाले कोर्ट पर दक्षिणेश्वर की काबिलियत की परख कोरिया के शीर्ष खिलाड़ी के खिलाफ होगी जो एटीपी टूर पर दो खिताब जीतने वाले अकेले कोरियाई हैं। विश्व रैंकिंग में 367वें स्थान पर काबिज दक्षिणेश्वर फरवरी में नीदरलैंड के खिलाफ भारत की 3-2 से जीत के नायक थे जिन्होंने तीनों मैच जीते थे। उनके सामने उसी लय को कायम रखने की चुनौती है लेकिन यहां के हालात उनके आक्रामक खेल के अनुरूप नहीं हैं। कोरिया ने कोर्ट को धीमा और नीचे की ओर उछाल लेने वाला बनाया है जिस पर दक्षिणेश्वर की दमदार सर्विस और तकनीकी कौशल की परीक्षा होगी। दक्षिण कोरिया ने पिछले दौर में अर्जेंटीना को 3-2 से हराया और क्वोन ने दोनों मैच जीते थे। दक्षिणेश्वर ने कहा ,मैने चैलेंजर टूर पर क्वोन को देखा है।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर बीबीडी ग्रुप ने आयोजित किये कई कार्यक्रम

रियासतों को भारतीय संघ में विलय करने में पटेल की अहम भूमिका : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

हैदराबाद। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश के पहले उपप्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने स्वतंत्रता के बाद रियासतों का भारतीय संघ में विलय करने में असाधारण जिम्मेदारी निभाई तथा मजबूत, एकजुट एक भारत की नींव रखी। उपराष्ट्रपति ने कहा कि केवल पटेल की वजह से ही एक भारत हमेशा एक भारत बना रहेगा। हैदराबाद रियासत के भारतीय संघ में विलय की वर्षगांठ पर केंद्र सरकार द्वारा आयोजित हैदराबाद मुक्ति दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पटेल के योगदान को राष्ट्रीय एकीकरण के व्यापक संदर्भ में समझा जाना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि 17 सितंबर 1948 का दिन स्वतंत्र भारत के इतिहास में निर्णायक अध्याय के समापन का दिन है जब सितंबर 1948 की घटनाओं और ऑपरेशन पोलो के बाद तत्कालीन हैदराबाद रियासत का भारतीय संघ में विलय हुआ था। उन्होंने कहा कि हैदराबाद मुक्ति दिवस केवल किसी ऐतिहासिक तिथि का स्मरणोत्सव नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र-निर्माण की यात्रा और उन मूल्यों की याद दिलाता है जो भारत को एक सूत्र में बांधे रखते हैं। उन्होंने कहा, उस समय हैदराबाद का मुद्दा सबसे जटिल मुद्दों में एक

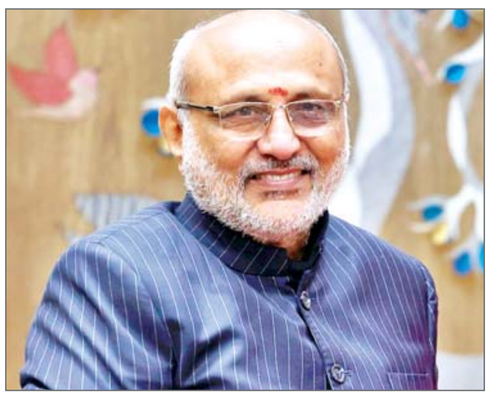

था और जब बातचीत विफल हो गई तो भारत सरकार ने 13 सितंबर, 1948 को ऑपरेशन पोलो शुरू किया। यह अभियान 17 सितंबर, 1948 को निजाम की सेना के आत्मसमर्पण के साथ समाप्त हुआ। राष्ट्रीय एकीकरण में पटेल के योगदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व उप-प्रधानमंत्री ने उस समय एक असाधारण जिम्मेदारी निभाई जब भारत विभाजन के घावों से उबर रहा था और साथ ही सैकड़ों रियासतों का एक संघ में विलय कर रहा था। राधाकृष्णन ने कहा, पटेल ने एक मजबूत, एकजुट एक भारत की मजबूत नींव रखी। उपराष्ट्रपति ने कहा कि जहां महात्मा गांधी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने भारत की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, वहीं पटेल ने रियासतों को आधुनिक भारत के साथ एकजुट करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अब 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। हैदराबाद संघर्ष के पीछे के जनांदोलन को श्रद्धांजलि देते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि छात्रों, बुद्धिजीवियों, लेखकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, राजनीतिक कार्यकर्ताओं, किसानों और आम नागरिकों ने इस संघर्ष में भाग लिया तथा कारावास, हिंसा और भारी व्यक्तिगत कठिनाइयों का सामना किया। उन्होंने रामजी गोड, तुंबाज खान और कोमाराम भीम सहित देशभक्तों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनका साहस हमें याद दिलाता है कि इतिहास केवल सरकारी कार्यालयों या प्रसिद्ध राजनेताओं द्वारा नहीं, बल्कि उन आम नागरिकों द्वारा भी बनाया जाता है जो अन्याय को अपनी नियति मानने से इनकार कर देते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की एकता के लिए यह आवश्यक नहीं है कि हर नागरिक एक जैसा हो। उन्होंने कहा कि भारतीय अलग-अलग भाषाएं बोल सकते हैं।

सत्ता का दरवाजा नहीं दिखने से विपक्षी नेता बेचैन : नवीन

इंदौर (मध्यप्रदेश)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने विपक्षी नेताओं पर बृहस्पतिवार को निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता हासिल करने का कोई भी दरवाजा दिखाई नहीं देने से उन्हें बेचैनी हो रही है। नवीन ने यह बात लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इंदौर में 19 सितंबर को होने वाले छात्रों की गूंज कार्यक्रम से दो दिन पहले कही। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार युवाओं के हित में कई योजनाएं संचालित कर रही है। भाजपा अध्यक्ष, प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन और निर्वाचित जन प्रतिनिधि के तौर पर उनके 25 वर्ष पूरे होने पर इंदौर में राज्य सरकार के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि विपक्षी नेताओं को मोदी के नेतृत्व में भारत का तेज रफ्तार विकास, गरीब कल्याण और रक्षा क्षेत्र में देश का स्वाभिमान देखकर पीड़ा होती है। नवीन ने कहा, चूंकि उन्हें (विपक्षी नेता) अब सत्ता का कोई दरवाजा नहीं

दिख रहा है, इसलिए उन्हें भीतर ही भीतर बेचैनी हो रही है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि नयी दिल्ली में हाल ही में संपन्न 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में नजर आ रहा था कि दुनिया के शक्तिशाली मुल्क भारत के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार हैं, लेकिन विपक्ष के नेता भारत की धाक के बजाय सम्मेलन में परोसे गए व्यंजनों की सूची देख रहे थे। नवीन ने प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा के सेवा दिवस, सेवा संकल्प अभियान, और आशीर्वाद का दीया जैसे आयोजनों को लेकर सवाल उठाने वाले विपक्षी नेताओं को आड़े हाथों लिया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, आपने (विपक्षी नेता) केवल राजनीति की, हमने समाज को जोड़कर जनता को विकास की राह पर आगे ले जाने का काम किया। आप सेवा शब्द का मतलब समझ ही नहीं सकते। नवीन ने कहा कि मोदी ने राष्ट्र प्रथम के नारे से पूरे देश को एक सूत्र में बांध दिया है, जबकि विपक्ष की सोच सेल्फ फर्स्ट, पार्टी नेक्स्ट और नेशन लास्ट की है।

इंटरटेनमेंट...

आईआईएफए अवॉर्ड्स 2027 अबू धाबी में होगा

मुंबई। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवॉर्ड्स का 27वां संस्करण 22-23 जनवरी 2027 को अबू धाबी में होगा। सलमान खान, करीना कपूर खान और शाहिद कपूर समेत कई सितारे इसमें शामिल होंगे। करण जौहर, वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, पंकज त्रिपाठी और अली फजल भी कार्यक्रम का हिस्सा होंगे। दो दिन के इस इवेंट में कलाकार, फिल्ममेकर और म्यूजिक आर्टिस्ट शामिल होंगे। सलमान खान ने अपने करियर में पहली बार 22वें आईआईएफए अवार्ड्स (2022) की मुख्य सेरेमनी को होस्ट किया था। आईआईएफए 2027 का आयोजन अबू धाबी के यास आइलैंड स्थित एतिहाद एरिना में होगा। अबू धाबी में आईआईएफए का यह चौथा आयोजन होगा। कार्यक्रम डिपार्टमेंट ऑफ कल्चर एंड टूरिज्म अबू धाबी और मिराल के साथ साझेदारी में होगा। दो दिन के इस कार्यक्रम में सितारों की परफॉर्मेंस और अवॉर्ड्स सेरेमनी होगी। 27वां संस्करण 2027 में यास आइलैंड के एतिहाद एरिना, अबू धाबी में आयोजित किया जाएगा। करीना ने फिल्म 'जब वी मेट' (2008) और फिल्म '3 इडियट्स' (2010) के लिए 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री' का मुख्य आईआईएफए पुरस्कार जीता था। करीना ने फिल्म 'जब वी मेट' (2008) और फिल्म '3 इडियट्स' (2010) के लिए 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री' का मुख्य आईआईएफए पुरस्कार जीता था। 2025 में 'लापता लेडीज' ने 10 अवॉर्ड्स जीते थे। बता दें कि पहले योजना थी कि आईआईएफए 2026 को अगस्त-सितंबर के महीने में साउथ-ईस्ट एशिया में आयोजित किया जाएगा, लेकिन बड़े स्तर पर तैयारियों और अंतरराष्ट्रीय तारीखों के तालमेल के कारण आयोजकों ने इसे आगे बढ़ाकर अब 2027 की शुरूआत में आयोजित करने का फैसला किया। इससे पहले आईआईएफए अवॉर्ड्स का सिल्वर जुबली समारोह 8 और 9 मार्च 2025 को भारत में आयोजित हुआ। जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (खएउउ) में हुए इस समारोह में बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियों ने शिरकत की। इवेंट को अभिनेता कार्तिक आर्यन और फिल्ममेकर करण जौहर ने को-होस्ट किया।

सलमान खान, करीना कपूर समेत कई सितारे होंगे शामिल, जानिए सेरेमनी का इतिहास

ऑस्कर के लिए नेपाल की फिल्म 'एलीफेंट्स इन द फॉग' को चुना

काठमांडू। नेपाली फिल्म एलीफेंट्स इन द फॉग (तिनिहरु) को 2027 में होने वाले 99वें अकादमी पुरस्कारों (ऑस्कर) में नेपाल की प्रविष्टि के रूप में चुना गया है। अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म चयन समिति (नेपाल) को विचार के लिए गौथली सहित दो फिल्में मिली थीं। हालांकि, समिति ने घोषणा की कि अविनाश विक्रम शाह द्वारा निर्देशित एलीफेंट्स इन द फॉग 2027 के ऑस्कर में नेपाल का प्रतिनिधित्व करेगी।

समिति ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि दोनों फिल्मों के तकनीकी पक्ष, कहानी, किरदारों के भावनात्मक चित्रण, कलात्मक प्रस्तुति और फिल्म की समग्र गुणवत्ता का गहन मूल्यांकन करने के बाद प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार के लिए नेपाल का प्रतिनिधित्व करने के वास्ते एलीफेंट्स इन द फॉग को चुना गया। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, फिल्म सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी में नेपाल का प्रतिनिधित्व करेगी।

लीजेंड्री गायिका टर सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक में रश्मिका

मुंबई। लीजेंड्री गायिका टर सुब्बुलक्ष्मी पर बायोपिक बनेगी। रश्मिका मंदाना फिल्म में उनका किरदार निभाएंगी। फिल्म का आधिकारिक लॉन्च 16 सितंबर 2026 को उनकी 110वीं जयंती पर चेन्नई के द म्यूजिक एकेडमी में किया गया। गौतम तिन्नुरी फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं, जो पहले 'जर्सी' और 'किंगडम' जैसी हिट फिल्में बना चुके हैं। रश्मिका से पहले साई पल्लवी का नाम इस बायोपिक के लिए सामने आया था। रश्मिका पहली बार ऐसी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक शख्सियत का किरदार निभाएंगी, जिसकी पहचान मुख्य रूप से कर्नाटक शास्त्रीय संगीत से जुड़ी है।

सिद्धार्थ-तमन्ना की फिल्म 'वन' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की अपकमिंग फैंटेसी फिल्म 'वन' का ट्रेलर मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। 2 मिनट 44 सेकंड का यह ट्रेलर एक रहस्यमयी और प्रतिबंधित जंगल की कहानी दिखाता है, जहां आस्था और लोककथाओं का मिलन होता है। फिल्म में सिद्धार्थ एक नास्तिक व्यक्ति के किरदार में हैं, जो जंगल के भीतर की शक्तियों और भूतों से मुकाबला करते नजर आते हैं।

'पंचायत' वेब सीरीज के निर्देशक दीपक कुमार मिश्रा के निर्देशन में बनी यह फिल्म 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में पहली बार तमन्ना भाटिया और सिद्धार्थ मल्होत्रा साथ काम कर रहे हैं। ट्रेलर की शुरूआत में तमन्ना भाटिया और सिद्धार्थ मल्होत्रा के किरदारों की बातचीत दिखाई गई है। तमन्ना का किरदार छठ पूजा की छुट्टियों में जंगल की तरफ जाने की बात करता है, जबकि सिद्धार्थ का किरदार बहाने बनाता दिखता है। तमन्ना का मानना है कि उन्हें देवी ने खुद बुलाया है। इसके बाद कहानी में कई अकल्पनीय घटनाएं घटने लगती हैं। यहां

'वन देवी' का प्राचीन मंदिर है। इस मंदिर से पुरानी लोककथाएं फिर से जीवित हो उठती हैं। फिल्म की इस रहस्यमयी दुनिया का सबसे बड़ा नियम है ₹सूर्यास्त के बाद वन में प्रवेश करना वर्जित है₹। जंगल के भीतर 'भुट्टका' नाम की अंधेरी और खौफनाक शक्तियां रहती हैं, जो रात के सन्नाटे से भी ज्यादा खतरनाक मानी जाती हैं। लोकमान्यता के अनुसार, अगर कोई इंसान रात के समय इस जंगल में कदम रखता है, तो वह कभी जिंदा वापस नहीं लौट पाता। सिद्धार्थ का किरदार इन खतरों के बावजूद इस जंगल की तरफ खिंचा चला जाता है।

सिद्धार्थ और तमन्ना के अलावा मनीष पॉल, श्वेता तिवारी, सुनील ग्रोवर और अनूप सोनी जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में डर और प्रामाणिकता का अहसास कराने के लिए मेकर्स ने असली जंगलों में शूटिंग की है। 'तुंबाद', 'भ्रमयुगम' और 'कांतारा' जैसी लोककथाओं पर बनी फिल्मों की सफलता के बाद दर्शक इस तरह के कंटेंट को काफी पसंद कर रहे हैं। बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म को शोभा कपूर और एकता कपूर ने प्रोड्यूस किया है।

फिल्म में दिखाई गई खौफनाक जंगल की दुनिया भूतों से मुकाबला करते नजर आए सिद्धार्थ

Viraj
आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। **कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी**
(पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com